जबलपुर
रविवार, 19 जनवरी 2025
माघ मास शुक्ल पक्ष -05
■ वर्ष : 19, अंक : 255
■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 24
न्यून. 6

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

रेल मंत्री वैष्णव ने किया बुलेट ट्रेन के काम का निरीक्षण

2026 के आखिर तक शुरू हो सकता है बुलेट ट्रेन का ट्रायल

समुद्र के अंदर सुरंग में 250 किमी की स्पीड से चलेगी बुलेट ट्रेन, आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई से अहमदाबाद के बीच दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन का काम गुजरात के बाद महराष्ट्र में स्पीड पकड़ रहा है। शनिवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई में बुलेट ट्रेन के काम का निरीक्षण किया। इस मौके पर वैष्णव ने समुद्र के अंदर बनाई जाने वाली सुरंग (टनल) के काम का निरीक्षण किया।

7 किमी हिस्से में समुद्र के अंदर है सुरंग

बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र राज्य में 21 किलोमीटर लंबी सुरंग के निर्माण की स्थिति, जिसमें भारत की पहली 7 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे सुरंग शामिल है। मुंबई बुलेट ट्रेन भूमिगत स्टेशन बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और महाराष्ट्र राज्य के शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी भारत की पहली भूमिगत/समुद्री सुरंग का निर्माण चल रहा है।

भोपाल में ट्रेन की चपेट में आने से 11वीं के छात्र की मौत

ऑनलाइन गेमिंग का टास्क पूरा करने की लत ने ली छात्र की जान! पुलिस ने मोबाइल जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा

परिजन बोले अधिकतर समय मोबाइल पर खेलता था ऑनलाइन गेम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित भानपुर ब्रिज पर शुक्रवार रात 11वीं के छात्र की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्र का शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया था। बताया जा रहा है कि पब्जी में वह टास्क पूरा करने रेलवे ट्रैक पर पहुंचा था।

पुलिस ने मृत्युंजय का मोबाइल जब्त किया है। मोबाइल फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। फॉरेंसिक की रिपोर्ट मिलने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। परिजन ने बताया कि उनका बेटा ऑनलाइन गेम पब्जी खेलने का शौकीन था। छात्र ने आत्महत्या की या फिर वह हादसे का शिकार हुआ पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने छात्र का मोबाइल जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार मृत्युंजय शर्मा पिता क्षमा शंकर शर्मा (16) भानपुर मल्टी, छोला मंदिर में रहता था और 11वीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता क्षमा शंकर आटो चलाते हैं। मृत्युंजय उनका बड़ा बेटा था, जबकि छोटी बेटी है। परिजन ने बताया कि मृत्युंजय शुक्रवार रात मल्टी के आसपास ही खेल रहा था। इसके बाद वह रहस्यमय तरीके से लापता हो गया। इधर रात करीब दस बजे पुलिस को सूचना मिली कि भानपुर ब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पर किसी बच्चे का शव पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन घटनास्थल से ऐसा कुछ भी नहीं मिला, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके।

मृत्युंजय

आत्महत्या या हादसा पुलिस कर रही जांच

फ्री फायर जैसे गेम्स खेलने में बिताता था समय

ऑनलाइन गेमिंग की आदत मृतक के मामा मनोज शर्मा ने बताया कि मृत्युंजय ऑनलाइन गेम्स खेलने का शौक रखते थे और वह अक्सर अपना समय मोबाइल फोन पर फ्री फायर जैसे गेम्स खेलने में बिताते थे। मामा के अनुसार, वह ज्यादातर समय मोबाइल में व्यस्त रहता था। परिजनों का मानना है कि संभव है कि किसी टास्क को पूरा करने के चक्कर में वह ट्रेन की चपेट में आ गया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सैटेलाइट पेलोड बैलून घर की छत पर गिरा

बेंगलुरु। कर्नाटक के बीदर जिले के जलसांगी गांव में शनिवार सुबह सैटेलाइट पेलोड बैलून एक घर की छत पर गिरा। गांववालों ने बताया कि एयरबैग जैसे दिखने वाले इस बैलून में एक बड़ी मशीन लगी हुई थी। जिसमें लाल लाइट जल रही थी। पुलिस ने बताया कि सैटेलाइट पेलोड बैलून टीआईएफआर ने एक्सपेरिमेंट के लिए उड़ाया था।

सिंगरौली के तेंदुए की इलाज के दौरान मौत

जबलपुर। सिंगरौली में दुर्घटनाग्रस्त हुए एक तेंदुए की जबलपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। तेंदुआ का बीते 15 दिन से जबलपुर के वेटनरी कॉलेज में इलाज चल रहा था। शनिवार की सुबह अचानक उसका स्वास्थ्य बिगड़ा और मौत हो जाने से कॉलेज में हड़कंप मच गया। अब पीएम के बाद मौत की वजह सामने आएगी।

देवास: दिनदहाड़े शहर के बाजार में हत्या

देवास। शहर में दिनदहाड़े एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शहर के भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र बस स्टैंड के पीछे आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया। मृतक पैसों के लेनदेन को लेकर ऑटो डीलर के ऑफिस में मिलने आया था। जहां उस पर फायर किया और धारदार हथियार से भी हमला किया गया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

स्वामित्व केवल भू-अधिकार नहीं बल्कि स्वाभिमान का अधिकार: सीएम डॉ.यादव

स्वामित्व योजना से गांव और गरीब होंगे सशक्त विकसित भारत का सफर होगा सुहाना: पीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वामित्व योजना से गांव और गरीब सशक्त होंगे और विकसित भारत का सफर सुहाना होगा। भारत में पिछले लगभग 5 वर्ष में डेढ़ करोड़ ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का स्वामित्व पत्र (प्रॉपर्टी कार्ड) दिया गया है। आज 65 लाख से अधिक हितग्राहियों को प्रॉपर्टी कार्ड दिया जा रहा है।

पीएम मोदी शनिवार को दिल्ली से स्वामित्व योजना के तहत हितग्राहियों को संपत्ति अधिकार पत्रों के ई-वितरण के शुभारंभ कार्यक्रम में बोल रहे थे। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना में सम्पत्ति कार्ड वितरण कार्यक्रम जिला स्तर पर भी आयोजित हुआ। इन कार्यक्रमों में केंद्रीय मंत्री, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, विधानसभा अध्यक्षय सहित सांसद एवं विधायकगण शामिल हुए और हितग्राहियों को संपत्ति कार्ड वितरण कर उनसे संवाद भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिना किसी भेदभाव के लोगों को उनकी सम्पत्ति के स्वामित्व का अधिकार दिया है।

प्रॉपर्टी राइट्स 21 वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौती का समाधान

देश के 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 65 लाख दस्तावेजों का वितरण हुआ जिसमें मप्र के 15 लाख 63 हजार शामिल हैं

100 लाख करोड़ से अधिक की आर्थिक गतिविधियों का रास्ता खुलेगा

ग्राम स्वराज जमीन पर उतरेगा, ग्राम पंचायतें आर्थिक दृष्टि से होंगी सशक्त

सवा दो करोड़ ग्रामीणों को उनके घर का पक्का कानूनी दस्तावेज मिला

सिवनी के पॉलिटेक्निक कॉलेज में राज्यस्तरीय कार्यक्रम हुआ, पीएम मोदी वर्चुअल जुड़े

पहले की सरकारों ने ठोस समाधान नहीं निकाला

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा पहले की सरकारों ने इस समस्या का कोई ठोस हल नहीं निकाला। वर्ष 2014 में जब हमारी सरकार बनी तब हमने इस योजना को प्रारंभ किया। ड्रोन के माध्यम से जमीनों की मैपिंग कराई गई और गरीबों की संपत्ति के कागज तैयार किए गए। देश में लगभग 6 लाख गांव है, इनमें से आधे से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वे पूरा हो चुका है। सवा दो करोड़ ग्रामीणों को प्रॉपर्टी कार्ड मिल गए हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। लगभग 100 लाख करोड़ से ज्यादा की आर्थिक गतिविधियों का रास्ता खुलेगा।

हितग्राहियों को संपत्ति कार्ड का वितरण किया

मुख्यमंत्री ने स्वामित्व योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हितग्राहियों को संपत्ति कार्ड का वितरण किया। पूरे प्रदेश में इस कार्यक्रम के माध्यम से 15.63 लाख हितग्राही लाभांवित हुए। ग्रामीण आबादी सर्वे के लिए स्वामित्व योजना वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू की थी। केन्द्र सरकार की स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी का जीआईएस प्रणाली से भू-मापन कर अधिकार अभिलेख तैयार किया जाता है।

समाज के चारों स्तंभ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनकल्याण के तहत समाज के चार स्तंभ महिला सशक्तिकरण, युवा शक्ति, किसानों और गरीब कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में हैं। प्रदेश सरकार महिला, युवा, गरीब और किसानों की जिंदगी बदलने के लिए लगातार काम कर रही हैं। सरकार ने युवा मिशन और गरीब कल्याण मिशन प्रारंभ किया है। इससे युवाओं के लिए रोजगार का प्रबंधन करने कीदिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 2.50 लाख पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसमें सभी श्रेणियों के पद भरे जाएंगे। गरीब मिशन के तहत सभी गरीब परिवार और निम्न आय वर्ग वाले लोगों के लिए पक्के मकान होंगे।

उज्जैन में ईओडब्ल्यू ने जिला सहकारी बैंक के रिटायर्ड असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर के घर पर मारा छापा

सैलरी मिली 70 लाख और प्रॉपर्टी बनाई 5 करोड़ की, काली कमाई से खड़ा कर लिया साम्राज्य

- ईओडब्ल्यू की रेड में बड़ा खुलासा, 5 लाख कैश और 6 अचल संपत्ति के डॉक्यूमेंट बरामद
- अब तक दो बड़े मकान, दो दुकान सहित तीन बैंक लॉकर की जानकारी मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

जिले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने जिला सहकारिता बैंक में सहायक प्रबंधक रहे अनिल सुहाने के बी 2/20 बंसत विहार स्थित घर पर छापा मारा है।

टीम को सहायक प्रबंधक के पास से आय से अधिक संपत्ति की जानकारी मिली थी। इस मामले में टीम को करीब 5 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति का पता चला है। छापे में की टीम को अब तक दो बड़े मकान, दो दुकान सहित तीन बैंक लॉकर की जानकारी हाथ लगी है।

पहले भी मिल चुकी हैं शिकायतें

एसपी सोनी ने बताया कि सुहाने पर पहले भी बैंक में ऋण संबंधी भ्रष्टाचार को लेकर शिकायतें मिली थी। सुहाने 1992 में 3000 रुपए प्रतिमाह की नौकरी पर लगे थे। इस हिसाब से सुहाने की अब तक की 30 वर्ष के सेवा काल मे आय 70 लाख रुपए की होना चाहिए थी।

रिटायरमेंट के 18 वें दिन छापा

सरकारी रिकॉर्ड अनुसार सुहाने सन 1992 में 3000 रुपए वेतन में सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त हुए थे। 18 दिन पहले 31 दिसंबर 2024 को वे रिटायर होने के बाद बसंत विहार स्थित बंगले पर रह रहे थे। लेकिन पूर्व में ही शिकायत की में आय से अधिक संपत्ति होने के

चैंपियंस ट्रॉफी: टीम इंडिया का ऐलान

शुभमन गिल उप-कप्तान सिराज टीम से हुए बाहर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया।

■ बुमराह की जगह टीम में हर्षित राणा को शामिल किया गया

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर की लंबी बैठक के बाद एक प्रेस कांफ्रेस के जरिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की गई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम शामिल हैं। रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर,

कल होगा सजा का ऐलान

कोलकाता रेप-मर्डर में संजय रॉय दोषी करार

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कोलकाता के सियालदह की सत्र अदालत ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 31 वर्षीय ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय को दोषी करार दिया है।

■ जज ने टिप्पणी में कहा कि तुम्हें सजा मिलनी ही चाहिए

जज अनिर्बान दास ने संजय रॉय को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा- 64 (बलात्कार के लिए सजा), 66 (मृत्यु का कारण बनने के लिए सजा) और 103 (हत्या) के तहत दोषी ठहराया। सियालदह कोर्ट के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश दास ने मुकदमा शुरू होने के 57 दिन बाद फैसला सुनाया।

सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में तेज हुई जांच

पुलिस की 35 टीमों ने 50 संदिग्धों से की पूछताछ, एक को दुर्ग से पकड़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बीते दिनों फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में पुलिस अब तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। मामले की तह तक जाने के लिए जांच कर रहीं पुलिस की 35 टीमों ने अब तक 50 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की है। इसके अलावा करीब तीन दर्जन लोग रडार पर हैं। जहां भी पुलिस को कोई सुराग मिलता है वैसे ही पुलिस तत्काल उस पर एक्शन ले लेती है। दुर्ग में ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से आरपीएफ ने एक संदिग्ध को पकड़ा है।

सैफ अली खान

आकाश

सैफ अली खान पर हुआ था हमला

सैफ अली खान पर उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया गया था। अभिनेता के गले, पीठ, हाथ और सिर समेत 6 जगहों पर चाकू से वार किया गया था। हमले के दौरान एक्टर की रीढ़ की हड्डी में चाकू का टुकड़ा फंस गया था जिसे सर्जरी कर बाहर निकाला गया। फिलहाल सैफ अली खान का इलाज मुबंई के लीलावती अस्पताल में चल रहा है।

फोटो के आधार पर हुई पहचान

एसके सिन्हा ने बताया कि संदेही की पहचान मुंबई पुलिस के भेजे गए फोटो के आधार पर की गई। फिलहाल संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि संदिग्ध हमलावर है या नहीं इसकी पुष्टि मुंबई पुलिस करेगी। मुंबई पुलिस के अधिकारी आज शाम तक दुर्ग पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि फोटो के आधार पर कई ट्रेनों में तलाश की गई थी। संदिग्ध ने अपने बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी है।

30 अध्ययनों और 14 डेटाबेस में आए परिणाम

माता-पिता की अधिक चहेती होती है सबसे छोटी संतान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भले ही अभिभावक अपनी बेटियों और बात मानने वाले बच्चों का पक्ष अधिक लेते हों पर आम तौर पर छोटी संतान ही माँ-बाप की अधिक चहेती होती हैं। पारिवारिक गतिशीलता का विश्लेषण करने वाले अध्ययनों की समीक्षा में यह दावा किया गया है।

हालांकि, बड़े बच्चों को अक्सर अधिक स्वायत्तता दी जाती है क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ माता-पिता कम नियंत्रण वाले हो जाते हैं। लगभग 19,500 प्रतिभागियों पर आधारित 30 अध्ययनों और 14 डेटाबेस की समीक्षा में यह पाया गया। समीक्षा के प्रमुख लेखक और अमेरिका स्थित ब्रिघम यंग विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अलेक्जेंडर जेंसेन ने कहा कि दशकों से शोधकर्ता जानते हैं कि माता-पिता के पक्षपातपूर्ण व्यवहार का बच्चों पर स्थाई परिणाम हो सकता है। यह समीक्षा 'साइकोलॉजिकल बुलेटिन' पत्रिका में प्रकाशित हुई है।

जेंसेन ने कहा कि यह अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है कि किन बच्चों को पक्षपात का शिकार होने की अधिक संभावना है, जो सकारात्मक और नकारात्मक दोनों हो सकता है। उन्होंने कहा कि जब जन्म क्रम आधारित औसत की बात आती है, तो छोटे भाई-बहनों को कुछ हद तक तरजीह मिलती है। जेंसेन के अनुसार, माता-पिता के बड़े भाई-बहनों को अधिक स्वायत्तता देने की संभावना रहती है, संभवतः इसलिए क्योंकि वे अधिक परिपक्व थे।

एमपीपीएससी रिजल्ट 2022: अभी 87% अभ्यर्थियों का ही परिणाम जारी

देवास की दीपिका पाटीदार ने किया टॉप, कुल 456 में 394 अभ्यर्थियों की सूची जारी, डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी दोनों में ही महिलाओं ने मारी बाजी

24 डिप्टी कलेक्टरों में 11 महिलाएं भी शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने राज्य सेवा परीक्षा 2022 के परिणाम घोषित कर दिए। शनिवार शाम को जारी अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।

परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों की सूची में 394 नाम हैं। 63 पदों के लिए जानकारी अभी शेष है। दरअसल, अभी परीक्षा के मुख्य भाग 87 प्रतिशत का परिणाम जारी किया गया है। 13 प्रतिशत का रिजल्ट अभी शेष है। परीक्षा में प्रदेश की देवास की ग्राम जामगोद की दीपिका पाटीदार ने टॉप किया है।

वहीं 24 डिप्टी कलेक्टरों में 11 महिला भी शामिल हैं। इनके अलावा 8 ही पद आरक्षित थे। वहीं 87-13 प्रतिशत के फार्मूले के तहत अभी 87 फीसदी का ही परिणाम जारी हुआ है और 405 पदों पर भर्ती की गई है। डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी दोनों में ही महिलाओं ने टॉप किया है।

दीपिका पाटीदार

भोपाल की रमशा बनेगी डीएसपी

भोपाल की रमशा अंसारी ने एक्सीलेंस कॉलेज से बीए इकानॉमिक्स ऑनर्स में ग्रेजुएशन किया है। रमशा अंसारी अब डीएसपी बनने जा रही हैं। इनके पिता मोहम्मद अंसारी कृषि विभाग में यूडीसी, मां संजीदा अंसारी हाउस वाइफ हैं। रमशा के अनुसार कड़ी मेहनत के बल पर तीसरी बार में उन्हें यह सफलता मिली है। मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग के अनुसार उक्त सूची में अभी केवल 87 प्रतिशत मुख्य भाग की चयन सूची

456 पदों के लिए हुई थी भर्ती

राज्य सेवा परीक्षा का विज्ञापन 30 दिसंबर 2022 को प्रकाशित किया गया था। इसमें 456 पदों के लिए भर्ती निकाली गई थी। इसकी प्रारंभिक परीक्षा 12 जुलाई 2023 को आयोजित की गई थी। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा का आयोजन 8 जनवरी 2024 से 12 जनवरी 2024 के बीच हुआ था। इसके परिणाम 7 जून 2024 को घोषित हुए थे।

यह भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की आध्यात्मिक अनुभूति का पर्व इसके कुशलतापूर्वक संचालन के लिए हमें हो रहा मुख्यमंत्री योगी पर गर्व

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए तारीफ की और हार्दिक बधाई दी। सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया में ऐसी श्रद्धालुओं का ऐसा विशाल जुटान कहीं नहीं होता है। राजनाथ ने कहा कि वह खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें इस महाकुंभ में संगम पर डुबकी लगाने का मौका मिला। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश महाकुंभ का यह संदेश, एक रहेगा यह देश को दोहराया और कहा कि यह गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है, जिसमें सनातन धर्म के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक पहलू के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव भी निहित है। सिंह ने कहा कि मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि भगवान ने मुझे इस महाकुंभ में संगम पर डुबकी लगाने का अवसर दिया है। आज संगम में स्नान करके मैं बहुत तृप्त महसूस कर रहा हूं। यह पर्व भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की आध्यात्मिक अनुभूति का पर्व है, जो प्राचीन वैदिक खगोलीय घटना पर आधारित है। यहां देश-दुनिया से विभिन्न जातियों और नस्लों के लोग एकता की भावना के साथ आते हैं। यह गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है, जिसमें सनातन धर्म के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक पहलू के साथ-साथ सामाजिक समरसता भी है। सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह से दुनिया की सबसे बड़ी जनसभा का कुशलतापूर्वक संचालन किया, उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं... मैं इसके लिए उन्हें हृदय से बधाई देता हूं।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने संगम में लगाई डुबकी, और बोले 'महाकुंभ का यह संदेश, एक रहेगा यह देश'

सिंह ने मुख्यमंत्री योगी को महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए तारीफ की और हार्दिक बधाई दी। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश 'महाकुंभ का यह संदेश, एक रहेगा यह देश' को दोहराया और कहा कि यह गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है, जिसमें सनातन धर्म के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक पहलू के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव भी निहित है।

संगम पर की पूजा अर्चना

इससे पहले महाकुंभ के छठे दिन राजनाथ स ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद सिंह ने पवित्र गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती नदियों के संगम पर पूजा-अर्चना की। रक्षा मंत्री के साथ भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी और पार्टी के अन्य नेता भी थे।

शनिवार सुबह 10 बजे तक 19.8 लाख से अधिक तीर्थयात्री पहुंचे

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार शनिवार को सुबह 10 बजे तक 19.8 लाख से अधिक तीर्थयात्री महाकुंभ मेले में आए। महाकुंभ मेले के छठे दिन 10 लाख से अधिक कल्पवासियों और 9.84 लाख तीर्थयात्रियों ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। शुक्रवार तक के आंकड़ों के अनुसार अब तक 73 मिलियन से अधिक तीर्थयात्री महाकुंभ मेले में आ चुके हैं। महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है और इस आयोजन में कुछ उल्लेखनीय नाम भाग ले रहे हैं।

स्वामी अवधेशानंद ने हिंदुओं से की तीन अपील

सनातन धर्म से व्यक्ति को सहिष्णुता, शांति, समन्वय, समर्पण, त्याग और अहिंसा का संदेश मिलता है। सनातन व्यक्ति, सृष्टि के कल्याण की चिंता करता है। सनातन में परोपकार का भाव है, जो मनुष्य के साथ पर्वत, जीव-जंतु, वनस्पतियों, नदियों को पूज्यनीय मानकर उनकी रक्षा की सीख देता है। उसी सनातन धर्म को समाप्त करने कुचक्र रचा गया। भय व लोभ के माध्यम से मतांतरण कराया गया। यह विचार हैं श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के।

अखाड़ों की 'सेना' में जुड़ेंगे 4500 नागा, प्रक्रिया शुरू

सनातन धर्म के प्रति सर्वस्व न्योछावर करने का भाव लेकर हजारों लोग अखाड़ों में नागा बनने के लिए तैयार हैं। अखाड़ों में इसकी प्रक्रिया आरंभ हो गई है। सबका पंजीकरण किया जा रहा है। अखाड़ा पंजीकरण की पर्ची काटता है। इसके साथ नागा बनने वाले लोगों का गुप्त रूप से साक्षात्कार लिया जा रहा है। उनके प्रपत्रों की जांच हो रही है।

11,00 नागा संन्यासी बनेंगे

जूना, श्रीनिरंजनी, श्रीमहानिर्वाणी, आवाहन, अटल और आनंद अखाड़ा में सारी प्रक्रिया में खरा उतरने वालों को नागा संन्यास की दीक्षा दी जाएगी। जूना अखाड़ा में लगभग दो हजार लोगों को नागा संन्यास की दीक्षा दी जाएगी। श्री निंरजनी अखाड़ा में 1100 के लगभग लोगों को नागा संन्यासी बनाया जाएगा।

महाकुंभ में ये भी नजारे

श्रद्धालुओं को दर्शन देने आए 5 पैरों वाले नंदी बाबा

महाकुंभ में पांच पैरों वाले नंदी महाराज की भी चर्चा खूब है। पांच पैरों वाले नंदी बाबा यहां आकर्षण का केंद्र हैं। लोग इन नंदी बाबा को ढूंढ कर उनको प्रणाम कर उनसे आशीर्वाद ले रहे हैं। पांच पैरों वाले नंदी बाबा की अपनी विशेष महत्वहै। इन नंदी महाराज का श्रृंगार किया गया है। माला पहनाई गई है, टीका लगाया गया है, कपड़े पहनाए गए हैं।

पेटीएम ने पेश किया महाकुंभ क्यूआर

इस ऐतिहासिक आयोजन को और भी सुगम बनाने डिजिटल पेमेंट सेवा प्रदाता पेटीएम ने कई पहल की हैं, जिनमें महाकुंभ के लिए खास क्यूआर कोड लॉन्च प्रमुख है। पेटीएम जो वन 97 कम्युनिकेशन द्वारा संचालित है।

..तो राज्याभिषेक होगा ही

नए स्वरूप में दिखीं

महाकुंभ में वायरल सुंदरी और सबसे खूबसूरत साध्वी के नाम से मशहूर हर्षा रिछारिया फूट-फूट कर रोने के बाद अब नए तेवर में दिखाई दी हैं। अपने खिलाफ षड्यंत्र का आरोप संतों पर ही लगाया था। आप कितने भी साल वनवास काट लें, आपका राज्याभिषेक होगा ही।

खबर संक्षेप

सांसद के खिलाफ यौन शोषण का मुकदमा दर्ज

सीतापुर। कोतवाली नगर क्षेत्र निवासी एक पीड़िता ने कांग्रेस सांसद राकेश राठौर पर यौन शोषण का आरोप लगा है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने बताया कि सांसद रपिछले 4 वर्षों से शादी का झांसा व राजनैतिक कैरियर की सहायता देने के आश्वासन के नाम पर पीड़िता का यौन शोषण कर रहा था।

गोरखपुर में हुक्का बार में 3 नाबालिग से गैंगरेप

गोरखपुर। यहां के शाहपुर के गीता वाटिका स्थित जेनिस बॉटल हुक्का बार में तीन नाबालिग लड़कियों से सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद मामले की जांच में रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। धंधेबाज के इशारे पर युवती बिहार, नेपाल और आसपास के जिलों से यहां पढ़ने आने वाली किशोरियों को चुटकियों में फंसाती थी।

दिल को लेकर13 मिनट में पूरा किया 13 किमी का सफर

हैदराबाद। मेट्रो ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। मेट्रो न सिर्फ यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचा रही, बल्कि स्वास्थ्य क्षेत्र में अहम योगदान निभा रही है। हैदराबाद मेट्रो ने 13 किमी की दूरी को सिर्फ 13 मिनट में पूरा किया और हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए दिल पहुंचाया। इसे लेकर एक वीडियो भी सामने आया है।

गवर्नर के ओएसडी के ड्राइवर का बेटा मोबाइल स्नैचर

पटना। राजधानी पटना में बढ़ती मोबाइल और चेन स्नैचिंग की घटनाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सचिवालय थाना पुलिस ने मोबाइल छिनैती करने वाले चार शातिर स्नैचरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए स्नैचरों में एक आरोपी गवर्नर के ओएसडी के ड्राइवर का बेटा है।

दिल्ली पुलिस ने की कार्रवाई, आप नेताओं ने किया दावा

केजरीवाल की जेल यात्रा पर बनी डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग रुकी, अनुमति नहीं ली गई थी

सभी पार्टियां करें नियम- कानूनों का पालन, दिशा-निर्देशों का उल्लंघन न हो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने अरविंद केजरीवाल जुड़ी डॉक्यूमेंट्री अनब्रेकबल की स्क्रीनिंग पर रोक लगाने का दावा किया है। यह डॉक्यूमेंट्री उस समय पर आधारित है, जब अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सत्येंद्र जैन जेल में बंद थे। यह डॉक्यूमेंट्री इन नेताओं की जेल यात्रा पर बनाई गई है। दिल्ली पुलिस द्वारा रोक लगाने पर आप नेताओं का कहना है कि पुलिस ने भाजपा के कहने पर डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग पर रोक लगाई है। शनिवार 11:30 बजे प्यारे लाल भवन (आईटीओ) में डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग होनी थी।वहीं, डॉक्यूमेंट्री दिखाए जाने को लेकर दिल्ली पुलिस का कहना है कि इस आयोजन के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी, इसलिए यह दिशा-निर्देशों का उल्लंघन होगा। हम सभी दलों से इस समय चुनाव नियमों और विनियमों का पालन करने का आग्रह करते हैं। चूंकि चुनाव घोषित हो चुके हैं, इसलिए राजनीतिक दलों को डीईओ कार्यालय में सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से अनुमति के लिए आवेदन करना होगा। चुनाव के दौरान यह एक मानक प्रक्रिया है।

आप ने कहा भाजपा के कहने पर ऐसा किया

भाजपा ने पुलिस पर डाला था दबाव, तब रोकी गई

भाजपा डरी, इसलिए रोक लगवाई

केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, आप पर एक फिल्म बनी है। इस फिल्म को पत्रकारों को दिखाया जाना था, वहां देखिए, कितनी भारी संख्या में पुलिस लगाकर भाजपा ने इस फिल्म को दिखाने से रोक दिया। भाजपा इस फिल्म से बुरी तरह से डरी हुई है। भाजपा इस फिल्म को क्यों रोकना चाहती है? इस फिल्म में आखिर ऐसा क्या है जिससे भाजपा डरी हुई है? ये फिल्म पर्दे के पीछे के उन सब रहस्यों को उजागर करती है।

खुद को पीड़ित के तौर पर पेश करने की कवायद

विधानसभा चुनाव में केजरीवाल पर विपक्षी दल भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगा रहे हैं। आबकारी नीति में जेल जाने के कारण अरविंद केजरीवाल की छवि को नुकसान पहुंचा है। ऐसे में चुनाव के दौरान इस छवि को बेहतर बनाने के लिए आप डॉक्यूमेंट्री के जरिए केजरीवाल को पीड़ित के तौर पर पेश कर सियासी लाभ लेने की कोशिश कर रही है। चुनाव के समय इसे दिखाकर आप अपने समर्थकों को भी यह बताना चाहती है कि साजिश के तहत आप नेताओं को जेल भेजने का काम किया गया ताकि जनता के हित में दिल्ली सरकार के फैसलों पर रोक लगाई जा सके। डॉक्यूमेंट्री के जरिए केजरीवाल लोगों की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

उधर आप का आरोप

केजरीवाल पर भीड़ ने पत्थर से किया हमला

आप ने शनिवार को भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा केजरीवाल पर प्रवेश के गुंडों ने पत्थर से हमला किया। विधानसभा में प्रचार करते वक्त यह हमला किया गया। लोकल लोगों से भी प्रवेश वर्मा के गुंडों की झड़प हुई।

दिल्ली में किराएदारों को मिलेगी फ्री बिजली और पानी

केजरीवाल ने एक और बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि आप सरकार दिल्ली में किराएदारों को फ्री बिजली और पानी देगी। हम ऐसी योजना लेकर आएंगे जिससे किराएदारों को भी कई लाभ होंगे।

भाजपा का केजरीवाल पर आरोप

अब हम इस फिल्म को जनता को दिखाकर रहेंगे: भारद्वाज

आप की डॉक्यूमेंट्री को लेकर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि किसी फिल्म को दिखाने में पुलिस का कोई रोल ही नहीं होता है तो पुलिस से इसकी इजाजत क्यों ली जाती? अब हम इस फिल्म को जनता को दिखाकर रहेंगे। इसे चाहे हम कमरे में बैठाकर मोबाइल में दिखायें या फिर व्हाट्सएप पर भेजें।

2 युवकों को तानाशाह से सवाल पूछना पड़ा भारी, कार से टक्कर मारी

भाजपा ने भी वीडियो जारी किया है और केजरीवाल पर ही आरोप लगाए हैं। एक्स पर लिखा गया, 2 युवकों को तानाशाह से सवाल पूछना पड़ा भारी। चुनावों में हार सामने देख बौखलाया महाठग। सवाल पूछने पर दो युवाओं को टक्कर मारकर भागे, दोनों युवक को लेडी हार्डिंग हॉस्पिटल ले कर गए। केजरीवाल क्या तुम्हारे लिए लोगों की जान की कोई कोई कीमत नहीं है?

भाजपा फरेब है तो केजरीवाल सबसे बड़ा धोखेबाज: लांबा

कांग्रेस उम्मीदवार अलका लांबा ने कहा कि भाजपा पूरी तरह से झूठ और धोखे का पुलिंदा है। राजस्थान की पूर्व सरकार 500 रुपए का सिलेंडर दे रही थी, फिर आई मोदी की गारंटी सिलेंडर साढ़े चार सौ का। केजरीवाल ने भी वादा पूरा नहीं किया वे धोखेबाज हैं।

हिमाचल: हिरासत में मौत का मामला

सीबीआई कोर्ट में पूर्व आईजी समेत 8 पुलिसकर्मी दोषी

शिमला। कोटखाई में वर्ष 2017 में 16 साल की नाबालिग से गैंगरेप के आरोपी की पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में चंडीगढ़ की सीबीआई कोर्ट ने फैसला सुना दिया है। अदालत ने इस मामले में तत्कालीन आईजी जाहुर हैदर जैदी समेत 8 पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराया है। एक अधिकारी और शिमला के पूर्व एसपी नेगी को बरी कर दिया गया।अदालत ने पूर्व आईडी जाहुर जैदी के अलावा मनोज जोशी, राजिंदर सिंह, दीप चंद शर्मा, मोहन लाल, सूरत सिंह, रफी मोहम्मद, रंजीत स्टेटा को दोषी करार दिया है। घटना 4 जुलाई, 2017 को कोटखाई क्षेत्र से 16 साल की लड़की गायब हो गई थी और 6 जुलाई को उसकी लाश हलैला जंगलों में मिली थी। पोस्टमार्टम में रेप की पुष्टि हुई थी। इस केस के आरोपी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। अब अदालत ने आरोपी पुलिसवालों को दोषी करार दिया है। इस मामले में 27 जनवरी को सजा सुनाई जाएगी

गोपालगंज में 53 पुलिस अधिकारियों पर केस

बिहार के गोपालगंज जिले में 53 से अधिक पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि इस अधिकारियों ने ट्रांसफर के बाद केस फाइल नए अधिकारी को ट्रांसफर नहीं की है। इस वजह से कई मामले लंबे समय से अटके पड़े हैं। इसी वजह से इन अधिकारियों के खिलाफ ट्रांसफर के बाद भी उनके स्थान पर आने वाले अधिकारी को केस फाइल नहीं सौंपने, कई मामलों की जांच में बाधा डालने के आरोप में मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिले के चार थानों में 53 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने बताया कि अगर वे अगले एक सप्ताह में मामलों को सौंपने में विफल रहते हैं, तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू की जाएगी।

उधर134 पुलिस अफसरों पर ममला दर्ज

जिला पुलिस से जुड़े सूत्रों ने कहा कि यह पाया गया कि कई मामलों में जांच लटकी हुई है, क्योंकि तत्कालीन जांच अधिकारियों (कुल 53) का तबादला हो गया और उन्होंने फाइलें अन्य अधिकारी को नहीं सौंपीं। सभी पुलिस अधिकारियों पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले मुजफ्फरपुर जिले में 134 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ उनके नए पदभार ग्रहण करने वाले स्थानों पर दस्तावेज ले जाने, 900 से अधिक मामलों की जांच में बाधा डालने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

संविधान सुरक्षा सम्मेलन में बोले

राहुल ने बिहार की जातिगत जनगणना को बताया फर्जी

एजेंसी ▶▶ पटना

पटना में 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में बोलते हुए कांग्रेस सांसद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए जातिगत जनगणना होनी चाहिए। यह बिहार में की गई फर्जी जातिगत जनगणना जैसी नहीं होगी, जातिगत जनगणना के आधार पर नीति बनाई जानी चाहिए, कांग्रेस जातिगत जनगणना को लोकसभा और राज्यसभा में पारित करेगी। हम 50फीसदी आरक्षण की बाधा को ध्वस्त कर देंगे।

भारत की सारी संपत्ति सिर्फ 2-3 लोगों के हाथ में

राहुल ने कहा कि इस किताब (भारत के संविधान) में कहां लिखा है कि भारत की सारी संपत्ति सिर्फ 2-3 लोगों के हाथ में चली जानी चाहिए। आज के भारत में विधायकों और सांसदों के पास कोई ताकत नहीं है। हम आरक्षण की सीमा 50 फीसदी को पार कर देंगे।

सुप्रीम कोर्ट में अजीबो-गरीब घटनाक्रम सामने आया

जज ने वकील को दिए 30 सेकंड, चलो क्रिकेट पर बात करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक अजीबो-गरीब घटनाक्रम सामने आया। जब एक बहस ने आश्चर्यजनक मोड़ ले लिया। यह घटनाक्रम तब सामने आया, जब जस्टिस ऋषिकेश रॉय ने एक वकील को अपने मामले के अलावा किसी भी विषय पर बोलने के लिए 30 सेकंड का समय दिया। जिससे अदालती मामलों के बजाय क्रिकेट के बारे में हल्की-फुल्की बातचीत हुई। कोर्ट एक आपराधिक मामले में आरोप तय करने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। जिसे तीन निचली अदालतों ने बरकरार रखा था।

जस्टिस ऋषिकेश रॉय ने एक वकील को अलग मामले पर बात करने को कहा

लेकिन हम आपकी याचिका खारिज कर रहे

इस अप्रत्याशित प्रस्ताव से वकील असमंजस में पड़े

इस अप्रत्याशित प्रस्ताव से वकील असमंजस में पड़ गए और कानूनी दलीलों से खेल पर बात करने में कठिनाई महसूस की। जस्टिस रॉय ने इस बातचीत को हल्का-फुल्का रखने के लिए जोर दिया और दिनभर की गंभीर कानूनी सुनवाई के बीच माहौल को अच्छा करने की मंशा जाहिर की। हालांकि, वकील ने क्रिकेट पर बात करने का मौका नहीं लिया, लेकिन यह घटना जस्टिस रॉय के सत्रों में हास्य को शामिल करने के अंदाज को दर्शाती है।

जस्टिस का बीच-बीच में हास्य का पुट

यह घटना याद दिलाती है कि जस्टिस रॉय कैसे अक्सर अपने सत्रों में हास्य का पुट जोड़ते रहे हैं। यह गुण उन्हें उनके सहयोगियों के बीच लोकप्रिय बनाता है, जिनमें पूर्व मुख्य न्यायाधीश धनंजय वाई. चंद्रचूड़ भी शामिल हैं, जो रॉय की सुनवाई को हल्के माहौल में समाप्त करने की शैली की सराहना करते थे। 31 जनवरी को अपने सेवानिवृत्ति की ओर बढ़ रहे जस्टिस रॉय की यह अनोखी बात है।

ऑस्ट्रेलिया में हमारी क्रिकेट टीम के साथ क्या गलत हुआ?

जब वकील ने अपनी दलील पेश करने के लिए थोड़ा समय मांगा, तो जस्टिस रॉय ने मज़ाकिया लहजे में कहा, कि ठीक है, हम आपको 30 सेकंड देते हैं, लेकिन हम आपकी याचिका तुरंत खारिज कर रहे हैं। याचिका को औपचारिक रूप से खारिज करने के बाद जस्टिस रॉय, जो अपनी हास्यपूर्ण शैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने वकील को विषय बदलने के लिए कहा कि अब आपके पास 30 सेकंड हैं। अपने केस के अलावा कुछ भी बताइए। क्यों न क्रिकेट पर बात करें? ऑस्ट्रेलिया में हमारी क्रिकेट टीम के साथ क्या गलत हुआ?

आईएमएफ का अनुमान है कि 2025 और 2026 में दुनिया की विकास दर 3.3 प्रतिशत रहेगी। बड़े देशों में भारत 6.5 प्रतिशत की विकास दर के साथ सबसे तेजी से विकास करेगा। पाकिस्तान की विकास दर 2025 में 3 प्रतिशत और 2026 में 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि 2024 में यह 3.2 प्रतिशत थी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का पूर्वानुमान

2025 और 2026 में भारत की विकास दर सबसे ज्यादा 6.5 प्रतिशत रहेगी, दुनिया की रहेगी महज 3.3 प्रतिशत

दुनिया भर के देश व्यापार संगठन के कानूनी ढांचे को स्पष्ट करें

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने साल 2025 और 2026 में दुनिया भर के देशों की विकास दर को लेकर अपना पूर्वानुमान पेश किया है। आईएमएफ का अनुमान है कि 2025 और 2026 में दुनिया की विकास दर 3.3 प्रतिशत रहेगी। बड़े देशों में भारत 6.5 प्रतिशत की विकास दर के साथ सबसे तेजी से विकास करेगा। पाकिस्तान की विकास दर 2025 में 3 प्रतिशत और 2026 में 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि 2024 में यह 3.2 प्रतिशत थी। आईएमएफ की फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक ग्रोथ का अनुमान पोस्ट किया। आईएमएफ का कहना है कि भारत में औद्योगिक सक्रियता में उम्मीद से ज्यादा गिरावट देखी गई है। इस वजह से 2023 के मुकाबले विकास दर भी उम्मीद से ज्यादा धीमी रही। 2023 में भारत की विकास दर 8.2 प्रतिशत थी, जो 2024 में घटकर 6.5 प्रतिशत रह गई।

आईएमएफ का पाक के लिए 3 प्रतिशत का अनुमान

दुनिया भर में घटेगी महंगाई

आईएमएफ के अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरिंचस ने कहा दुनिया में महंगाई दर 2025 में 4.2 प्रतिशत और 2026 में 3.5 प्रतिशत रहेगी। जबकि 2024 में यह 5.9 प्रतिशत थी। गौरिंचस के मुताबिक ग्लोबल महंगाई दर के घटने से हाल के सालों में हुई वैश्विक उथल पुथल (कोरोना की महामारी और यूक्रेन युद्ध) को कम करने में मदद मिलेगी। आईएमएफ का कहना है कि दुनिया भर की व्यापार नीतियों को व्यापार संगठन के कानूनी ढांचे के मुताबिक स्पष्ट होना चाहिए। इससे बाजार में अनिश्चितता और अस्थिरता कम होगी।

भारत की विकास दर आगामी दो वित्त वर्षों में 6.7 प्रतिशत रहेगी: विश्व बैंक

विश्व बैंक के दक्षिण एशिया के नवीनतम वृद्धि अनुमानों के अनुसार अप्रैल 2025 से आगामी दो वित्त वर्षों के लिए भारत की आर्थिक विकास दर 6.7 प्रतिशत प्रति वर्ष पर स्थिर रहने का अनुमान है। विश्व बैंक ने गुरुवार को कहा, वित्त वर्ष 2025-26 में दक्षिण एशिया में विकास दर बढ़कर 6.2 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इसमें भारत में मजबूत वृद्धि होना शामिल है। भारत में अप्रैल 2025 से आगामी दो वित्त वर्षों में विकास दर 6.7 प्रतिशत प्रति वर्ष पर स्थिर रहने का अनुमान है। विश्व बैंक ने कहा कि सेवा क्षेत्र में निरंतर विस्तार होने की उम्मीद है।

◆ चीन की विकास दर करीब 4.5 प्रतिशत

चीन की विकास दर 2025 में 4.6 प्रतिशत और 2026 में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। 2024 में चीन की विकास दर 4.8 प्रतिशत रही थी। आईएमएफ के मुताबिक चीन को अपनी विकास रफ्तार बढ़ाने के लिए घरेलू मार्केट में मांग पैदा करनी होगी।

◆ अमेरिका की विकास दर 2025 में 2.7 प्रतिशत रहेगी

अनुमान के मुताबिक अमेरिका की विकास दर 2024 के मुकाबले मामूली तौर पर 0.1 प्रतिशत घटकर 2025 में 2.7 प्रतिशत रहेगी, जबकि 2026 में यह 2.1 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी। आईएमएफ का कहना है कि अमेरिका के यूएस फेडरल रिजर्व (केंद्रीय बैंक) ने मौद्रिक नीति में ब्याज दरों को घटाया है। इससे लोगों को लोन मिलने में आसानी हुई है, जिससे घरेलू मांग बढ़ी है।

खबर संक्षेप

अमेरिका में आज से बंद होगा टिकटॉक एप

वॉशिंगटन। अमेरिका में प्रतिबंध की बढ़ती संभावनाओं से पहले टिकटॉक ने शनिवार को एक बयान जारी किया। अपने बयान में टिकटॉक ने बताया कि व्हाइट हाउस और न्याय विभाग सर्विस प्रोवाइडर्स को आवश्यक स्पष्टता और आश्वासन प्रदान करने में विफल रहे। टिकटॉक ने कहा कि जब तक बाइडेन प्रशासन द्वारा गैर-प्रवर्तन का आश्वासन देने वाला एक निश्चित बयान प्रदान नहीं किया जाता है, तब तक टिकटॉक एप 19 जनवरी से अमेरिका में अपना परिचालन बंद करने के लिए मजबूर होगा।

तीन दिवसीय दौरे पर ब्रुसेल्स पहुंचे गोयल

ब्रुसेल्स। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार को ब्रुसेल्स, बेल्जियम पहुंचे। वे 20 जनवरी तक वहां रहेंगे। गोयल इस दौरान यूरोपीय आयोग के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त, मारोस सेफकोविक के साथ उच्च स्तरीय बातचीत करेंगे। इसमें भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए), व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद के ढांचे और द्विपक्षीय व्यापार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

नाइजीरिया को मिला ब्रिक्स पार्टनर देश का दर्जा

ब्राजिलिया। अफ्रीका महाद्वीप का देश नाइजीरिया शुक्रवार को औपचारिक रूप से ब्रिक्स का पार्टनर सदस्य बन गया। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, युगांडा और उज्बेकिस्तान के साथ नाइजीरिया 9वां ऑफिशियल ब्रिक्स पार्टनर बन गया है। ब्राजील सरकार ब्रिक्स की अपनी अस्थायी अध्यक्षता का इस्तेमाल करते हुए 17 जनवरी, 2025 को ब्रिक्स में नाइजीरिया के शामिल होने की घोषणा करती है।

ईरान के सुप्रीम कोर्ट में गोलीबारी

दो जजों की हत्या करने के बाद हमलावर ने कर ली खुदकुशी

◆ जजों को उनके कमरों में घुसकर मारा

एजेंसी ▶▶ तेहरान

तेहरान में शनिवार को ईरान की सुप्रीम कोर्ट में एक शख्स ने गोलीबारी की। इस हमले में दो जजों की मौत हो गई। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के प्रवक्ता असगर जहांगीर ने दावा किया है कि जजों को उनके कमरों में घुसकर मारा गया है। दोनों जज राष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकवाद, जासूसी के मामलों की सुनवाई कर रहे थे। दोनों पर गोली चलाने के बाद हमलावार ने खुद को भी मार दिया। पूरी घटना में एक और जज भी घायल हुआ है। इसके अलावा एक बॉडीगार्ड भी घायल हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर हुआ।

तलाशे जा रहे हमले के कारण

रिपोर्ट्स के मुताबिक हमलावर जस्टिस डिपोर्टमेंट का ही कर्मचारी था। ईरान इंटरनेशनल के मुताबिक तेहरान की कोर्ट हाउस से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए जांच शुरू हो गई है। रजिनी की 1988 में भी हत्या की कोशिश की गई थी। उस दौरान उनकी बाइक में मैग्नेटिक बम लगाया गया था। वहीं, अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट के मुताबिक दूसरे जज मोघिसेह पर अमेरिका ने 2019 में बैन लगा दिया था। दुनियाभर में सबसे ज्यादा फांसी देने वाला देश ईरान ईरान दुनिया में सबसे ज्यादा फांसी की सजा देने वाले देशों में से एक है। ईरान में 2024 में 901 लोगों को मौत की सजा दी गई है। इनमें 31 महिलाएं भी शामिल हैं।

9 साल की बच्चियों की भी देते हैं फांसी

नाबालिगों को मौत की सजा न देने के यूनाईटेड नेशन कन्वेंशन को साइन करने के बावजूद ईरान उन टॉप देशों में शामिल है सबसे ज्यादा फांसी की सजा दी जाती है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक ईरान में 9 साल की उम्र पार करने के बाद लड़कियों को मौत की सजा दी सकती है। लड़कों के लिए ये उम्र 15 है। साल 2005 से 2015 के बीच लगभग 73 बच्चों को मौत की सजा दी जा चुकी है। फांसी के तख्त पर पहुंचने से पहले ईरान का हर युवा जिसे मौत की सजा सुनाई गई है वो औसतन सात साल जेल में गुजारता है। कई मामलों में तो यह 10 साल भी है।

इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम को कैबिनेट ने दी मंजूरी

नेतन्याहू बोले- सरकार ने बंधकों की वापसी के लिए किया समझौता, आज से होगा प्रभावी

संघर्ष विराम के पहले चरण में, छह हफ्तों तक इजराइल में कैद सभी फिलिस्तीनी महिलाओं और 19 साल से कम उम्र के बच्चों को रिहा किया जाएगा। बदले में, हमास 98 इजराइली बंधकों में से 33 को, जिनमें महिलाएं, बच्चे और 50 साल से अधिक उम्र के पुरुष शामिल हैं रिहा करेगा

एजेंसी ▶▶ येरुशलम

इजराइल की कैबिनेट ने हमास के साथ गाजा पट्टी में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के लिए एक समझौते को मंजूरी दी है। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने शनिवार को बताया कि यह समझौता रविवार से लागू होगा। शनिवार तड़के छह घंटे की लंबी बैठक के बाद सरकार ने इस 15 महीने पुराने संघर्ष को समाप्त करने का रास्ता साफ करने वाले समझौते को मंजूरी दी। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि सरकार ने बंधकों की वापसी के लिए समझौते को मंजूरी दी है, जो रविवार से प्रभावी होगा।

वहीं, संघर्ष विराम की पुष्टि करते हुए शनिवार को कतर के विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम रविवार को 6:30 जीएमटी (भारतीय समयानुसार रविवार दोपहर 12 बजे) से प्रभावी होगा। हालांकि, गाजा में संघर्ष विराम समझौते के बावजूद इजराइली वायुसेना ने हमला जारी रखा है। इजराइली कैबिनेट के कुछ मंत्रियों ने इस समझौते का विरोध किया।

युद्ध में 46,000 से अधिक की मौत, 23 लाख लोग विस्थापित

24 मंत्रियों ने समझौते के पक्ष में वोट दिया, 8 ने विरोध किया

गाजा में राहत सामग्री की आपूर्ति बढ़ाई जाएगी

गाजा में युद्ध के कारण अब तक 46,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 23 लाख की आबादी विस्थापित हुई है। लोग भुखमरी, ठंड और बीमारियों से जूझ रहे हैं। समझौते के तहत, गाजा में राहत सामग्री की आपूर्ति बढ़ाई जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां खाद्य पदार्थ, ईंधन और दवाइयां पहुंचाने के लिए तैयार हैं। संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने शुक्रवार को बताया कि उनके पास 4,000 ट्रक राहत सामग्री तैयार हैं जिनमें से आधी खाद्य सामग्री है।

संघर्ष विराम तीन चरणों में लागू

इस समझौते के तहत, संघर्ष विराम तीन चरणों में लागू होगा। पहले चरण में, छह हफ्तों तक इजराइल में कैद सभी फिलिस्तीनी महिलाओं और 19 साल से कम उम्र के बच्चों को रिहा किया जाएगा। हमास 98 इजराइली बंधकों में से 33 को, जिनमें महिलाएं, बच्चे और 50 साल से अधिक उम्र के पुरुष शामिल हैं रिहा करेगा। शनिवार को इजराइली न्याय मंत्रालय ने उन 95 फिलिस्तीनी कैदियों के नाम जारी किए जिन्हें रविवार को रिहा किया जाएगा। समझौते के तहत हर सात दिन में कुछ और बंधकों को रिहा किया जाएगा।

यूएन प्रमुख बोले- तेजी से सुधार करेगा देश

लेबनान के पुनर्निर्माण में अंतर्राष्ट्रीय समर्थन

बेरूत। इजराइल और हिजबुल्ला के बीच युद्ध विराम लागू होने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय लेबनान का समर्थन करेगा क्योंकि हमारा मानना है कि यह देश तेजी से सुधार करेगा और इसे फिर से मध्य पूर्व का केंद्र बना देगा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने शनिवार को लेबनान के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति जोसेफ औन के साथ बेरूत में एक बैठक के बाद यह टिप्पणी की। बता दें, नवंबर 2024 में इजराइल और हिजबुल्ला के बीच युद्धविराम समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत दोनों पक्षों में 13 माह से चल रही लड़ाई बंद हुई थी। समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान में लेबनानी आर्मी को तैनात किया जाना था और हिजबुल्ला और इजराइल अपनी-अपनी सेनाएं हटाएंगे।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का बड़ा खुलासा

उनकी हत्या करने की रची गई थी साजिश 20-25 मिनट के अंतर से मौत से बच गए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने बड़ा आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सत्ता से बेदखल होते ही उनकी और उनकी छोटी बहन शेख रेहाना की हत्या की साजिश रची गई थी। शेख हसीना ने शुक्रवार रात को फेसबुक पर अपनी पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग के पेज पर एक ऑडियो संदेश में यह बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि रेहाना और मैं बच गए, हम केवल 20-25 मिनट के अंतराल से मौत से बच गए। बता दें, बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा और देश छोड़कर भारत जाना पड़ा था।

अल्लाह की वजह से बची

हसीना ने दावा किया है कि उनकी हत्या की कई बार साजिशें रची गई थीं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि 21 अगस्त 2004 को हुई हत्याओं से बचना, कोटालीपारा में हुए विशाल बम विस्फोट से बचना या 5 अगस्त 2024 को जीवित बचना अल्लाह की इच्छा है। अल्लाह का हाथ ही होगा। अल्लाह की इच्छा न होती, अब तक जिंदा नहीं बची होती।

सब कुछ जला दिया

हसीना ने कहा कि आपने बाद में देखा कि कैसे मुझे मारने की योजना बनाई गई थी। हालांकि, अल्लाह की दया है कि मैं अभी भी जिंदा हूं क्योंकि अल्लाह चाहता है कि मैं कुछ और करूं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि हालांकि मैं पीड़ित हूं, मैं अपने देश के बिना हूं, मेरे घर के बिना हूं, सब कुछ जला दिया गया है।

बीएसएफ फील्ड कमांडरों का सम्मेलन

आधुनिक तकनीकों से सीमा पर रोकेंगे अपराध और घुसपैठ

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार को कोलकाता में पूर्वी कमान मुख्यालय में फील्ड कमांडरों का सम्मेलन आयोजित किया।

बैठक में बीएसएफ के छह फ्रंटियर्स- दक्षिण बंगाल, उत्तर बंगाल, गुवाहाटी, मेघालय, मिजोरम एवं कछार, और त्रिपुरा के महानिरीक्षक और अन्य अधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन में बीएसएफ के अतिरिक्त महानिदेशक (पूर्वी कमान) ने सीमा पर तैनात कर्मियों की मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की। बैठक में सीमा सुरक्षा को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। इसमें आधुनिक तकनीकों के उपयोग, सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को सुधारने और सीमा पर अपराध और घुसपैठ को रोकने के उपायों पर जोर दिया गया।

विदेश मंत्री जयशंकर के तल्ख तेवर

आतंकवाद को लेकर पाक पर बरसे, कहा- ऐसा कैंसर जो बड़ा नुकसान पहुंचा रहा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई में आयोजित 19वें नानी ए. पी. पालखीवाला स्मृति व्याख्यान के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने पाकिस्तान पर तीखा प्रहार किया है। डॉ. जयशंकर कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा कैंसर है जो खुद अपने समाज को नुकसान पहुंचा रहा है।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पाकिस्तान की सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली नीतियां अब उसके अपने राजनीतिक तंत्र को भी प्रभावित कर रही हैं। पाकिस्तान हमारे पड़ोस में एक अपवाद है। उसकी आतंकवाद को समर्थन देने वाली नीतियां अब उसके खुद के लिए घातक बन चुकी हैं। पूरे उपमहाद्वीप की साझा रुचि है कि पाकिस्तान अपनी इस सोच से तौबा करे।

भारत 'विश्वबंधु' यानी सबका मित्र

डॉ. जयशंकर ने भारत को 'विश्वबंधु' यानी सबका मित्र और वैश्विक मंच पर एक भरोसेमंद भागीदार बताया। उन्होंने कहा कि भारत की कूटनीति का उद्देश्य अधिक से अधिक दोस्ती करना और समस्याओं को कम करना है। हालांकि, यह सब भारत के राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। जयशंकर ने क्षेत्रीय और मध्यम शक्ति वाले देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह भारत के राजनयिक प्रोफाइल को विस्तारित करने में मददगार साबित हुआ है। जयशंकर ने भारत की कूटनीति को तीन शब्दों में परिभाषित किया- आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित। उन्होंने कहा कि पिछले दशक ने दिखाया है कि हम विविध रिश्तों को बिना किसी विशेष एकाधिकार के आगे बढ़ा सकते हैं। ध्रुवीकृत स्थितियों ने हमारी विभाजन को पाटने की क्षमता को उजागर किया है।

रिश्तों को बगैर एकाधिकार आगे बढ़ाया

जयशंकर ने भारत की कूटनीति को तीन शब्दों में परिभाषित किया- आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित। उन्होंने कहा कि पिछले दशक ने दिखाया है कि हम विविध रिश्तों को बिना किसी विशेष एकाधिकार के आगे बढ़ा सकते हैं।

ट्रंप का शपथ ग्रहण खुले में नहीं होगा, तूफान के चलते बदली जाएगी जगह

40 साल में पहली बार संसद यूएस कैपिटल हिल के अंदर होगा

◆ शपथ ग्रहण के दौरान तापमान -7 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह कल, यानी 20 जनवरी को भीषण ठंड की वजह से खुले में न होकर यूएस कैपिटल हिल (संसद) के अंदर होगा। 40 साल में यह पहली बार होगा जब अमेरिकी राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह संसद के भीतर किया जाएगा। ट्रंप के शपथ ग्रहण के दौरान तापमान माइनस 7 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर कहा कि देश में आर्कटिक (नॉर्थ पोल के पास) का बर्फीला तूफान चल रहा है। मैं नहीं चाहता कि लोग किसी भी तरह से घायल हों।

◆ कैपिटल हिल में दंगे के आरोपी ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे

अमेरिका के कई राज्य भीषण ठंडी हवाओं से जूझ रहे

ट्रंप ने अपना भाषण भी कैपिटल रोटुंडा (कैपिटल हिल इमारत के अंदर बना गोलाकार कमरा) में दिए जाने का आदेश दिया है। इससे हर कोई सुरक्षित रहेगा, हर कोई खुश रहेगा और हम सब मिलकर अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे। बता दें, अमेरिका के कई राज्य इस समय भीषण ठंडी हवाओं से जूझ रहे हैं। इसकी बड़ी वजह पोलर वोर्टेक्स (ध्रुवीय भंवर) को माना जा रहा है। पोलर वोर्टेक्स में हवाएं काउंटर क्लॉकवाइज (घड़ी की उल्टी दिशा) बहती हैं।

दंगे में शामिल 11 आरोपियों को मिली अनुमति

6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद में दंगे हुए थे। कैपिटल हिल दंगे के आरोपियों में से 20 ने संघीय न्यायाधीश से, ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की अनुमति मांगी। न्याय विभाग के अभियोजकों ने इसका विरोध किया है और कहा कि कैपिटल हिल के दंगाइयों को अदालत की निगरानी में अपराध स्थल पर वापस जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन जज ने इसे खारिज कर दिया। जज ने कहा कि अब आरोपी दंगे के लिए नहीं बल्कि जश्न मनाने के लिए जा रहे हैं। 11 आरोपियों को अनुमति मिल गई है। 7 आरोपियों की अपील खारिज कर दी गई है। बता दें, गौरतलब है कि ट्रंप ने ऐसे संकेत दिए हैं कि वे कैपिटल हिल दंगे के दोषियों की सजा माफ कर सकते हैं। ट्रंप ने उन्हें देशभक्त कहा है।

रीगन का शपथ ग्रहण कैपिटल रोटुंडा में हुआ

इससे पहले 1985 में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन का दूसरा शपथ ग्रहण भी कैपिटल रोटुंडा में हुआ था। उस समय तापमान माइनस 23 से माइनस 29 डिग्री सेल्सियस के बीच था। कैपिटल रोटुंडा कैपिटल हिल बिल्डिंग में गुंबद के नीचे है। यह अमेरिकी संसद के दोनों सदनों की ओर जाने वाले गलियारों से जुड़ा हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, वर्ष-2025 में रोपण के लिए वन विभाग की ओर से लगभग 5 करोड़ पौधे तैयार किए जा रहे

मध्यप्रदेश में जनसंख्या वृद्धि के साथ वनोपज की आवश्यकता और उपलब्धता में अंतर बढ़ा, पेड़ों की अवैध कटाई बनी चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में 15 हजार से अधिक वन समितियां गठित की गई हैं। इन समितियों की कार्य-प्रणाली को और अधिक गतिशील बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के विकास के लिए 57 वन-धन विकास केन्द्र स्वीकृत किए गए हैं। वर्ष-2025 के रोपण के लिए वन विभाग की ओर से लगभग 5 करोड़ पौधे तैयार किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध मप्र के वन और वन्य-जीव हमारी पहचान हैं। राज्य शासन इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए संकल्पित है। राज्य सरकार की ओर से वनों के संरक्षण और संवर्धन के लिए की गई प्रभावी पहल का परिणाम है कि वन आवरण में स्थायित्व आने के साथ ही वन्य-प्राणियों के प्रबंधन की दिशा में अनेक नवाचार किए जा रहे हैं।

वन, वन्य-जीव संरक्षण और संवर्धन में अग्रणी है मध्यप्रदेश

वन क्षेत्रों में अवैध कटाई को कड़ाई से रोकने के निर्देश जारी

वन विभाग ग्रामीण अंचलों में विकास गतिविधियां करने वाला एक प्रमुख संगठन

वन विभाग ग्रामीण अंचलों में विकास गतिविधियों का संचालन करने वाला एक प्रमुख संगठन है। विगत दो दशकों में वन प्रबंधन में काफी बदलाव आए हैं। वन संसाधनों पर जैविक दबाव बढ़ा है। जनसंख्या वृद्धि के साथ वनोपज की आवश्यकता और उपलब्धता में अंतर बढ़ा है। वन क्षेत्रों में अवैध कटाई को कड़ाई से रोका जा रहा है। किंतु चुनौती बढ़ गई है। वनोपज की मांग और आपूर्ति के अंतर को कम करने के लिए विभागीय रोपण के साथ निजी वनीकरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। वन तथा वन्य-जीवों के प्रति जागरूकता लाने के लिए वन महोत्सव, अनुभूति, वन्य-प्राणी और संरक्षण सप्ताह जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों को जोड़ा जा रहा है।

बफर-सफर योजना के तहत पर्यटकों के लिए अनेक नई गतिविधियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'बफर-सफर' योजना के तहत पर्यटकों के लिए अनेक नई गतिविधियां शुरू की गई है। प्रदेश के टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्रों में पर्यटक प्राकृतिक स्थलों, वन और वन्य-प्राणी दर्शन के साथ विभिन्न ईको-पर्यटन गतिविधियों का आनंद ले रहे हैं। ईको-पर्यटन से पर्यटक प्रदेश की ओर आकर्षित होंगे। इससे कोर क्षेत्र पर पर्यटन का दबाव भी कम होगा। प्रदेश में 15 हजार से अधिक वन समितियां गठित की गई हैं। इन समितियों की कार्य-प्रणाली को और अधिक गतिशील बनाया जा रहा है।

प्रदेश के वन आवरण में 1063 वर्ग किमी की वृद्धि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के वन आवरण में 1063 वर्ग किमी की वृद्धि हुई है। मप्र नगर-वन योजना में देश में अग्रणी है। इस वर्ष 39 नगर-वन स्वीकृत किए गए हैं। उज्जैन, चित्रकूट, खजुराहो और भोपाल में सांस्कृतिक वनों की स्थापना की जा रही है। ई-प्रणाली के माध्यम से समस्त काष्ठागारों में वनोपज की नीलामी शुरू की गई है। वन विभाग ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में लगभग 6.16 करोड़ पौधे रोपित किए हैं। प्रदेश में 16.09 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण के लक्ष्य के विरुद्ध 16.68 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया और तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक के रूप में 667.20 करोड़ रुपए वितरित किए गए।

125 करोड़ का तेंदूपत्ता बोनस वितरण का लक्ष्य

पेसा एक्ट में 243 ग्राम सभाओं ने 22 हजार 212 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण कर 11.36 करोड़ रुपए का व्यापार किया है। वर्ष 2024 में 125 करोड़ रुपए का तेंदूपत्ता बोनस वितरण का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के विकास के लिए 57 वन-धन विकास केन्द्र स्वीकृत किए गए हैं। वर्ष-2025 के रोपण के लिए वन विभाग की ओर से लगभग 5 करोड़ पौधे तैयार किए जा रहे हैं। वन्य-प्राणियों की पोस्टमार्टम रिपोर्टिंग प्रणाली को वेब आधारित किया गया है। चीता परियोजना के द्वितीय चरण में गांधी सागर अभयारण्य मंदसौर में चीता लाने की तैयारी की जा रही है। साथ ही माधव राष्ट्रीय उद्यान को एनटीसीए से टाइगर रिजर्व बनाने की सहमति दे दी गई है।

वन प्रबंधन में ग्रामीणों की सहभागिता जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन प्रबंधन में ग्रामीणों की सहभागिता को अधिक व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने तथा संयुक्त वन प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए इसे कानूनी आधार देने की व्यवस्था की गई है। मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है, जिसमें वनोपज से प्राप्त होने वाली शुद्ध आय प्राथमिक वनोपज समितियों को हस्तांतरित करने की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से वनवासियों के हितों का संरक्षण हुआ है। वहीं गरीब वनवासियों का बिचौलियों की ओर से किये जाने वाले शोषण को भी रोका गया है।

खबर संक्षेप

किराना दुकान की आड़ में बेच रहा था शराब, आबकारी विभाग ने की कार्रवाई

बीजापुर। आबकारी विभाग ने अवैध शराब बेचने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए बासागुड़ा के एक घर से शराब जब्त की है। जानकारी के मुताबिक मुखबिर की सूचना पर जिला आबकारी अधिकारी अभिषेक तिवारी के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीम बासागुड़ा साप्ताहिक बाजार के बीच तिरुपति जंगम नाम के व्यक्ति के किराना दुकान से अवैध शराब बेची जा रही है। इस सूचना के बाद आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंची। किंतु आरोपी अवैध शराब को अपने घर के एक कमरे में छुपा कर फरार हो चुका था। आबकारी की टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद व गांव के सरपंच व अन्य गवाहों की मौजूदगी में कमरे का दरवाजा तोड़ा गया, जहां से बड़ी मात्रा में नॉन ड्यूटी पेड व ड्यूटी पेड अवैध शराब को जब्त किया गया है। पकड़े गए शराब में नॉन ड्यूटी पेड शराब में 273 नग गोवा स्पेशल व्हिस्की, 84 नग मैकडावेल्स नम्बर 1 व्हिस्की, 7 नग रॉयल स्टैग डीलक्स व्हिस्की व 1 नग किंग फिशर बियर तथा ड्यूटी पेड शराब में 3 नग रॉयल स्टैग डीलक्स व्हिस्की, 11 नग एसी ब्लैक, 16 नग फ्रंटलाइन व्हिस्की, 8 नग वाइट एन्ड ब्लू व्हिस्की व 4 नग आफ्टर डार्क व्हिस्की बरामद की गई है।

हमास आतंकियों की तर्ज पर नक्सलियों ने छिपने के लिए बनाई थीं बारूदी सुरंगें

बना रहे थे अवैध बंदूकें, देसी रॉकेट और लांचर

नक्सली ऑपरेशन के दौरान चौंकाने वाले खुलासे

बारूदी सुरंग को दो करोड़ के इनामी नक्सली माड़वी हिड़मा ने बनवाया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

विगत दो दिनों तक चले अब तक के सबसे बड़े नक्सली ऑपरेशन में खुलासे भी काफी बड़े हुए हैं। इस ऑपरेशन के दौरान जवानों की ओर से बनाया गया एक वीडियो सामने आया है, जो इस नक्सल अभियान की सच्चाई और नक्सलियों के नापाक मंसूबों को उजागर करता है। दरअसल, छत्तीसगढ़ में पहली बार फिलिस्तीन के हमास आतंकियों की तरह सुरंग में हथियारों की फैक्ट्री मिली है। बताया जाता है कि इस बारुदी सुरंग को दो करोड़ के इनामी नक्सली माड़वी हिड़मा ने बनवाया था।

नक्सलियों ने हमास आतंकवादियों की तरह छुपने के लिये सुरंगों में ठिकाना बनाया हुआ था। बड़ी लेथ मशीनों के जरिये नक्सली बंदूकें, देसी रॉकेट और राकेट लॉन्चर बना रहे थे। सुरंगों में हथियार बनाने की फैक्टरी लगा रखी थी। नक्सलियों की इसी सुरंग में देसी रॉकेट और रॉकेट लांचर बनाये जाते थे। दूसरी ओर दुर्दांत नक्सली हिड़मा की बटालियन पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी और सेंट्रल रीजनल कमेटी से ज्वॉइट फोर्स की जब मुठभेड़ चल रही थी। इस दौरान जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली हिड़मा और देवा पहाड़ी की तरफ भाग घने जंगलों की ओर जान बचाकर भाग निकले।

12 नक्सली उतर चुके मौत के घाट

गौरतलब है कि बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के पुजारी कांकेर व मारुड़बाका के जंगल में गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया था, जिनके शव भी बरामद कर लिये गये हैं। जवानों ने हथियारों का बड़ा जखीरा भी बरामद किया है। गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। दक्षिण बीजापुर के जंगल में देर रात से सुबह तक रुक-रुक कर मुठभेड़ होती रही। नक्सली बड़ी बैठक ले रहे थे। इसमें छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना कैडर के हार्ड कोर नक्सली बैठक में शामिल थे।

पाइप, बिजली के तार, अन्य सामग्री मिलीं

सुरक्षाबलों को तलाशी में सुरंग में हथियारों का बड़ा जखीरा मिला है। पता चला है कि नक्सली लेथ मशीन की मदद से हथियार बनाते थे। बड़ी संख्या में पाइप, बिजली के तार और अन्य सामग्री मिली है। जवानों ने सुरंग को पाट दिया है। हिड़मा ने जवानों पर फायरिंग कराने के लिए नाली को जेसीबी की मदद से बनवाया था। फोर्स से छुपाने के लिए सुरंगों को लोहे की मोटी प्लेट से ढक रखा था ताकि गोली अंदर न जा सके और नक्सली सुरक्षित रह सकें। इस सुंरग की लंबाई 12 से 15 फीट और उंचाई करीब 8 फीट बताई जा रही है। बताया जाता है कि जो लोहे की पाइप, बिजली के तार, लोहे की मोटी प्लेट और लेथ मशीन आदि नक्सलियों ने लूटे हुए सामान हैं। चर्चा ये है कि ये सारे सामान नक्सलियों के शहरी नेटवर्क की ओर से उन्हें उपलब्ध कराई जाती है।

पूरी तरह से कमर टूट चुकी

माना जा रहा है कि वह सुकमा के बीहड़ क्षेत्रों में या तेलंगाना की सीमा में छुपा बैठा है। यदि वह फोर्स के इस खास नक्सल ऑपरेशन से नहीं बच पाता, तो उसका एनकाउंटर तय था। ऐसे में माना जा रहा है कि खूंखार नक्सली हिड़मा के बटालियन की पूरी तरह से कमर टूट चुकी है। इस बड़े नक्सल ऑपरेशन में तीन जिलों के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), सीआरपीएफ की विशिष्ट जंगल युद्ध इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) की पांच बटालियन और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 229वीं बटालियन के जवान शामिल थे।

खूंखार नक्सली माड़वी हिड़मा है सरगना

बस्तर में नक्सल आतंक का पर्याय बन चुके खूंखार नक्सली माड़वी हिड़मा को संतोष उर्फ इंदमुल उर्फ पोडियाम भीमा जैसे कई और नामों से भी जाना जाता है। सुकमा उसका गढ़ माना जाता है। यहां पर होने वाली सभी नक्सल गतिविधियों पर उसका नियंत्रण रहता है। वह वर्ष 1990 में नक्सलियों के संगठन से जुड़ा। पिछले कई साल से सुरक्षा एजेंसियां उसकी तलाश में जुटी है। छत्तीसगढ़ में कई नक्सली हमलों को अंजाम देने वाले इस दुर्दांत नक्सली का जन्म सुकमा जिले के पूवर्ती गांव में हुआ था। यह गांव दुर्गम पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच स्थित है। कहा जाता है कि इस गांव में पहुंचना मुश्किल है। इसके बाद भी फोर्स के हौसले को सलाम है, जो कठिन डगर के बावजूद उसके गढ़ में पहुंच चुकी है।

गुजरात की तर्ज पर मप्र में भी क्रेन से होगा ट्रांसफार्मरों का परिवहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ग्रामीण क्षेत्र में ट्रांसफार्मर रिप्लेसमेंट के लिए राजस्थान और गुजरात की तर्ज पर क्रेन वाहनों से ट्रांसफार्मरों के परिवहन की व्यवस्था मध्यप्रदेश में भी लागू करने पर विचार किया जा रहा है।

यह बात अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई ने गोविंदपुरा मुख्यालय में भारतीय किसान संघ की बैठक में कही। नीरज मंडलोई ने कहा कि ट्रांसफार्मर रिप्लेसमेंट की सूची वेबसाइट के साथ-साथ क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को भी देने की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों के माध्यम से किसानों से कहा कि उपभोक्ता अस्थाई कनेक्शन का चार्ज अथवा अपने नियमित बिजली बिल की राशि का भुगतान कंपनी के अधिकृत कैश काउंटर अथवा ऑनलाइन माध्यम से ही जमा कराएं। किसी भी हालत में अनधिकृत व्यक्ति को बिजली बिल का भुगतान नहीं करें।

बैठक में प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने कहा कि ग्रामीण कृषि उपभोक्ताओं को अब मात्र पांच रुपए में स्थाई कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं और सरल संयोजन पोर्टल में उपभोक्ता का नवीन कृषि पम्प कनेक्शन का फार्म भरने की कार्रवाई भी की जा रही है।

शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल बोगी से पुलिस ने पकड़ा, पूछताछ जारी

सैफ पर हमले का संदिग्ध दुर्ग आरपीएफ की गिरफ्त में!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

मुंबई में सैफ अली खान पर हमले के मामले में एक संदिग्ध को दुर्ग आरपीएफ हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। आरपीएफ ने शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल बोगी से एक युवक को हिरासत में लिया है। आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार मुंबई पुलिस ने आरपीएफ पुलिस को एक तस्वीर भेजी थी जिसके आधार पर आरपीएफ पुलिस ने शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल बोगी से एक युवक को हिरासत में लिया है। युवक मुंबई से बिलासपुर जा रहा था और जरनल बोगी में यात्रा कर रहा था। दरअसल बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हाल ही में उनके मुंबई स्थित घर में घुसकर एक शख्स ने हमला कर दिया था। वहीं आरपीएफ प्रभारी संजीव सिन्हा ने बताया कि मुंबई पुलिस द्वारा एक फोटो दुर्ग आरपीएफ को भेजी गई थी, जिसके आधार पर शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस की जनरल बोगी से संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया गया। युवक का नाम आकाश कैलाश कनौजिया है जो मुंबई का रहने वाला है। ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस में बैठकर बिलासपुर जा रहा था जहां से तिल्दा नेवरा में अपने परिचित के घर जाने की बात युवक ने आरपीएफ को बताई है। आरपीएफ ने मुंबई पुलिस को संदिग्ध युवक की फोटो भेजकर पहचान कराई है। अभी आरपीएफ पुलिस ने युवक से पुछताछ नहीं की, मुंबई पुलिस के आने के बाद पूछताछ की जाएगी। मुंबई पुलिस आठ बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेगी जिसके बाद दुर्ग आएगी।

अस्पताल के डॉक्टरों ने शनिवार को साझा किया कि सैफ का स्वास्थ्य अब बेहतर है। उन्होंने आईसीयू से बाहर निकलकर सामान्य आहार लेना शुरू कर दिया है। डॉक्टरों के अनुसार सैफ को पूरी तरह से ठीक होने में समय लगेगा, लेकिन उनकी हालत स्थिर है और वह अपनी सेहत में सुधार महसूस कर रहे हैं।

डॉक्टरों को करनी पड़ी सर्जरी

अभिनेता पर बुधवार देर रात उनके बांद्रा स्थित घर में एक अजनबी ने हमला किया था, जिसमें सैफ को गर्दन और रीढ़ की हड्डी के पास चाकू से कई गंभीर चोटें आईं। इस हमले के बाद उन्हें तुरंत लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें इमरजेंसी सर्जरी से गुजरना पड़ा।

स्वामित्व योजना के तहत 7025 संपत्ति कार्ड वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कबीरधाम

छत्तीसगढ़ शासन के श्रम, उद्योग एवं कबीरधाम जिले के प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वामित्व योजना ने ग्रामीणों के लिए आर्थिक और सामाजिक स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया है।

उन्होंने शनिवार को कवर्धा के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में स्वामित्व योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में कबीरधाम जिले के 7025 संपत्ति कार्ड वितरण का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस कार्यक्रम में वर्चुअल जुड़े थे। उन्होंने देश के अलग अलग राज्यों के लाभार्थियों से संवाद कर इस योजना से उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलाव के रूबरू भी हुए। मंत्री लखन लाल देवांगन ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना वर्षों से अपने घरों में रह रहे ग्रामीणों को उनके घरों का मालिकाना हक और प्रमाणिक दस्तावेज प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि इन दस्तावेजों से ग्रामीण अब आसानी से बैंकों से ऋण प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनकी आय और आत्मनिर्भरता में बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही, संपत्ति के स्पष्ट अधिकार मिलने से जमीन संबंधी विवादों का समाधान भी सरल हो जाएगा। यह योजना ग्रामीण परिवारों को आर्थिक मजबूती के साथ आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगी।

---

56 जिलों की घोषणा के बाद प्रदेश अध्यक्ष चुनाव का रास्ता साफ

प्रदेश के 6 जिलों के नेताओं में सहमति न बनने से घोषणा रुकी

टीकमगढ़ व निवाड़ी में केंद्रीय मंत्री, छिंदवाड़ा में सांसद के कारण अटके भाजपा जिलाध्यक्ष

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश के 62 में से 56 जिलों में भाजपा जिलाध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, लेकिन 6 जिलों में नेताओं के बीच अब भी सहमति न बन पाने की खबर है। इसकी वजह से घोषणा रुकी है। हालांकि अब प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में कोई अड़चन नहीं है। इसके लिए जरूरी जिलों से ज्यादा में चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

जिन 6 जिलों के अध्यक्षों की घोषणा रुकी है, उनमें टीकमगढ़, निवाड़ी, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, इंदौर शहर और ग्रामीण शामिल हैं। टीकमगढ़ और निवाड़ी में क्षेत्रीय सांसद केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक के कारण घोषणा रुकी है, जबकि छिंदवाड़ा में सांसद विवेक बंटी साहू की वजह से। नरसिंहपुर और इंदौर में भी नेताओं के बीच मतभेद हैं। भाजपा नेतृत्व इन जिलों का विवाद सुलझा कर सहमति बनाने की कोशिश में है।

खास बात

- नरसिंहपुर, इंदौर शहर और ग्रामीण, टीकमगढ़, निवाड़ी, छिंदवाड़ा में अब तक नहीं हुई नए जिला अध्यक्ष की घोषणा

टीकमगढ़, निवाड़ी में अपनी पसंद चाहते हैं खटीक

केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक क्षेत्रीय सांसद होने के नाते टीकमगढ़ और निवाड़ी में अपनी पसंद के जिलाध्यक्ष चाहते हैं। खटीक टीकमगढ़ में जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी को जिलाध्यक्ष बनवाना चाहते हैं। संगठन की ओर से टीकमगढ़ में अश्विनी चढ़ार या सरोज राजपूत में से किसी एक को अध्यक्ष बनाने की कोशिश की जा रही है। निवाड़ी में पूर्व मंत्री सुनील नायक के चचेरे भाई गणेशी लाल नायक का नाम लगभग तय हो चुका है। खटीक की जिद पर यदि टीकमगढ़ में ब्राह्मण वर्ग के विवेक चतुर्वेदी अध्यक्ष बने तो निवाड़ी में गणेशी लाल नायक की जगह जिला महामंत्री रोहिन राय या आकाश अग्रवाल को मौका मिल सकता है।

छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर में फंसा पेंच

छिंदवाड़ा में विवेक बंटी साहू के सांसद बनने के बाद शेषराव यादव कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनाए गए थे। इस बार उनके रिपीट होने की संभावना नजर नहीं आ रही है। जिन जिलों में मौजूदा अध्यक्ष रिपीट हुए हैं, उनके साथ छिंदवाड़ा की भी घोषणा होना थी, लेकिन सांसद साहू के कारण पेंच फंस गया। वे जिले में नया अध्यक्ष चाहते हैं। नरसिंहपुर में पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह अपने-अपने करीबियों को जिलाध्यक्ष बनवाने के लिए ताकत लगा रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार नरसिंहपुर में किसी महिला नेता को मौका दिया जा सकता है। यहां शिरोमणि चौधरी और बीना ओसवाल के नाम चल रहे हैं।

इंदौर में कैलाश, सिलावट में सहमति नहीं

इंदौर ग्रामीण में वर्तमान जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा के रिपीट होने की संभावना है। हालांकि, टीनू जैन भी रेस में बराबरी से दौड़ रहे हैं। यहां जिलाध्यक्ष के लिए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, विधायक मनोज पटेल से लेकर ऊषा ठाकुर तक अपने-अपने करीबियों के नाम बढ़ा चुके हैं। ग्रामीण के लिए सहमति न बन पाने के चलते अब तक शहर जिलाध्यक्ष भी घोषित नहीं हो पाया है। सूत्रों का कहना है कि इंदौर ग्रामीण में कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट की राय अलग-अलग है। सिलावट का हस्तक्षेप इंदौर शहर में नहीं है, लेकिन ग्रामीण में वे अपनी पसंद चाहते हैं। उनके साथ कुछ और नेता, विधायक भी शामिल हो गए हैं।

नवीन शिक्षक संवर्ग को ग्रेच्युटी का लाभ प्रथम नियुक्ति दिनांक से देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र शासकीय शिक्षक संगठन ने नवीन शिक्षक संवर्ग को ग्रेच्युटी का लाभ प्रथम नियुक्ति दिनांक से देने की मांग की है। संगठन ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि जिस प्रकार क्रमोन्नति, पदोन्नति के लिए नवीन शिक्षक संवर्ग को उनकी प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता प्रदान की जा रही है, उसी प्रकार ग्रेच्युटी एवं अन्य सेवा स्वत्वों के लिए भी सेवा अवधि की गणना मान्य की जाए।

संगठन के कार्याध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि नवीन शिक्षक संवर्ग की सेवा शर्तों में व्याप्त विसंगतियों के कारण अनेक सेवा शर्तों का लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग नवीन शिक्षक संवर्ग (अध्यापक) को क्रमोन्नति, पदोन्नति में सेवा अवधि की गिनती प्रथम नियुक्ति दिनांक से मान्य कर लाभ दे रहा है। वहीं ग्रेच्युटी एवं सेवा शर्तों के लिए सेवा अवधि की गिनती वर्ष 2018 जबसे राज्य स्कूल शिक्षा सेवा में नियुक्ति हुई है मान्य की जा रही है, जिसके कारण ऐसे नवीन शिक्षक संवर्ग के लोकसेवक जो जुलाई 2023 के पूर्व सेवा निवृत्त अथवा मृत हो गए हैं, उनको ग्रेच्युटी एवं अन्य सेवा शर्तों का लाभ नहीं दिया जा रहा है, क्योंकि ग्रेच्युटी के लिए कमसे कम 5 वर्ष की सेवा अवधि होना अनिवार्य है। जबकि नवीन शिक्षक संवर्ग के अध्यापकों को 24 वर्ष की सेवा अवधि होने के फलस्वरूप क्रमोन्नति, पदोन्नति में पिछले सेवा अवधि का लाभ वर्ष 1998 से दिया जा रहा है लेकिन ग्रेज्युटी में उक्त सेवा अवधि को मान्य नहीं करना कहा का नियम है।

भोपाल से आया फर्जी मीडिया अधिकारी पकड़ा गया!

कलेक्टर को व्हाटसएप मैसेज कर सर्किट हाउस में बुक कराया था रुम

हरिभूमि, जबलपुर।

हैलो! मैं वल्लभ भवन भोपाल से मीडिया अधिकारी बोल रहा हूं, मैं जबलपुर आ रहा हूं मेरे लिए सर्किट हाउस में कमरा बुक करा दिजिए। ये मैसेज गत दिवस जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना के मोबाइल व्हाटसएप पर आया। कलेक्टर ने मैसेज प्रोटोकॉल अफसर को फॉरवर्ड कर दिया। इसके बाद सर्किट हाउस क्रमांक 2 में सुधीर कुमार के नाम से एक कमरा भी बुक करा दिया गया। दरअसल ये फर्जी मीडिया अधिकारी खाद्य निगम का एक रिटायर्ड अधिकारी बताया जा रहा है। जिसे पुलिस ने रात में काले रंग की एसयूवी गाड़ी में हूटर बजाते हुए घूम रहा था। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि सुधीर कुमार फूड कार्पोरेशन के रिटायर्ड अधिकारी है, जिन्होने सर्किट हाउस में कमरा बुक कराने के लिए कलेक्टर को वाट्सएप पर मैसेज किया था।

इसके बाद कलेक्टर ने मंत्रालय में जब जानकारी ली तो पता चला कि इस नाम को कोई भी मीडिया अधिकारी पदस्थ नहीं है. कलेक्टर ने अधिकारियों को सूचना दी, फिर प्रोटोकॉल अधिकारी सर्किट हाउस में फर्जी मीडिया अधिकारी का इंतजार करने लगे. लेकिन वो नहीं आया। दूसरी ओर पुलिस भी जांच में जुट गई. इस दौरान सिविल लाइन थाना पुलिस खबर मिली कि एक काले रंग की एसयूवी गाड़ी क्रमांक एमपी 04 व्हाय एफ 8973 में हूटर बजाते हुए घूम रही है। गाड़ी में सेक्रेटरी एमपी डीसीए की प्लेट लगी हुई थी।

बहन से मिलने आया था

पूछताछ में पता चला कि सुधीर कुमार भारतीय खाद्य निगम से सेवानिवृत है। 2001 से 2024 तक अपनी पूरी नौकरी भोपाल में की है। वह जानता था कि मंत्रालय का नाम लेकर अगर कलेक्टर को कोई काम बोला जाए तो वह हो जाता है। इसी कारण सुधीर ने मीडिया अधिकारी बनकर कलेक्टर को मैसेज किया था। जबलपुर में उसकी बहन रहती है और वह उनसे मिलने आया था। परिवार के साथ रुकने के लिए उसने 16 और 17 जनवरी के लिए सर्किट हाउस का कमरा बुक करवाया था।

खाद्य निगम का सेवानिवृत्त कर्मचारी निकला

गाड़ी के शीशों पर ब्लेक फिल्म लगी हुई है। सिविल लाइन पुलिस ने लोकेशन लेते हुए गाड़ी को रोका तो इस गाड़ी को वहीं फर्जी मीडिया अधिकारी चलाते मिला, जिसने कलेक्टर को मैसेज कर सर्किट हाउस में कमरा बुक करने के लिए कहा था। पुलिस पूछताछ में पता चला कि फर्जी मीडिया अधिकारी भोपाल निवासी सुधीर कुमार प्रसाद है। पुलिस ने सुधीर कुमार को हिरासत में लेकर हूटर लगा वाहन जब्त कर लिया. बाद में कलेक्टर ने प्रोटोकॉल के एक अधिकारी को भेजकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

गुलाबी ठंड का एहसास

खुशनुमा मौसम में तापमान स्थिर

हरिभूमि, जबलपुर।

मौसम शुष्क बना हुआ है तापमान न ज्यादा ऊपर है और न ही ज्यादा नीचे, कुल मिलाकर मौसम खुशगवार है। इस बीच मौसम विभाग का कहना है कि अभी कुछ दिनों तक मौसम खुशनुमा रहेगा। तापमान में ज्यादा घट-बढ़ की संभावना नहीं है। 20 तारीख के बाद फिर एक बार पश्चिमी विक्षोप बन रहा है। उसके बाद फिर तापमान में वृद्धि होगी और बारिश के बाद फिर तापमान धराशायी होगा। आसमान में बादल छाने के बाद शनिवार को मौसम साफ रहा। तेज धूप रही शाम को जरुर शीतल बयारें चली।

मौसम कार्यालय के मुताबिक आने वालें दिनों में एक बार फिर मौसम के मिजाज बदलेंगे। पश्चिमी विक्षोप के प्रभाव के चलते भी तापमान उछाल पर ही रहेगा। आसमान पर छाये बादल छंटने और पश्चिमी विक्षोप का प्रभाव खत्म होने पर तापमान घटेगा और ठण्ड का एक नया दौर लौटेगा। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान जबलपुर शहर का अधिकतम तापमान 25.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य रिकार्ड किया गया। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 07.08 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री कम रहा। हवा में नमी प्रातः काल 88 प्रतिशत और सायंकाल 53 प्रतिशत आंकी गई। उत्तरी पूर्वी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। सूर्योदय सुबह 6.53 बजे और सूर्यास्त शाम 5.49 बजे हुआ। प्रदेश में सबसे कम 4.6 डिग्री तापमान कल्याणपुर (शहडोल) जिले में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहेगा। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 22.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री दर्ज किया गया।

कांचघर एसबीआई शाखा के बाहर अज्ञात ने की बुजुर्ग से धोखाधडी

एटीएम में बातचीत के दौरान कार्ड बदल लाखों किए पार

जबलपुर। घमापुर थानांतर्गत रुपए निकालने कांचघर शाखा के एटीएम पहुंचे एक युवक से बातचीत के दौरान एक आरोपी ने एटीएम कार्ड बदला और दो दिनों में उसके पिता के खाते से डेढ़ लाख रुपए से अधिक पार कर दिए। पीड़ित बुजुर्ग के पुत्र ग्राम टिकरिया निवासी 26 वर्षीय संदीप काछी की रिपोर्ट पर उसके पिता भारत लाल के साथ धोखाधड़ी करने वाले आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने मामला विवेचना में लिया हैं। पुलिस के अनुसार संदीप ने बताया कि उसके पिता भारत लाल का खाता एसबीआई सिहोरा में हैं। 14 मई को उसने अपने पिता के एटीएम से पनागर के एसबीआई एटीएम से 10 हजार रुपए निकाले फिर 15 मई की शाम करीब साढ़े 4 बजे जबलपुर कांचघर शाखा एसबीआई एटीएम से 5 हजार रुपए एवं 3 हजार रुपए कुल 8 हजार रुपए निकाले। संदीप कांचघर शाखा एसबीआई एटीएम में रुपए निकाल ही रहा था कि उसके पीछे खड़े एक व्यक्ति ने एटीएम पासवर्ड देखते हुए उसे बातों में उलझाते हुए एटीएम की अदला-बदली कर दी। जिसके बाद उसी व्यक्ति ने 15 मई 2024 को कुल 52 हजार 9 सौ 99 रुपए निकाले। आरोपी ने कांचघर एसबीआई एटीएम शाखा से 3 हजार रुपए, फिर 10 हजार, 5 हजार एवं 4 हजार रुपए एवं ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए 1999 रुपए एवं 18 हजार 999 रुपए का किया। इसके बाद 16 मई को कुल 1 लाख 14 हजार 9 सौ 98 रुपए निकाले। पहले 40 हजार रूपये किसी विजय कुमार दुबे को एटीएम द्वारा ट्रांसफर किया गया इसक बाद मेन ब्रांच जबलपुर एटीएम से 10 हजार रूपये के नगदी केश 4 बार निकाले गए एवं मशीन द्वारा ट्रांजेक्शन के जरिए 1999 रूपये 32999 रूपये रेखा देवी के नाम पर ट्रांसफर किये गये। जब रूपय निकाले जा रहे थे तब तक संदीप के पिता के मोबाइल पर कोई भी मैसेज बैंक द्वारा नहीं आया था। 16 तारीख को ट्रांजेक्शन का मैसेज आया, तब एटीएम को ब्लाक कराया गया एवं सिहोरा एसबीआई शाखा में जानकारी दी गई। इस तरह संदीप के पिता के खाते से करीब 1 लाख 67 हजार 9 सौ 97 रुपए पार कर दिए गए। लिखित शिकायत पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 420 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

रांझी में ग्राहक बनकर आए बदमाशों ने की वारदात

ज्वेलर्स की दुकान से लाखों के लाकेट व टाप्स ले गए चोर

हरिभूमि, जबलपुर।

रांझी थाना अतंर्गत बिलपुरा कालोनी तालाब के पास स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान में ग्राहक बनकर गए दो अज्ञात बदमाश सोने के सात लॉकेट एवं टॉप्स चोरी कर ले गए। चोरी गए माल की कीमत लगभग 2 लाख रुपए की बताई गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनगर निवासी 53 वर्षीय सुरेश कुमार सोनी की बिलपुरा कालोनी तालाब के पास स्थित मां जानकी ज्वेलर्स की दुकान है। गत 9 जनवरी को वह दुकान में बैठा था तभी दोपहर लगभग 1 बजे दो व्यक्ति उसकी दुकान मे सोने चांदी की ज्वेलरी खरीदने आये थे। उन्होंने उससे चांदी का एक लाकेट दिखाने बोला उसने उनको लाकेट दिखाया तो उन्होंने वो लाकेट खरीद लिया, इसके बाद सोने के टाप्स खरीदने के लिये बोले, उसने टाप्स दिखाया तो उनको डिजाइन पसंद नहीं आया तो उसने टाप्स को वापस ड्राज में रख लिया फिर वो दोनों व्यक्ति उसे टाप्स को दुबारा दिखाने के लिये आग्रह करने लगे तो उसने दिखाने से मना कर दिया तो दोनो व्यक्ति लगभग 15-20 मिनिट तक डिजायन के संबंध में बात करते रहे तथा दुकान से चले गये थे उनके जाने के बाद उसने अपनी ड्राज को खोलकर देखा जिसमें सोने के रखे टाप्स जो उसने उन्हें दिखाया था और एक डिब्बी के सोने के छोटे छोटे सात लाकेट ड्राज में नहीं थे। अज्ञात दोनों व्यक्ति ने उसे अपनी बातों में लगाकर उसके ड्राज में रखे सोने के लाकेट एवं टाप्स चोरी कर ले गये। दुकान के सीसीटीव्ही चैक करने पर दोनों व्यक्ति उसकी ड्राज में हाथ डालकर समान निकालते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने दोनों अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 305 ए भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

यूका के जहरीले कचरे के निस्तारण पर शासन की अंडरटेकिंग

एनजीटी में जानकारी पेश

जबलपुर। सुप्रीम कोर्ट व मप्र हाई कोर्ट में यूनियन कार्बाइड से निकले जहरीले कचरे के संबंध में वैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। यह बताते हुए राज्य ने अंडरटेकिंग दी है कि इस संबंध में सेमीनार से तथा जिला प्रशासन द्वारा वैज्ञानिक रिपोर्ट प्रकाशित की जाएगी। वैज्ञानिक व क्षेत्रीय नागरिकों एवं यूनिवर्सिटी की टीम बनाकर नागरिकों एवं वैज्ञानिकों के साथ चर्चा कर पीथमपुर में इस कचरे का उपचार, भंडारण व निस्तारण पर पूरी जानकारी दी जाएगी। इस अवधि में यदि किसी व्यक्ति को या क्षेत्र के नागरिकों को निस्तारण से निकले हुए धुएं एवं गैस के संबंध में यदि कोई समस्या है तो वैज्ञानिकों के माध्यम से इन समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। लोगों के द्वारा उठाए गए प्रश्नों तथा उनके जवाबों को प्रिंट कर वह मीडिया व जनरल पब्लिक में सर्कुलेट किया गया है। साइंटिफिक रिपोर्ट भी मीडिया में प्रकाशित की जाएगी। केन्द्र व प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व वैज्ञानिक जो इन बिंदुओं पर कार्य कर रहे वह इंसीनिरेशन से निकले हुए रसायन तथा उनके निस्तारण पर मानीटरिंग करेंगे। स्टेण्डर्ड आपरेटिंग प्रोसिजर तैयार किया जाएगा जिससे यदि कोई अवरोध पैदा होता है तो उनका निराकरण हो सके। राज्य सरकार औद्योगिक तथा क्षेत्रीय नागरिकों से चर्चा कर रही है।

यह जानकारी प्रदेश तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में डा. पीजी नाजपांडे व रजत भार्गव द्वारा दायर याचिका पर हुई सुनवाई के दौरान प्रस्तुत की गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के न्यायाधीश शिव कुमार सिंह तथा एक्सपर्ट मेम्बर डा. अफरोज अहमद ने सुनवाई के बाद जारी किए गए आदेश में बताया कि चूंकि यह मामला अब हाई कोर्ट में लंबित है, अतः नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में दायर इस याचिका का निराकरण किया जाता है। इसके पूर्व में याचिकाकर्ताओं की ओर एड. प्रभात यादव ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में याचिका दायर कर प्रार्थना की थी कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के निस्तारण में भूमि, जल तथा वायु में कोई विपरीत परिणाम नहीं होगा, यह शपथ-पत्र के साथ मुख्य सचिव मप्र शासन घोषणा करे। आयुक्त म्युनिसीपल कार्पोरेशन, भोपाल, धार तथा पीथमपुर भी शपथ-पत्र प्रस्तुत करें कि उस क्षेत्र के लोगों को नुकसान नहीं होगा। प्रदेश सरकार कचरे के निस्तारण पर वैज्ञानिक रिपोर्ट समाचार पत्रों में प्रकाशित कर उसे सार्वजनिक करें।

एनजीटी ने याचिका का किया निराकरण

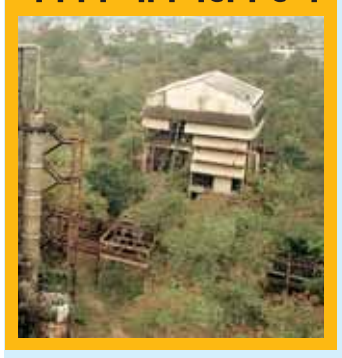

हितोषी जय हार्डिया उपाध्यक्ष चुने गए

स्टेट बार कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष बने दिनेश नारायण पाठक

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष पद पर दिनेश नारायण पाठक को चुना गया है। जबकि उपाध्यक्ष अधिवक्ता हितोषी जय हार्डिया बनाए गए हैं। स्टेट बार के वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी ने बताया कि श्री पाठक को अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव डा. विजय कुमार चौधरी ने प्रस्तुत किया था, जिसका समर्थन राजेश कुमार पांडे ने किया। जबकि हितोषी जय हार्डिया को सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष चुना गया। इस दौरान चेयरमैन राधेलाल गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी, जगन्नाथ त्रिपाठी सहित अन्य उपस्थित थे।

बैठक में अधिवक्ता नामांकन शुल्क के संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया कि वर्तमान में सामान्य वर्ग/पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की फीस 125 रुपये अधिवक्ता अधिनियम-1961 के अनुसार ली जा रही है। यह शुल्क वर्ष 1961 में निर्धारित किया गया था, वर्तमान परिस्थिति में जो कि काफी कम है। नामांकन शुल्क बढ़ाए जाने हेतु अधिनियम में संशोधन किए जाने हेतु राज्यसभा सांसदों एवं लोकसभा सांसदों को अनुरोध पत्र प्रेषित प्रेषित किया जाए व सांसदों से मिलकर क्त संबंध में पत्र प्राप्त कर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को प्रेषित कर अधिवक्ता अधिनियम में संशोधन हेतु भेजा जाए। परिषद के ग्वालियर कार्यालय में पूर्व पदस्थ बरमेश्वर नाथ को सेवा से बर्खास्त किए जाने हेतु उचित कार्यवाही की गई। परिषद की नामांकन समिति-सी जिसकी अध्यक्षता प्रेम सिंह भदौरिया द्वारा की गई। बैठक में अध्यक्ष राधेलाल गुप्ता एवं सदस्य खिलाड़ी लाल गंगोरे उपस्थित रहे। बैठक छत्तीसगढ़ में होने वाली सिविल जज परीक्षा में आवेदक शामिल हो सकें, इसके मद्देनजर 350 नामांकन पत्रों पर मुहर लगाई गई। अपील समिति, अनुशासन समिति-ए एवं बी भी आयोजित की गई बैठकों में वाईस चेयरमैन आरके सिंह सैनी, मनीष तिवारी, जगन्नाथ त्रिपाठी, राजेश कुमार पांडेय, शिवेन्द्र उपाध्याय उपस्थित रहे।

अधारताल के अम्बेडकर नगर में वारदात

पिता पर जानलेवा हमला कर मां-बेटे को पीटा

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्रातंर्गत अम्बेडकर नगर में तीन असामाजिक तत्वों ने अपने पुराने मित्र के घर पहुंचकर उसके पिता पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि अम्बेडकर नगर निवासी 18 वर्षीय ओमनारायण द्विवेदी कक्षा ग्यारहवीं की पढ़ाई करता है। जब वह पूर्व में कृषि नगर में कक्षा नवमीं में पढ़ता था तो उसकी दोस्ती शेखर लोधी, प्रिंस लोधी व हरी रोक्स के साथ हो गई थी। किसी बात को लेकर शेखर को कुछ गलत फहमी हो गई, जिससे वह ओमनारायण से रंजिश रखने लगा।

बीती रात करीब सवा आठ बजे जब ओम अपने घर की छत पर टहल रहा था, उसी समय शेखर, प्रिंस व रोक्स उसके घर पहुंचे। जहां गेट पर ओमनारायण के पिता रमाकांत ने घर आने का कारण पूछा तो तीनों ने गालीगलौज करते हुए चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। रमाकांत को खून से लथपथ देख उनकी पत्नी नीतू द्विवेदी चीखती चिल्लाती पहुंची तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट शुरु कर दी। ओमनारायण नीचे पहुंचा तो उसके साथ मारपीट कर चोट पहुंचाते हुए आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी शेखर लोधी उम्र 19 वर्ष निवासी कंचनपुर को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं फरार उसके दो साथियों की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रहीं है।

शाहिद की देवा का ट्रेलर रिलीज स्टंट्स करते आए नजर...

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की मच-अवेटेड एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा का ट्रेलर रिलीज हो गया है. सामने आए ट्रेलर में तेज रफ्तार, जबरदस्त एक्शन और जबरदस्त इंटेंसिटी देखने को मिल रहा है। फिल्म में शाहिद का किरदार उनकी दो फिल्में 'कबीर सिंह' और 'हैदर' जैसा दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि देवा में शाहिद कपूर ने पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाया है। वहीं फिल्म में पूजा हेगड़े ने शाहिद कपूर की प्रेमिका के किरदार निभाया है। ट्रेलर में शाहिद कपूर देव अंबरे के किरदार में पूरी तरह से छाए हुए हैं, उनके एक्शन और जबरदस्त स्टंट्स देख कर फैंस का दिल थम जाएगा। ट्रेलर में जो दिल को धड़काने वाला बैकग्राउंड म्यूजिक है, वो रोमांच को और भी बढ़ा रहा है।

लाइफ Style

तब्बू

अक्षय की 'भूत बंगला' में धमाकेदार एंट्री

फिल्म भूत बांग्ला में अक्षय कुमार और तब्बू के अलावा परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार नजर आ सकते हैं। फिल्म भूत बंगला को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस, केप ऑफ गुड फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड फिल्मकार प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही अक्षय कुमार स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में तब्बू की एंट्री हो गई है। निर्देशक प्रियदर्शन और अभिनेता अक्षय कुमार की जोड़ी 14 साल बाद भूत बंगला के लिए फिर से साथ आ रही है। इस फिल्म में तब्बू की एंट्री हो गयी है। तब्बू ने इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए एक क्लैपरबोर्ड की तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा था भूत बांग्ला। तब्बू ने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, हम यहां बंद हैं। वर्ष 2000 में प्रदर्शित फिल्म हेरा फेरी में अक्षय और तब्बू साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म का निर्देशन भी प्रियदर्शन ने ही किया था। फिल्म भूत बांग्ला में अक्षय कुमार और तब्बू के अलावा परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार नजर आ सकते हैं। फिल्म भूत बंगला को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस, केप ऑफ गुड फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के को-प्रोड्यूसर फारा शेख और वेदांत बाली हैं। कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है, और स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अबिलाष नायर और प्रियदर्शन ने मिलकर तैयार किया है। डायलॉग्स रोहन शंकर ने लिखे हैं। 'भूत बंगला' 02 अप्रैल 2026 में रिलीज होगी।

हॉलीवुड मसाला

घर बैठे ओटीटी पर देख पाएंगे

मुंबई। ब्रिटेन का मशहूर रॉक बैंड कोल्डप्ले इन दिनों भारत में चर्चा का विषय बना हुआ है। दुनियाभर में अपने बेहतरीन म्यूजिक और गानों के लिए मशहूर यह बैंड भारत में धूम मचाने को तैयार है। इसके टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी की खबरें सामने आ रही हैं। बहरहाल, अब खबर है कि आप कोल्डप्ले कॉन्सर्ट को घर बैठ ओटीटी पर देख पाएंगे। कोल्डप्ले का प्रसारण डिज्नी+ हॉटस्टार पर होगा। कोल्डप्ले कॉन्सर्ट 26 जनवरी, 2025 को डिज्नी+ हॉटस्टार पर विशेष रूप से लाइव प्रसारित किया जाएगा।

जॉनी के नाम पर जालसाजी अभिनेता ने फैंस को चेताया

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता जॉनी डेप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अपने प्रशंसकों को चेताया। उन्होंने बताया कि उनके नाम और फेक सोशल मीडिया और ईमेल अकाउंट के नाम पर जालसाजी की जा रही है। जॉनी डेप ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा मुझे पता चला है कि ऑनलाइन जालसाज मेरे प्रशंसकों और फॉलोअर्स को मेरे नाम का इस्तेमाल कर उन्हें निशाना बना रहे हैं। अपनी रणनीति के तहत, वे मेरे और मेरी टीम के सदस्यों के नाम पर कई भ्रामक सोशल मीडिया और ईमेल अकाउंट बना चुके हैं। अभिनेता ने आगे बताया, मैं एक्स, स्नैपचैट या डिस्कॉर्ड या पर नहीं हूं। मैं पेड मीटिंग, फोन कॉल, क्लब मेंबरशिप या फैन कार्ड ऑफर नहीं करता। अगर आपसे कभी भी इन चीजों के लिए पैसे मांगे जाते हैं, तो यह फ्रॉड है।

मासूमियत नहीं इसलिए आशिकी-3 से अलग

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी फिल्म आशिकी 3 में काम करती नजर नहीं आ सकती है। वर्ष 1990 में महेश भट्ट ने राहुल रॉय और अनु अग्रवाल को लेकर सुपरहिट फिल्म आशिकी बनायी थी। वर्ष 2013 में महेश भट्ट ने आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर को लेकर आशिकी 2 बनायी। आशिकी 2 भी सुपरहिट साबित हुई। अब आशिकी 3 बनाई जा रही है। करीब दो साल पहले आशिकी 3 बनाने की घोषणा हुई है। इस फिल्म के लिये कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी के काम करने की चर्चा थी। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु करने वाले थे। चर्चा है कि तृप्ति डिमरी अब आशिकी 3 का हिस्सा नहीं होंगी। तृप्ति डिमरी ने वर्ष 2023 में सुपरहिट प्रदर्शित फिल्म एनिमल में काम किया था। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी ने नेगेटिव किरदार निभाया था।

'इमरजेंसी' की बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत

मुंबई। बीते शुक्रवार यानी 17 जनवरी को सिनेमाघरों में 2 फिल्मों ने दस्तक दी। एक कंगना रनौत की राजनीति ड्रामा फिल्म 'इमरजेंसी' और दूसरी अजय देवगन के भांजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की फिल्म 'आजाद'। 99 रुपये की रियायती दर पर इन फिल्मों के टिकट मिल रहे हैं, लेकिन अफसोस कि ना तो 'इमरजेंसी' और ना ही 'आजाद' को इसका कोई खास फायदा होता दिख रहा है। आइए जानें पहले दिन किसने कितनी कमाई की। 'इमरजेंसी' ने कमाए 2.35 करोड़ रुपये सैकनिल्क के मुताबिक 'इमरजेंसी' ने रिलीज के पहले दिन 2.35 करोड़ की कमाई की है। हालांकि, इसने कंगना की फिल्म 'तेजस' के मुकाबले ओपनिंग डे पर ज्यादा कमाई की है। 'तेजस' पहले दिन महज 1.25 करोड़ रुपये कमा पाई थी।

टीवी मसाला

मां बनने वाली है सावी... फिर हो जाती है अनहोनी

मुंबई। स्टार प्लस के शो गुम है किसी के प्यार में में सावी का किरदार निभा रही अभिनेत्री भविका शर्मा ने बताया कि इस शो के आने वाले एपिसोड्स में कहानी ऐसा मोड़ लेगी, जो सावी और रजत की जिंदगी पूरी तरह बदल कर रख देगी। स्टार प्लस का शो गुम है किसी के प्यार में अब जबरदस्त मोड़ लेने वाला है। यह शो अपनी इमोशनल कहानी और जबरदस्त ट्विस्ट के लिए जाना जाता है, जिसकी वजह से इसे दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिलता है। शो गुम है किसी के प्यार में में हितेश भारद्वाज (रजत), भाविका शर्मा (सावी), और अमायरा खुराना (साई) के दमदार किरदार नजर आ रहे हैं। गुम है किसी के प्यार में का मौजूदा ट्रैक सावी और रजत के इर्द-गिर्द घूम रहा है, जहां उनके रिश्ते में नई चुनौतियां आ रही हैं। हाल ही में शो के मेकर्स ने एक जोरदार प्रोमो रिलीज़ किया, जो सावी और रजत की जिंदगी में बड़े बदलाव की तरफ इशारा करता है। प्रोमो में दिखाया गया है कि सावी, जो पहले यह मान चुकी थी कि शायद वो कभी मां नहीं बन पाएगी, अचानक पता चलने पर बेहद खुश हो जाती है कि वो रजत के बच्चे की मां बनने वाली है। वो ये खुशखबरी रजत को बताती है और दोनों इस नए पड़ाव को लेकर काफी उत्साहित नजर आते हैं, लेकिन ठीक जब सावी और रजत अपनी नई खुशियों में डूबे हुए थे, अचानक एक अनहोनी हो जाती है।

बादशाह में थी एक बुरी आदत, इंडियन आइडल के मंच पर बहन ने खोल दी पोल

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर बहुचर्चित सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल 15 के मंच पर रैपर-सिंगर बादशाह की बहन अपराजिता ने बचपन के दिल छू लेने वाले किस्से साझा किए हैं। इस वीकेंड इंडियन आइडल 15, अपने भाई-बहन स्पेशल एपिसोड के साथ भाई-बहन के प्यार को सेलिब्रेट करेगा! प्रतिष्ठित जज श्रेया घोषाल, विशाल ददलानी और मल्टी-टैलेंटेड बादशाह ने शो में अपना आकर्षण और तालमेल प्रदर्शित किया, जबकि प्रतियोगियों ने भाई-बहन के रिश्तों से जुड़ी व्यक्तिगत कहानियां साझा कीं, जिससे यह शाम हंसी, पुराने किस्सों और प्यार से भर गई। एक खुशनुमा मौके में हर कोई आंख मिचोली के उत्साह भरे खेल में शामिल हो गया और जब बादशाह ने अपनी आंखें बंद कर लीं, तो उनकी बहन, अपराजिता, बादशाह को सरप्राइज़ देने के लिए आईं, जिससे वह हैरान होकर बेहद खुश हुए। बचपन के कुछ राज़ शेयर करते हुए, अपराजिता ने बताया कि घर पर बादशाह को प्यार से बिट्टू कहा जाता है, जबकि उनका निकनेम कटोरी था।

'गली बॉय' के सीक्वल में नजर आएगी विक्की -अनन्या की जोड़ी

मुंबई। सुपरहिट फिल्म गली बॉय के सीक्वल में विक्की कौशल और अनन्या पांडे की जोड़ी नजर आ सकती है। जोया अख्तर के निर्देशन में बनी सुपरहिट फिल्म रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, सिद्धांत चतुर्वेदी, कल्कि कोचलिन, विजय वर्मा ने अहम भूमिका निभाई थी। यह फिल्म मुंबई के एक ऐसे युवक के बारे में है, जो रैप संगीत के लिए अपने जुनून को खोजता है। फिल्म को प्रशंसकों और आलोचकों से बहुत प्यार और प्रशंसा मिली। चर्चा है कि फिल्म गली बॉय का सीक्वल बनने जा रहा है। इस बार फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की जोड़ी नजर नहीं आएगी। कहा जा रहा है कि गली बॉय के सीक्वल में नई जोड़ी नजर आएगी। गली बॉय के सीक्वल का निर्देशन अर्जुन वरेन सिंह कर सकते हैं। इस फिल्म में विक्की कौशल और अनन्या पांडे की जोड़ी नजर आ सकती है।

झांसी में चल रही बॉर्डर 2 की शूटिंग, सनी देओल ने आर्मी ऑफिसर से लड़ाया पंजा

झांसी। बॉलीवुड सुपरस्टार सनी देओल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म की जब से अनाउंसमेंट हुई है। तब से ही फिल्मी गलियारों में इसकी चर्चा जोर-शोर हो रही है। सनी देओल इस फिल्म में एक बार फिर मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी के रोल में दिखाई देंगे। देशभक्ति से भरी इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों उत्तर प्रदेश के झांसी में हो रही है। शूटिंग की सेट से एक्टर्स की कई तस्वीरें वायरल हो रही है, जो सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। खैर बॉर्डर 2 की शूटिंग तेजी गति से चल रही है। इस फिल्म को इंडियन सिनेमा की सबसे बड़ी वार फिल्म बताई जा रही है। कास्टिंग लेवल पर फिल्म दमदार नजर आ रही है। सनी का एंग्री यंग मैने वाला एक्शन अवतार सालों बाद फैंस को फिर से देखने को मिलेगा।

सनी ने आर्मी ऑफिसर से लड़ाया पंजा : एक तस्वीर में सनी देओल आर्मी अफसर के साथ पंजा लड़ाते हुए दिखाई दे रहे है। वहीं दूसरी तस्वीर में जवानों के बीच बैठे है। सनी के साथ-साथ फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले अभिनेता वरुण धवन भी जवानों के साथ नजर आ रहे है। सनी की तस्वीर जैसे ही वायरल हुई। सोशल मीडिया में कमेंट्स की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा कि ये मजदूर का हाथ है कातिया पंगा मता लेना। जिसका जवाब देते हुए दूसरे ने कहा कि ये ढाई किलो का हाथ जब किसी पर पड़ता है ।

फिल्म का बजट 250 करोड़ से ज्यादा : खैर इस फिल्म को भारी भरकम बजट के साथ बनाया जा रहा है। बॉर्डर 2 सनी देओल के करियर की सबसे महंगी फिल्म होने वाली है। इसका बजट 200 से 250 करोड़ के बीच रखा गया है। सनी के अलावा इस फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी और एमी विर्क जैसे अभिनेता दिखाई देंगे।

निर्देशन की कमान संभाल रहे अनुराग सिंह : बॉर्डर 2 के निर्देशन की कमान इस बार जेपी दत्ता के बजाय 'केसरी' जैसी बेहतरीन फिल्म बनाने वाले डायरेक्टर अनुराग सिंह को मिली है। अनुराग सिंह का कहना है कि केसरी फिल्म में अक्षय के बजाय सनी देओल होने वाले थे लेकिन किसी कारणों के चलते वो यह फिल्म नहीं कर पाए।

सनी के साथ ये कलाकार भी आएंगे नजर: बॉर्डर 2 में सुनील शेट्टी, अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा, मनोज बाजपेयी, पुनीत इस्सर, कुल भूषण खरबंदा और सुदेश बेरी ने इस फिल्म में शानदार काम किया था। बॉर्डर हर तरीके से एक कल्ट फिल्म है। ऐसे में उसकी सफलता को दोबारा भुना पाना मेकर्स के लिए आसान बात नहीं होगी।

इस हफ्ते देखिए ये फिल्में और सीरीज, रोमांस व स्टंट से भरपूर

आई वॉन्ट टू टॉक से लेकर 'पाताल लोक 2' तक

मुंबई। हर हफ्ते सिनेमाघरों और ओटीटी पर कोई न कोई नई फिल्म रिलीज होती है। जनवरी का तीसरा हफ्ता भी दर्शकों के लिए खास होने वाला है। जहां ओटीटी पर मनोरंजन का महासंग्राम होने वाला है, वहीं सिनेमाघरों में भी शानदार चर्चित फिल्में दस्तक देने वाली हैं।कुछ ऐसी फिल्में और सीरीज आपके बीच आ रही हैं, जिनका इंतजार बेसबी से किया जा रहा था। आइए जानें इस हफ्ते आपके लिए क्या कुछ है खास।

'आजाद' और 'आई वॉन्ट टू टॉक'

काफी समय से अजय देवगन फिल्म 'आजाद' को लेकर चर्चा में हैं। इसके जरिए रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिनय जगत में कदम रख रही हैं। इसमें राशा की जोड़ी अजय के भांजे अमन देवगन के साथ बनी है। यह उनकी भी पहली फिल्म है। 'आजाद' 17 जनवरी, 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। उधर अभिषेक बच्चन की फिल्म 'आई वॉन्ट टू टॉक' सिनेमाघरों के बाद 17 जनवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर आ रही है।

'चिड़िया उड़' और 'गृहलक्ष्मी'

'चिड़िया उड़' एक क्राइम थ्रिलर वेब सरीज है, जिसमें अभिनेता जैकी श्रॉफ, भूमिका मीना और सिकंदर खेर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह सीरीज 15 जनवरी को अमजेन प्राइम वीडियो और एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हुई है। यह सीरीज आबिद सुरती के मशहूर उपन्यास 'केज' पर आधारित है। उधर हिना खान की वेब सीरीज 'गृह लक्ष्मी' 16 जनवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है। इस सीरीज में चंकी पांडे, राहुल देव और दिब्येंदु भट्टाचार्य भी हैं।

'पाताल लोक सीजन 2' और 'द रोशन्स'

'पाताल लोक' के दूसरे सीजन 'पाताल लोक 2' में इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी उर्फ जयदीप अहलावत एक बार फिर दर्शकों को अपना दीवाना बनाने के लिए तैयार हैं। यह 17 जनवरी को अमेजन प्राइम वीडियो में रिलीज हो गई है। उधर 'द रोशन्स' एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज है, जो बॉलीवुड के सबसे प्रभावशाली परिवारों में से एक राकेश रोशन, राजेश रोशन और ऋतिक रोशन की कहानी सुनाने वाली है। यह 17 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है।

'इमरजेंसी'

कंगना रनौत पिछले काफी समय से 'इमरजेंसी' को लेकर चर्चा में हैं। यह 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। कंगना रनौत इस फिल्म की निर्माता-निर्देशक भी हैं। यह फिल्म 6 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाणपत्र न मिलने के मिलने के कारण ऐसा नहीं हो पाया।

'पावर ऑफ पांच'

'पावर ऑफ पांच' एक वेब सीरीज है, जो ऐसे दोस्तों के ग्रुप की कहानी है, जिनकी जदिगी तब पूरी तरह बदल जाती है, जब उन्हें पता चलता है कि उनके पास सुपरपावर है। यह सीरीज भी 17 जनवरी से डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज हो गई है।

म्यूचुअल फंड डिविडेंड या एसडब्ल्यूपी रेगुलर इनकम के लिए कहां करें निवेश

- रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए क्या है सही, कैसे चुनें
- कॉर्पस का बाकी हिस्सा उसी फंड में जमा रहता है
- एसडब्ल्यूपी में निवेशक फंड के कॉर्पस से कुछ समय पर रकम निकाल सकते हैं
- डिविडेंड प्लान में म्यूचुअल फंड मुनाफे को फंड हाउस निवेशकों में बांटता है

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

नौकरी करने वाले लोगों को रिटायरमेंट के बाद वेतन मिलना भले ही बंद हो जाए, खर्च तो बने ही रहते हैं। इसीलिए रेगुलर इनकम का इंतजाम करना रिटायरमेंट प्लानिंग का बेहद जरूरी हिस्सा है। म्यूचुअल फंड के सिस्टमैटिक विथड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) और डिविडेंड प्लान, दो ऐसे विकल्प हैं, जिनका इस्तेमाल रिटायरमेंट के बाद नियमित आमदनी पाने के लिए किया जा सकता है, लेकिन इन दोनों विकल्पों में कई अहम फर्क भी हैं। अगर आप रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम के लिए प्लानिंग कर रहे हैं, तो आपके लिए यह जानना जरूरी है कि एसडब्ल्यूपी और डिविडेंड प्लान में कौन सा ऑप्शन आपके लिए ज्यादा सही हो सकता है।

सिस्टमैटिक विथड्रॉल प्लान क्या

म्यूचुअल फंड का सिस्टमैटिक विथड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी), एक ऐसा विकल्प है, जिसमें निवेशक अपने फंड के कॉर्पस से फिक्स इंटर्वल यानी तय समय के अंतर पर निश्चित रकम निकालते हैं। कॉर्पस का बाकी हिस्सा उसी फंड में जमा रहता है, जिस पर मुनाफा मिलने की संभावना बनी रहती है। यह ऑप्शन उन लोगों के लिए बेहतर है, जो रेगुलर इनकम हासिल करने के साथ ही साथ अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखना चाहते हैं। एसडब्ल्यूपी के तहत, निवेशक मंथली, तिमाही, या साल में एक बार पैसे निकाल सकते हैं। यह स्कीम आपके लिए जरूरी कैश फ्लो देने के साथ ही साथ बाकी पूंजी पर ग्रोथ हासिल करने का दोहरा लक्ष्य हासिल करने में मदद करती है। सिस्टमैटिक विथड्रॉल प्लान में निवेशक खुद तय कर सकते हैं कि उन्हें कब और कितने पैसे निकालने हैं। इसमें आप सिर्फ उतने ही पैसे निकाल सकते हैं, जितने आपको चाहिए. बाकी पैसे फंड में निवेशित रहते हैं, ताकि रिटर्न जेनरेट होता रहे।

डिविडेंड प्लान का क्या है मतलब?

डिविडेंड प्लान का मतलब है म्यूचुअल फंड की ऐसी स्कीम, जिसमें मुनाफे को फंड हाउस निवेशकों में बांटता है। यहां इनवेस्टर्स को मिलने वाला डिविडेंड उस म्यूचुअल फंड के प्रदर्शन पर आधारित होता है। इसीलिए डिविडेंड की रकम और भुगतान का समय पहले से तय नहीं होता। यह पूरी तरह बाजार की स्थिति और फंड के मुनाफे पर निर्भर होता है।

डिविडेंड प्लान और एसडब्ल्यूपी में फर्क

एसडब्ल्यूपी में इनवेस्टर खुद तय करते हैं कि वे कितनी रकम, कब और कितनी बार निकालेंगे। वहीं, डिविडेंड प्लान में निवेशक को कब और कितने पैसे मिलेंगे, यह फंड के प्रदर्शन पर आधारित होता है। एसडब्ल्यूपी में एक साल से ज्यादा होल्ड किए गए इक्विटी फंड पर एक वित्त वर्ष के दौरान होने वाले 1.25 लाख रुपये तक के लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) पर कोई टैक्स नहीं लगता। एक साल में इससे ज्यादा मुनाफा होने पर उस पर 12.5% की दर से एलटीसजी टैक्स लगता है। वहीं, डिविडेंड प्लान में ऐसी कोई छूट नहीं मिलती। यानी डिविडेंड प्लान से होने वाली आमदनी पर इनकम टैक्स स्लैब के रेट से टैक्स भरना पड़ता है।

एसडब्ल्यूपी और डिविडेंड प्लान

एसडब्ल्यूपी में जमा अपने फंड में से आप कब और कितने पैसे निकालना चाहते हैं, यह अपनी जरूरतों को देखते हुए खुद तय कर सकते हैं, जबकि डिविडेंड प्लान में आपको कितने पैसे मिलेंगे, यह उस फंड के परफॉर्मेंस से तय होता है। स्कीम का मुनाफा कम हो, या घाटा उठाना पड़े, तो डिविडेंड कम होने या नहीं मिलने का रिस्क भी रहता है। एलटीसीजी से जुड़े टैक्स बेनिफिट भी एसडब्ल्यूपीको ही बेहतर विकल्प साबित करते हैं।

कुल मिलाकर रिटायरमेंट के बाद के रेगुलर इनकम और टैक्स सेविंग के लिहाज से एसडब्ल्यूपी बेहतर है, लेकिन इनवेस्टमेंट के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले यह जरूर समझ लें कि इक्विटी आधारित किसी भी म्यूचुअल फंड में रिटर्न फिक्स नहीं होता। फिर चाहे वो सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) हो या सिस्टमैटिक विथड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी)। यानी एसडब्ल्यूपी के तहत आप कब और कितने पैसे निकालना चाहते हैं, यह तो आप तय कर सकते हैं, लेकिन कॉर्पस में बचे बाकी पैसों पर म्यूचुअल फंड कितना रिटर्न जेनरेट करेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। इसके अलावा इक्विटी फंड्स में मार्केट से जुड़ा रिस्क अधिक रहता है। इसलिए निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले उससे जुड़े जोखिम को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए और कोई भी कनफ्यूजन होने पर सेबी रजिस्टर्ड निवेश सलाहकार की मदद लेनी चाहिए।

दस साल की नौकरी करने के बाद कितनी मिलती है पेंशन

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

- ईपीएफओ अपने सदस्यों के लिए चलाती है स्कीम
- परिवार या नॉमिनी को पेंशन देने का प्रावधान
- स्कीम की शुरूआत 16 नवंबर 1995 को हुई

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने सदस्यों के लिए कर्मचारी पेंशन योजना यानी एंप्लाइज पेंशन स्कीम (ईपीएस) चलाती है। इस योजना के तहत ईपीएफओ सदस्यों को उनके सेवा काल और वेतन के आधार पर एक समय के बाद मंथली पेंशन मिलती है. ईपीएफओ द्वारा एंप्लाइज पेंशन स्कीम (ईपीएस) की शुरूआत 16 नवंबर 1995 को की गई। इसने एंप्लाइज फैमिली पेंशन स्कीम 1971 की जगह ली है। फैमिली पेंशन स्कीम में जहां सदस्य की मृत्यु पर ही परिवार को पेंशन मिलती थी। वहीं, एंप्लाइज पेंशन स्कीम में ईपीएफओ मेंबर को भी पेंशन देने का प्रावधान है। ईपीएफओ मेंबर के अलावा नई स्कीम में परिवार और नॉमिनी को भी पेंशन देने की व्यवस्था की गई है। नवंबर 1995 में शुरू हुई इस योजना का उद्देश्य संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद नियमित आय प्रदान करना है।

एंप्लाइज पेंशन स्कीम का कब मिलता है लाभ

ईपीएस पेंशन पाने के लिए ईपीएफओ सदस्यों को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है। कर्मचारी को कम से कम 10 साल की सेवा पूरी करनी होती है। पेंशन 58 साल की उम्र पूरी करने पर मिलती है। कर्मचारी को ईपीएफओ का पंजीकृत सदस्य होना चाहिए और पूरे समय उनके रोजगार के दौरान ईपीएसयोजना में नियमित रूप से योगदान करना चाहिए। बता दें कि जब आप किसी कंपनी या संगठित क्षेत्र के संस्थान में कर्मचारी के रूप में काम करने लगते हैं, तो आप ईपीएफओ मेंबर सदस्य बन जाते हैं। मतलब आपकी सैलरी का कुछ हिस्सा हर महीने ईपीएफ और ईपीएस में जमा किया जाएगा। इस राशि का इस्तेमाल ईपीएफओ मेंबर के भविष्य के लिए होता है, जैसे रिटायरमेंट के बाद पेंशन प्राप्त करना या किसी आपात स्थिति में मदद मिलना।

ऐसे होता है योगदान

ईपीएफ सदस्य नौकरी के दौरान अपने बैसिक सैलरी का 12% कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में योगदान करते हैं, और कंपनी भी इतनी ही रकम योगदान करती हैं। बता दें कि कंपनी का योगदान दो हिस्सों में बट जाता है। इसमें 8.33% हिस्सा ईपीएस में और 3.67% हिस्सा ईपीएफ में जमा होता रहता है।

ईपीएफओ सदस्य कब होते हैं पेंशन के हकदार

एंप्लाइज पेंशन स्कीम के प्रावधानों के अनुसार पेंशन योजना का कोई सदस्य 10 साल की अंशदायी सदस्यता पूरी करने पर पेंशन का हकदार हो जाता है और वह 58 साल की उम्र पूरी करने पर पेंशन ले सकता है। चाहे वह अपने संस्थान से रिटायर हो या ना हो यानी 58 वर्ष की आयु और 10 साल की अंशदायी सदस्यता पूरी करने पर कोई ईपीएफओ मेंबर नौकरी करते हुए भी पेंशन ले सकता है। इसके अलावा अगर कोई सदस्य 50 साल की उम्र पूरी करके नौकरी छोड़ देता है तो वह भी घटी दर पर पेंशन लेने का हकदार हो जाता है। बशर्ते सदस्यता की अवधि कम से कम 10 वर्ष हो।

ईपीएस स्कीम की खासियत

- न्यूनतम सेवा अवधिः 10 साल
- पेंशन शुरू होने की उम्रः 58 साल
- न्यूनतम मासिक पेंशनः 1,000
- अधिकतम मासिक पेंशनः 7,500
- साल 2014 से केंद्र सरकार ने ईपीएस-1995 के तहत न्यूनतम पेंशन 1,000 प्रति माह तय है। हालांकि, मांग की जा रही है कि पेंशन को 7,500 प्रति माह करें।

कैसे होती है पेंशन की गणना

पेंशन की गणना सदस्य की पेंशन योग्य सेवा यानी जितने वर्ष उसने पेंशन फंड में अंशदान किया है और रिटायरमेंट से पूर्व के 60 महीन के औसत वेतन पर प्रो रेटा आधार पर की जाती है। अगर आप जानना चाहते हैं कि आपको कितनी पेंशन मिलेगी तो सबसे पहले ईपीएफओ की आधिकारिक वेबसाइट **www.epfindia.gov.in** पर जाएं। स्क्रीन पर बायीं ओर नजर आ रहे ऑनलाइन सर्विसेंज सेक्शन में ईडीएलआई एंड पेंशन कैलकुलेटर विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद आप पेंशन कैलकुलेटर टैब को क्लिक कर कैलकुलेटर पर पहुंचे। इसमें आप अपना विवरण दर्ज करके अपनी पेंशन कैलकुलेट कर सकते हैं। अगर किसी ईपीएफओ सदस्य ने 10 साल की सेवा पूरी कर ली है, तो उसे 58 साल की उम्र पूरी करने पर कितनी पेंशन मिल सकती है।

कैलकुलेशन फॉर्मूला

- मासिक पेंशन = (पेंशन योग्य वेतन × पेंशन योग्य सेवा) / 70
- **पेंशन योग्य वेतनः** आखिरी 60 महीनों का औसत वेतन (अधिकतम 15,000 रुपये)
- **पेंशन योग्य सेवाः** ईपीएस में योगदान किए गए कुल सेवा वर्ष
- उदाहरण के लिए, अगर किसी कर्मचारी का पेंशन योग्य वेतन 15,000 रुपये है और उसने 10 साल की सेवा की है, तो उसकी मासिक पेंशन इस प्रकार होगी।
- मासिक पेंशन =(15,000×10)/70 = 2,143 रुपये

(यह उदाहरण दिखाता है कि 10 साल की न्यूनतम सेवा अवधि के बावजूद, कर्मचारी को पेंशन मिल सकती है, हालांकि अगर सेवा की अवधि ज्यादा होगी, तो मासिक पेंशन भी अधिक होगी)

ईपीएस में पेंशन

आमतौर पर 58 साल की उम्र पूरी करने पर ईपीएफओ सदस्यों को पेंशन दी जाती है। किन्तु अगर कोई सदस्य 50 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद और 58 साल पूर्ण करने से पहले रिटायर हो जाता है तो वह घटी दरों पर पेंशन ले सकता है। सदस्य की आयु 58 साल में जितने वर्ष कम होगी उसके अनुसार में पेंशन में 4 फीसदी प्रतिवर्ष की दर से कमी कर उसे पेंशन दी जाएगी।

- **सुपरएन्युऐशन पेंशन** : जब कोई सदस्य 58 साल की उम्र में पहुंचता है, तो उसे यह पेंशन मिलती है।
- **अर्ली पेंशन** : 50 से 58 साल के बीच पेंशन ली जा सकती है, लेकिन इसमें कुछ कटौती की जाती है।
- **विधवा पेंशन** : यह पेंशन उस सदस्य के पत्नी या पति को मिलती है, जिनका निधन हो चुका हो।
- **बच्चों की पेंशन** : यह पेंशन उस सदस्य के बच्चों को मिलती है, जिनका निधन हो चुका हो।
- **यतीम पेंशन** : यह पेंशन तब मिलती है जब दोनों माता-पिता का निधन हो जाए और बच्चे अनाथ हो जाएं।
- विकलांगता पेंशन : अगर किसी कर्मचारी को स्थायी विकलांगता हो जाती है, तो उसे यह पेंशन मिलती है।
- ध्यान देने वाली बात है कि यदि किसी सदस्य की पेंशन योग्य सेवा 20 वर्ष या उससे अधिक है तो उसे 2 वर्ष का बोनस भी दिया जाता है।
- यदि कोई सदस्य चाहे तो वह 58 वर्ष के बाद 60 वर्ष की आयु तक स्थगित कर सकता है।

रोजाना 50 रुपये की बचत भी आपको बना देगी करोड़पति

यह फॉर्मूला जानकर जल्द शुरू कर दें निवेश
महीने में 1500 रुपये बचाएं और एसआईपी में निवेश करे
हर स्कीम का रिटर्न लगभग अलग-अलग ही होता है
-कंपाउंड इंटरेस्ट की करोड़पति बनाने में अहम भूमिका

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आजकल हर कोई करोड़पति बनना चाहता है। इसके लिए लगातार प्रयास भी किए जाते हैंए लेकिन कुछ नियमों को मानकर संयम के साथ निवेश किया जाए तो आसानी से बड़ा फंड बनाया जा सकता है। कई लोग कई स्कीम में निवेश करते हैं। हालांकि काफी प्रयास के बाद भी छोटी रकम निवेश करके बड़ा फंड नहीं बना पाते। और बनाते भी हैं तो बहुत लंबा समय लग जाता है। अगर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो आप 50 रुपये रोजाना की बचत से दूसरी स्कीम के मुकाबले कम समय में करोड़पति बन सकते हैं। इसलिए आपको नियम और संयम के साथ रोजना 50 रुपये यानी महीने में करीब 1500 रुपये बचाने होंगे और निवेश करना होगा।

एसआईपी में निवेश काफी बढ़ रहा

निवेश के लिए काफी लोग तरह-तरह के विकल्पों का इस्तेमाल करते हैं। कोई एफडी में निवेश करता है तो कोई दूसरी किसी स्कीम में। हर स्कीम का रिटर्न लगभग अलग-अलग ही होता है। एक तरीका ऐसा भी है जिसमें आप 50 रुपये की बचत से करोड़पति बन सकते हैं। यह तरीका कोई और नहीं बल्कि एसआईपी है। आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करके मोटी रकम इकट्ठी कर सकते हैं। एसआईपी में निवेश लगातार बढ़ रहा है।

एसआईपी बना रहा रिकॉर्ड

सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) लगातार नए रेकॉर्ड बना रहा है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स (एएमएफआई) के डेटा के मुताबिक दिसंबर 2024 में म्यूचुअल फंड्स में एसआईपी इंफ्लो पहली बार 26459 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। नवंबर में यह 25320 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश दिसंबर में 41155 करोड़ रुपये रहा। इसमें महीने दर महीने 15 फीसदी का उछाल आया है।

लॉन्ग टर्म में फायदा ही फायदा

ऐसे कई म्यूचुअल फंड हैं जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। जानकार म्यूचुअल फंड में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश की सलाह देते हैं। अगर आप इसमें निवेश करके बड़ा फंड इकट्ठा करना चाहते हैं तो कम से कम 3 या 5 साल के लिए निवेश करें। लॉन्ग टर्म में निवेश पर इसमें अच्छे रिटर्न की गारंटी मानी जाती है। कई म्यूचुअल फंड ने लॉन्ग टर्म में निवेश पर सालाना 15 से 20 फीसदी तक रिटर्न दिया है।

एसआईपी में ही निवेश क्यों

दरअसल काफी लोगों के पास निवेश करने के लिए एकमुश्त रकम नहीं होती। ऐसे में म्यूचुअल फंड में हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश की जा सकती है। आप इसमें रकम ऑनलाइन भी निवेश कर सकते हैं। अभी ऐसी कई स्कीम हें जिनमें 500 रुपये महीने से एसआईपी शुरू की जा सकती है। सेबी अब 250 रुपये की एसआईपी लाने पर विचार कर रही है।

क्या है करोड़पति बनने का फॉर्मूला

म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर इसमें कंपाउंड इंटरेस्ट (चक्रवृद्धि ब्याज) जुड़ता जाता है। इसी वजह से छोटी दिखने वाली रकम समय के साथ-साथ बड़ी होती जाती है। एक आप 50 रुपये रोज बचाते हैं तो महीने में 1500 रुपये जमा कर लेंगे। इन 1500 रुपये को हर महीने एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते जाएं। आपको ऐसा 30 साल तक करना होगा।

चक्रवृद्धि ब्याज का जादू देखें

30 साल में 1500 रुपये महीने से आप 5.40 लाख रुपये इकट्ठे कर लेंगे। अगर मान लें कि आपको इस निवेश पर सालाना 15 फीसदी का ब्याज मिला, तो 30 साल में ब्याज के 99.74 लाख रुपये इकट्ठे हो जाएंगे। ऐसे में आप 30 साल में 1500 रुपये महीने के निवेश से एक करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड इकट्ठा कर लेंगे।

(डिस्क्लेमरः इस विश्लेषण में दिए गए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं। हम निवेशकों को सलाह देते हैं कि किसी भी निवेश का निर्णय लेने से पहले प्रमाणित विशेषज्ञों से परामर्श कर लें। क्योंकि शेयर बाजार की परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं।)

आलोचना करने से पहले बीमा उद्योग की वास्तविकताओं को समझना जरूरी

सुझाव
तपन सिंघल

लाखों करोड़ों लोगों और उनके व्यवसायों को सुरक्षा प्रदान करने वाले बीमा उद्योग को अक्सर ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जो इसकी कोशिशों पर प्रश्नचिह्न लगाती रहती हैं। हाल के कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने फिर से आलोचनाओं का दौर शुरू कर दिया है। यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है कि क्या सनसनीखेज मुद्दों के बीच तर्क कहीं पीछे छूट जाता है? इन रिपोर्ट्स के बारे में बहुत कुछ कहा गया है, लेकिन अब समय आ गया है कि हम इस मुद्दे पर गहराई से विचार करें और वास्तविकता को समझें।

अनदेखी अच्छाई

आईआरडीएआई की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल सामान्य बीमा उद्योग ने 1.72 लाख करोड़ रुपये दावों का निपटारा किया। इसमें से इसने स्वास्थ्य बीमा के लिए 80,000 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया। इसके बावजूद जो लोग लाभान्वित होते हैं, वे शायद ही कभी खबरों में आते हैं। जबकि छिटपुट शिकायतें और अजीबोगरीब बुरे अनुभव पूरे उद्योग का चेहरा बन जाते हैं। इसके अलावा, बीमा उद्योग में दावा निपटान अनुपात 80% से अधिक है। 20% दावे धोखाधड़ी या अस्वीकार्यता के कारण खारिज किए जाते हैं।

सुरक्षा की कीमत

मान लीजिए कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है और हम बीमा उद्योग को बंद करने का निर्णय लेते हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इसके बिना क्या होगा? कुछ लोग तर्क देते हैं कि कोई व्यक्ति चाहे तो चिकित्सा खर्च के लिए अलग से बचत करके खुद बीमा कर सकते हैं। हालाँकि, इस पर विचार करें कि : नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आउट-ऑफ-पॉकेट स्वास्थ्य खर्च वर्तमान में 60% है। बीमा के बिना, यह आंकड़ा 100% तक बढ़ जाएगा, जिससे परिवार पूरी तरह से आसमान छूती चिकित्सा की कीमतों पर निर्भर हो जाएंगे। जिन परिवारों के पास पर्याप्त बचत नहीं है, उनके लिए चिकित्सा बिल उन्हें गरीबी रेखा से नीचे धकेल देंगे। वर्तमान में, भारत की लगभग 7% आबादी स्वास्थ्य सेवा लागतों के कारण हर साल इस कड़वी वास्तविकता का सामना करती है।

दुर्घटना सुरक्षा

बीमा के सहारे चलने वाली दुर्घटना सुरक्षा की बदौलत फल-फूल रहा मोटर उद्योग लड़खड़ा जाएगा, क्योंकि लगभग 55 हजार करोड़ रुपये के क्लेम का भुगतान नहीं हो पाएगा। मोटर इंडस्ट्री आंशिक रूप से बीमा के सहारे मिलने वाली दुर्घटना सुरक्षा के कारण फलता-फूलता है। बीमा के बिना दुर्घटनाओं का वित्तीय बोझ पूरी तरह से वाहन मालिकों पर पड़ेगा, जिससे आर्थिक अस्थिरता बढ़ेगी और वाहनों की बिक्री में कमी आएगी। बीमा कंपनियां मोटर के थर्ड पार्टी क्लेम को कवर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो हमारे देश में अनिवार्य आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

30 नवंबर, 2024 तक आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएमजेवाई) के तहत लगभग 36 करोड़ लाभार्थियों का सत्यापन किया गया है। इसके अलावा, इस योजना के तहत 1.16 लाख करोड़ रुपये के 8.39 करोड़ अस्पताल में भर्ती होने की अनुमति दी गई है। सरकार की यह योजना लगभग 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करती है, जो भारत की आबादी के आर्थिक रूप से कमजोर निचले 40 प्रतिशत 12.37 करोड़ परिवारों के बराबर है। बीमा उद्योग के सपोर्ट के बिना, यह योजना बीमा या हाइब्रिड मॉडल अपनाने वाले राज्यों में लागू या प्रभावी नहीं होगी। सरकार को यह सारा खर्च खुद वहन करना होगा। पीआईबी के अनुसार, 2023-24 के लिए स्वास्थ्य व्यय 5.85 लाख करोड़ रुपये है, जो जीडीपी का 1.9% है। यह 2017-18 में 2.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

प्राकृतिक आपदाएं

बाढ़, चक्रवात और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएँ राष्ट्रों पर कहर ढाती हैं, जिससे जान माल का भारी नुकसान होता है। बीमा एक महत्वपूर्ण रिकवरी तंत्र के रूप में कार्य करता है। बीमित व्यक्ति और वास्तविक नुकसान के बीच 90% से अधिक सुरक्षा का अंतर इस अंतर को पाटने की तत्काल आवश्यकता को दर्शाता करता है। खासकर तब जब चक्रवात, बाढ़ और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएं साल दर साल बढ़ती जा रही हैं। अकेले 2023 में, भारत में 17 प्राकृतिक आपदाएँ देखी गईं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

कृषि, जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, प्रकृति के आगे नतमस्तक रहती है। बीमा उद्योग की बदौलत, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी योजनाओं ने पिछले आठ वर्षों में 1.64 लाख करोड़ रुपये के दावों का वितरण किया है। इन भुगतानों ने किसानों को काफी वित्तीय राहत प्रदान कर संकट को कम किया है और साथ ही किसान आत्महत्याओं में कमी लाने में योगदान दिया है। सूखे, बाढ़ और बेमौसम बारिश से जुड़े जोखिमों को कम करके, बीमा यह सुनिश्चित करता है कि किसान देश की खाद्य सुरक्षा में योगदान देना जारी रख सकें।

कम शिकायत अनुपात वाला उद्योग

इन सब गलतफहमियों के बावजूद, बीमा उद्योग प्रभावशाली रूप से कम शिकायत अनुपात का दावा करता है, जो इसके मजबूत शिकायत समाधान सिस्टम को रेखांकित करता है। हाल के आंकड़ों की बात करें तो यह वित्त वर्ष 2023-24 में 2.96 अरब पॉलिसियों के सामने केवल 94,843 शिकायतों के साथ, बीमा उद्योग ने मात्र 0.003% शिकायत अनुपात हासिल किया। यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसकी बराबरी बहुत कम उद्योग कर सकते हैं।

धोखाधड़ी से लड़ना

एक अनसुनी लड़ाईः बीमा में धोखाधड़ी के क्लेम से उद्योग को सालाना अरबों का नुकसान होता है, लेकिन कोई भी इसके बारे में ज्यादा नहीं बोलता। पिछले पाँच वर्षों में, बीमा उद्योग ने लगभग 3.01 लाख संभावित धोखाधड़ी के मामलों का पता लगाया, जिसमें 1.73 लाख करोड़ रुपये की बीमित राशि शामिल थी। शोध के अनुसार, भारतीय सामान्य बीमा उद्योग को धोखाधड़ी के कारण सालाना लगभग 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है, जो लगभग 30,000 करोड़ रुपये के बराबर है। फिर भी, लोग केवल क्लेम के खारिज होने की बात करते हैं और इसके मूल कारणों को अनदेखा कर देते हैं।

प्रॉफिट को लेकर मिथक

आम धारणा है कि बीमा कंपनियां बहुत ज़्यादा लाभ कमा रही हैं और ये केवल लाभ कमाने के लिए ही बाजार में मौजूद हैं। सबसे पहले, क्या बीमा कंपनियों के लिए प्रॉफिट इतनी बुरी चीज़ है? लाभ सुनिश्चित करता है कि बीमा कंपनियां भविष्य के फाइल की जा सकने वाली क्लेम का सम्मान कर सकें।

(लेखक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस में जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के चेयरमैन, एमडी एवं सीईओ हैं।)

एक फरवरी को आम बजट पेश होना है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था की सुस्त रफ्तार को देखते हुए अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश होने वाले बजट से उम्मीदें बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद बजट को लेकर अर्थशास्त्रियों के विचार जाने हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्टेक होल्डरों के साथ वार्ता की है। सबके मन में बजट को लेकर उत्सुकता है। हर क्षेत्र के लिए सरकार कितना हाथ खोलेगी, सभी वर्गों के लिए पिटारे में क्या होगा, कर मुक्त आय की सीमा बढ़ेगी या नहीं, नियो मिडिल क्लास के लिए क्या होगा, आदि प्रश्न हैं। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया व विकसित भारत लक्ष्य के लिहाज से मोदी 3.0 सरकार के लिए अगले चार वर्ष चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। युद्ध, हिंसक संघर्ष, राजनीतिक अस्थिरता, भूराजनीतिक तनाव व आतंकवाद से ग्रसित वैश्विक परिदृश्य में भारत के लिए अपने ग्रोथ मामेंटम को पाना और फिर उस स्तर को बनाए रखना आसान नहीं होगा। केवल घरेलू खपत के भरोसे आर्थिक विकास को पंख नहीं लगाए जा सकते हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और उच्च खाद्य महंगाई दर से भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर हुई है। कड़े आर्थिक सुधार व राजकोषीय अनुशासन के बिना अर्थव्यवस्था को गति देना कठिन है। बजट को लेकर चुनौतियां और अवसर का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

कड़े आर्थिक सुधार का एक्शन प्लान हो

बजट 2025

शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

उद्योग मंडलों, वित्तीय संस्थानों और निर्यात संगठनों ने अपने-अपने सुझाव व उम्मीदें सरकार के सामने रखी हैं। सबकी आकांक्षा यही है कि सरकार आम बजट में उनकी उम्मीदें पूरी करेगी। वर्ष 2024 में आम चुनाव होने के कारण फरवरी में अंतरिम बजट व जुलाई में पूर्ण बजट पेश हुए, इसमें चुनावी गणित अधिक दिखे और अंतरिम बजट की ही छाप पूर्ण बजट में दिखी। कोई बड़ा आर्थिक सुधार का रोडमैप नहीं दिखा। लचर बजट का नतीजा दिखा कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही की विकास दर 5.4 फीसदी रही। इस बजट में समग्र आर्थिकी (समावेशी अर्थव्यवस्था, इकोनॉमिक डेमोक्रेसी, सोशल इकोनॉमी, गरीबी उन्मूलन व नवाचार) पर टाइम बॉन्ड एक्शन प्लान पर ध्यान देना होगा।

आम बजट को दो सप्ताह बचे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अर्थशास्त्रियों के साथ बजट को लेकर चर्चा की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी स्टेक होल्डरों के साथ बैठक की और उनके विचार जाने। उद्योग मंडलों, वित्तीय संस्थानों और निर्यात संगठनों ने अपने-अपने सुझाव व उम्मीदें सरकार के सामने रखी हैं। सबकी आकांक्षा यही है कि सरकार आम बजट में उनकी उम्मीदें पूरी करेगी। इस बार का बजट कैसा होगा, इसको लेकर विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री अपना अनुमान जता रहे हैं। वर्ष 2024 में आम चुनाव होने के कारण फरवरी में अंतरिम बजट व जुलाई में पूर्ण बजट पेश हुए, इसमें चुनावी गणित अधिक दिखे और अंतरिम बजट की ही छाप पूर्ण बजट में दिखी। कोई बड़ा आर्थिक सुधार का रोडमैप नहीं दिखा। लचर बजट का नतीजा दिखा कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही की विकास दर में गिरवट दर्ज हुई। यह दर 5.4 फीसदी रही। शुरू के दो तिमाही में उत्साहजनक नतीजे के बाद विभिन्न वित्तीय एजेंसियों ने जीडीपी के सात फीसदी रहने का अनुमान जताया, लेकिन तीसरी तिमाही के नतीजे के बाद सबने अनुमान घटा दिया है। अब 6 से 6.5 फीसदी का अनुमान है। फिक्की ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7 फीसदी से घटाकर 6.4 प्रतिशत किया है।

चालू वित्त वर्ष में हर मोर्चे पर चुनौतियां

रिजर्व बैंक, एसबीआई, मूडीज, एसएंडपी, नोमुरा, संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक, आईएमएफ आदि सबने भारत के जीडीपी अनुमान को घटा दिया है। चालू वित्त वर्ष में खाद्य महंगाई के उच्च स्तर पर बने रहने के चलते रिजर्व बैंक रेपो रेट में कटौती की हिम्मत नहीं जुटा सका, जबकि उद्योग जगत का दबाव बना हुआ था, कटौती की दरकार भी थी। हालांकि महंगाई के पीछे आपूर्ति तंत्र और जमाखोरी व कालाबाजारी अधिक जिम्मेदार कारक हैं, मौद्रिक नीति नहीं। इसके बाद भी रेपो रेट में कटौती को लेकर रिर्जव बैंक डरता रहा। निर्यात के मोर्चे पर भी धक्का ही लगा। व्यापार घाटा बेतहाशा बढ़ा, सवा सौ अरब डॉलर को पार कर गया। सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले कृषि क्षेत्र की विकास दर भी दो फीसदी से कम ही रही, जबकि पांच फीसदी की विकास दर रहेगी, तभी भारत डबल डिजिट जीडीपी ग्रोथ का लक्ष्य हासिल कर सकेगा। सरकार का सार्वजनिक खर्च भी लक्ष्य के अनुरूप नहीं रहा। मनरेगा को लेकर शिकायतें आती रहीं। सरकार न ही विनिवेश का लक्ष्य हासिल कर सकी है और न ही राजस्व घाटे को लक्ष्य के अनुरूप रख सकी है। मूडीज ने कहा है कि भारत की राजकोषीय स्थितियां 2025 में भी इसकी साख क्षमता को बाधित करती रहेंगी। यह सरकार के लिए संकेत है। निजी निवेश में भी बढ़ोत्तरी नहीं देखी गई, बहुत सी भारतीय कंपनियों ने विदेश में निवेश की ओर रुख किया। रणनीतिक एफडीआई आकर्षित करने में भारत जरूर सफल हुआ, पर

अभी इसका धरातल पर आना बाकी है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आंकड़े भी उत्साहजनक नहीं रहे, जिससे औद्योगिक क्षेत्र की कमजोरी का पता चलता है। बेरोजगारी दर नौ फीसदी के आसपास रहना सरकार के लिए चिंता की बात है। जमीन पर बेरोजगारी अधिक है।

अब सरकार के परफॉर्म का समय

पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में राजग की तीसरी बार सरकार बनने के बाद अब परफॉर्म का समय है। इस पारी में मोदी सरकार के पास अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए केवल चार वर्ष हैं। आत्मनिर्भर भारत से लेकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य काफी चुनौतीपूर्ण है। इसके लिए उद्योग, कृषि, सेवा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और गरीब कल्याण क्षेत्र में बड़े निवेश की जरूरत है, नए आर्थिक सुधार की जरूरत है और इन सब के लिए प्रभावी बजट आवश्यक है।

योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित हो

वर्ष 2014 से मोदी सरकार की दिक्कत रही है कि बजट दर बजट उसने बड़ी-बड़ी घोषणाओं पर अधिक ध्यान दिया है, जबकि उसके क्रियान्वयन को सुनिश्चित नहीं किया है। बजटीय लक्ष्य भी वित्त वर्ष के लिए कम और दीर्घकालिक अधिक रखा है, जिससे बजट के अनुरूप जमीनी धरातल पर काम कम हुए है। अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ने के बावजूद उत्पादकता में कमी आई है। कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र के विकास की दर कम उत्पादकता की गवाही दे रही है। पूंजीगत तरलता बढ़ाने पर ध्यान नहीं दिया गया है, जिसके चलते महंगाई की उच्च दर हमेशा सरकार के लिए चुनौती बनी रही है। केवल रिजर्व बैंक के मौद्रिक उपायों से महंगाई को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। केवल आंकड़ों की जादूगरी से और सरकारी निर्णयों के केंद्रीयकरण से भारत जैसे विशाल देश की न तो अर्थव्यवस्था को गति दी जा सकती है और न ही विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। आंकड़ों का विरोधाभास ही है कि एक तरफ 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल गए हैं, दूसरी तरफ सरकार 81.4 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पांच किलो अनाज प्रतिमाह मुफ्त में दे रही है। सरकार के प्रमुख पदों पर आसीन लोगों के अक्सर चुनावी मोड में रहने से भी देश का कामकाज प्रभावित होता रहा है।

समग्र आर्थिकी का एक्शन प्लान हो

आज अगर सरकार स्किल इंडिया, मनरेगा, पांच किलो अनाज स्कीम, आयुष्मान भारत, स्वच्छ इंडिया, स्मार्ट सिटी आदि अपनी सभी योजनाओं का सोशल ऑडिट करा ले तो योजनाओं के प्रभाव के सच का पता चल जाएगा। निश्चित रूप से सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर डिजिटल इंडिया के क्षेत्र में शानदार काम किया है, लेकिन समग्र आर्थिक विकास के लिए ये काफी नहीं हैं। बुलंद, आत्मनिर्भर, विकसित और शक्तिशाली भारत के निर्माण के लिए समग्र आर्थिकी (समावेशी अर्थव्यवस्था, इकोनॉमिक डेमोक्रेसी, सोशल इकोनॉमी, गरीबी उन्मूलन व नवाचार) पर टाइम बॉन्ड एक्शन प्लान पर ध्यान देना होगा। इसके लिए बजट बड़ा अवसर है। केवल चुनाव जीतने के लिए आर्थिक फैसले न हों। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 6.8 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उद्योग मंडल ने कहा कि 2026 तक भारत जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। यह संभव है, पर बजट के सटीक क्रियान्वयन से। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में वैश्विक आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। वैश्विक अर्थव्यवस्था का किसी न किसी रूप में भारत पर भी असर पड़ता ही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जीवा ने कहा है कि स्थिर वैश्विक वृद्धि के बावजूद 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 'थोड़ा कमजोर' रहने की आशंका है। डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर प्रदर्शन लगातार चिंता का सबब बना हुआ है। इसलिए भी बजट से अधिक उम्मीदें हैं आर्थिक सुधार के अगले चरण की दिशा में आगे बढ़ने की।

करमुक्त आय सीमा बढ़ानी जरूरी

पीएचडीसीसीआई ने आयकर की अधिकतम दर के लिए आय सीमा को 15 लाख रुपये से बढ़ाकर 40 लाख रुपये किए जाने का सुझाव दिया है। आज 15 लाख रुपये एक मध्यम आय है और हम इस पर उच्चतम कर दर लगा रहे हैं। यदि हम उपभोग अर्थव्यवस्था हैं तो उच्चतम दर भी 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। पीएचडीसीसीआई ने स्वामित्व या साझेदारी और एलएलपी के तहत संचालित संस्थाओं पर कर की दर को भी 33 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत पर लाने की मांग रखी है। पीएचडीसीसीआई का कहना है कि आयकर छूट सीमा को भी बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाना चाहिए। आयकर सीमा को लेकर पिछले बजटों में नौकरीपेशा निराश होते रहे हैं। 12 लाख रुपये तक की सालाना आय कर मुक्त होनी चाहिए, इससे अर्थव्यवस्था को अप्रत्यक्ष कर संग्रह के रूप में अधिक फायदा होगा। बिजनेस में भी सालाना एक करोड़ रुपये तक के टर्नओवर पर किसी प्रकार के टैक्स का झंझट नहीं होना चाहिए। मध्यवर्ग के हाथ में पैसा जरूरी है।

अप्रत्यक्ष करों में भी रियायत हो

जीएसटी से छोटे व मझौले उद्योग व कारोबार को बहुत परेशानी हुई है। बजट में इसके दर को सरल करने पर ध्यान देने की जरूरत है। अर्थव्यवस्था को गति देने और खपत बढ़ाने के लिए चाहे वह प्रत्यक्ष कर हो या फिर अप्रत्यक्ष कर, करों में कटौती पर गौर करना चाहिए। अप्रत्यक्ष कर (जीएसटी) में कटौती ज्यादा जरूरी है क्योंकि इसका प्रभाव सभी पर पड़ेगा। ऊर्जा बदलाव और जलवायु परिवर्तन से प्रभावित कृषि और तटीय गतिविधियों जैसे क्षेत्रों लिए एक नई सब्सिडी व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसपर बजट में ध्यान दिया जाना चाहिए। वाणिज्य मंत्रालय चाहता है कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बजट में निर्यात से पहले और बाद रुपया निर्यात ऋण पर ब्याज समानीकरण योजना को पांच साल के लिए बढ़ा दिया जाना चाहिए। बजट में इसकी उम्मीद है। इस बार कड़े बजट होने चाहिए, आर्थिक सुधार के नए चरण की शुरुआत होनी चाहिए। सार्वजनिक खर्च को बढ़ाने, निजी निवेश को बढ़ावा देने, एफडीआई लाने, विनिवेश को बढ़ाने के साथ उद्योग जगत पर अधिक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

गरीबी उन्मूलन के लिए चीनी मॉडल अपनाएं

सोशल स्कीमों का ऑडिट होना चाहिए, बीपीएल की नई गणना हो, आश्रित बनाने वाली सैकड़ों योजनाओं को मर्ज कर रोजगार सृजन योजना पर ध्यान देना चाहिए। गरीबों को समर्थ-सक्षम बनाने की जरूरत है। लक्षित अवधि में गरीबी उन्मूलन के लिए चीनी मॉडल अपनाना चाहिए। चीन ने अपने नागरिकों को सक्षम व समर्थ बनाने पर ध्यान दिया और न्यूनतम आय सीमा से नीचे कमाई करने वालों को अंतर के रूप में डीबीटी दिया। सब्सिडी को तर्कसंगत बनाने की जरूरत है। मनरेगा को मजबूत कर व्यापक बनाया जाना चाहिए, महिलाओं के लिए रोजगार से लिंक्ड नकद अंतरण (डीबीटी) व ब्याजमुक्त कर्ज योजना लागू होनी चाहिए। अर्थशास्त्रियों ने भी राय जताई है कि सरकार बजट में महिलाओं की सहायता के लिए नकद अंतरण की केंद्रीय योजना ला सकती है। कड़े आर्थिक सुधार के साथ समावेशी विकास को गति देने वाला, उद्योग-व्यापार बढ़ाने वाला, निर्यात पर फोकस, न्यूटेक-नवाचार व ग्रीन टेक को बूस्ट करने वाला और रेवड़ी मुक्त राजकोषीय अनुशासन वाला बजट होना चाहिए। उम्मीद भी है और सरकार के लिए अवसर भी है।

अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनाए रखना जरूरी

बजट चुनौतियां

नितिन प्रधान
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

पहली फरवरी को जब केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण अपना आठवां बजट पेश करने के लिए लोकसभा में खड़ी होंगी, पूरे देश की निगाहें उन पर होंगी। अर्थव्यवस्था के समक्ष बन रही चुनौतियों को देखते हुए उद्योग जगत से लेकर मध्य वर्ग, सबके मन में एक ही सवाल होगा क्या ये बजट अर्थव्यवस्था की सुस्त पड़ती रफ्तार को गति देने में सफल हो पाएगा? क्या बजट में वित्त मंत्री ने उन सभी दिक्कतों का निदान तलाशा है जिनसे देश की अर्थव्यवस्था इस वक्त जूझ रही है? वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति भी बहुत मददगार नहीं है। अमेरिका में महंगाई दर बढ़ रही है। यूरोपीय देशों के बाजार भी बहुत अच्छी स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में केवल घरेलू बाजार से ही उम्मीदें की जा सकती हैं। अर्थव्यवस्था की रफ्तार को लेकर रिजर्व बैंक और तमाम अंतरराष्ट्रीय वित्तीय एजेंसियों के जो अनुमान अब तक सामने आए हैं उनसे स्पष्ट है कि वित्त वर्ष 2024-25 में देश की आर्थिक विकास दर साढ़े छह फीसदी से ऊपर नहीं जाने वाली। यह भी मुमकिन है कि ये छह-सवा छह फीसदी पर ही रुक जाए। उस पर विश्व बैंक का अगले दो वर्ष का हालिया अनुमान और डरा रहा है। विश्व बैंक का मानना है कि अगले दो वित्त वर्ष भी भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार सात फीसदी तक नहीं पहुंच पाएगी। ऐसे में पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य तक पहुंचने की रफ्तार भी धीमी हो सकती है। भारत ने एक और बड़ा लक्ष्य वर्ष 2047 में विकसित राष्ट्र बनना तय किया है। अगर अर्थव्यवस्था इस रफ्तार से बढ़ेगी तब इस लक्ष्य को पाने में भी चुनौती आएगी।

उपभोक्ता खपत में आई कमी

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही की आर्थिक विकास दर के आंकड़ों ने स्पष्ट कर दिया है कि सब कुछ ठीक नहीं है। सरकार की तरफ से पूंजीगत खर्च में और घरेलू बाजार में उपभोक्ता खपत में आई कमी ने अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। कारखानों में उत्पादन बढ़ने की गति स्थिर है। बीते दस वर्षों में मेक इन इंडिया जैसे अभियानों के बावजूद देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग का योगदान 15-17 फीसद पर ही घूम रहा है। इसे 25 फीसद तक ले जाने का लक्ष्य था। आमदनी नहीं बढ़ने से शहरों में खपत कम हो गई है। विदेशी बाजारों में मांग कम होने और कई मामलो में भारतीय निर्यात गैर-प्रतिस्पर्धी होने से निर्यात बढ़ने की रफ्तार बेहद धीमी पड़ गई है। शहरों से अधिक गांवों में खपत तेज हो रही है। वित्त मंत्री को अपने बजट में इन सब दिक्कतों के उपाय तलाशने होंगे। वित्त मंत्री के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती घरेलू खपत को बढ़ाने की होगी। इसके बढ़ने के लिए जरूरी है कि मध्य वर्ग की जेब में ज्यादा पैसे हों।

आमदनी बढ़ने के करने होंगे उपाय

महंगाई के पांच फीसदी की दर से ऊपर बने रहने के कारण लोगों के घर का बजट बिगड़ा है। शहरी मध्य वर्ग ने अपनी जरूरतों में कमी की है। अर्थव्यवस्था का सीधा-सादा सिद्धांत है कि जब तक खपत नहीं बढ़ेगी, मांग नहीं बढ़ेगी और मांग नहीं होगी तो उत्पादन नहीं होगा और कारखानों की रफ्तार धीमी रहेगी। इसलिए बजट में ऐसे

उपाय करने होंगे जिससे लोगों की जेब में ज्यादा पैसा आए। आमदनी बढ़े या फिर मौजूदा आमदनी में ही अधिक खर्च करने के अवसर उपलब्ध हों। बढ़ती महंगाई को कैसे नियंत्रित किया जाए यह सीधे-सीधे वित्त मंत्री के बजट का मसला नहीं है। रिजर्व बैंक और पूरे सरकारी सिस्टम को इसमें जुटना होगा ताकि आपूर्ति का प्रवाह बना रहे और दाम कम हों। वित्त मंत्री के हाथ में एक उपाय है और वह है आयकर की दरों में कमी या छूट के दायरे का विस्तार। हालांकि सरकार पिछले वर्ष ही चुनावों से निकली है इसलिए वित्त मंत्री पर किसी तरह का कोई राजनीतिक दबाव नहीं है लोगों को लुभाने का। इसलिए वह छूट के दायरे को बढ़ाने के विकल्पों पर जा सकती हैं। उद्योगों को प्रोत्साहन मिलना भी जरूरी है। अब यह स्पष्ट हो गया है कि प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को छोड़कर बाकी में बहुत कम असर डाल पाई है। इसलिए लेकिन इसमें भी केवल फिलहाल आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल को ही सर्वाधिक लाभ मिलता दिख रहा है। एपल द्वारा सृजित कुछ हजार रोजगार काफी नहीं हैं, क्योंकि जब तक मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में कंपोनेंट इंडस्ट्री भारत में विकसित नहीं हो जाती, मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग में पीएलआई के फायदे सामने नहीं आएंगे। उम्मीद की जा रही है वित्त मंत्री बजट में पीएलआई स्कीम की समीक्षा करेंगी और कुछ नए प्रस्ताव सामने रखेंगी। वित्त मंत्री को कारखानों की रफ्तार बढ़ाने के लिए लघु और मझौले उद्योगों पर खासा ध्यान देना होगा। पहले नोटबंदी, फिर जीएसटी और उसके बाद कोविड की मार से इस क्षेत्र की कमर बुरी तरह टूट चुकी है। निर्यात में भी इस क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसलिए जरूरी है इस उद्योग को प्रोत्साहन मिले। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद लघु और अति लघु इकाइयों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पा रही है। अभी भी कार्यशील पूंजी और विस्तार के लिए इन इकाइयों को बैंकों से पूरा समर्थन नहीं मिल रहा। वित्त मंत्री को बजट में इसके लिए कुछ ठोस उपाय करने होंगे। जैसा कि अर्थशास्त्री मान रहे हैं कि चालू वित्त वर्ष अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी होने के पीछे सरकार के पूंजीगत खर्चों में कमी मुख्य वजह है। खर्च में कमी सरकार के राजकोषीय प्रबंधन में साफ दिख रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक सरकार का राजकोषीय घाटा बजट के 54 फीसद के स्तर पर है। यानी वित्त वर्ष की शेष अवधि में भी सरकार खर्च के बजट लक्ष्य को शायद ही पूरा कर पाएगी। इससे सरकार को अपने राजकोषीय घाटे को 4.9 फीसदी के लक्षित स्तर अथवा उससे नीचे रखने में सफलता मिल जाएगी। लेकिन अर्थव्यवस्था की रफ्तार को तेज रखने के लिए यह जरूरी है कि सरकार बजट में अपने पूंजीगत व्यय के लिए न केवल पर्याप्त इंतजाम करे बल्कि उन्हें खर्च भी करे। इससे अर्थव्यवस्था में हलचल बनी रहेगी और निजी क्षेत्र को भी नई परियोजनाएं लाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

आयात कम करने पर हो जोर

वित्त मंत्री के समक्ष इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती डॉलर के मुकाबले रुपये के ऐतिहासिक तौर पर कमजोर होने से है। डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है। दुनिया की अन्य मुद्राओं के समान रुपये की कीमत तेज गति से घट रही है। इसका असर हमारे आयात बिल पर हो रहा है। इधर हमारे निर्यात और आयात का अंतर भी बढ़ रहा है जिससे चालू खाते का घाटा बढ़ता है। चीन और अमेरिका सहित कई देशों से हम निर्यात के मुकाबले आयात अधिक करते हैं। हालांकि जीएसटी और प्रत्यक्ष कर राजस्व के मोर्चे पर राहत है। लेकिन बढ़ता आयात रोकने के लिए बजट में अतिरिक्त उपाय करने होंगे तभी विकास कार्यों के लिए वह अधिक राशि मुहैया करा पाएंगी और देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार को और नीचे जाने से रोका जा सकेगा।

कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर हो फोकस

बजट अपेक्षा

रवि शंकर
वरिष्ठ स्तंभकार

एक फरवरी 2025 को पेश होने वाले केंद्रीय बजट से किसानों को बड़ी उम्मीदें हैं। किसानों की नजरें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ऐलानों पर टिकी हैं और सरकार का भी फोकस खेत और गांव पर होगा क्योंकि देश की कुल आबादी और श्रम बल का करीब 70 फीसदी ग्रामीण इलाकों में रहता है। अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने के लिए उनकी क्रय शक्ति बढ़ाना जरूरी है। इस संदर्भ में जरूरी है कि सरकार कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति का आकलन करें। उम्मीद की जा रही है कि इस बार बजट में खेती-किसानी को लेकर सरकार कई बदलाव कर सकती है। किसानों की आय बढ़ोत्तरी, महंगाई और फसलों की अच्छी कीमत को लेकर कई अहम बदलाव कर सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि क्षेत्र जलवायु बदलावों के चलते मुश्किल से गुजर रहा है। जबकि कृषि हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये देश की कुल अर्थव्यवस्था का लगभग 15 फीसदी हिस्सा है और 1.4 अरब लोगों को भोजन मुहैया कराती है। लेकिन मौजूदा समय मेंकृषि विकास दर घटकर 1.4 फीसदी रह गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं।

सुविधाओं को और लचीला बनाएं

ऐसे में यह बजट इन मुश्किलों को दूर करने और कृषि क्षेत्र को बेहतर भविष्य की ओर ले जाने का एक अहम मौका है। सरकार को कृषि और ग्रामीण भारत को प्राथमिकता देनी चाहिए। किसानों के लिए सुविधाओं को और लचीला बनाने पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना चाहिए जो समाज के कमजोर वर्गों को प्रभावित करती है। कृषि क्षेत्र की सकारात्मक वृद्धि भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी, खासकर ऐसे समय में जब कई अन्य सेक्टरों में मंदी का सामना किया जा रहा है। ऐसे में यदि कृषि क्षेत्र बढ़ता है, तो यह न केवल किसानों की आय को बढ़ाएगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा। इसके साथ ही, भारतीय कृषि उत्पादों की मांग बढ़ने से निर्यात को भी बढ़ावा मिल सकता है, जिससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत होगा। पिछले कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र ने साबित किया है कि ये भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत स्तंभ है, खासकर प्राकृतिक आपदाओं और महामारी जैसी परिस्थितियों में। बहरहाल, भारत में कृषि निर्यात बढ़ाने की क्षमता मौजूद है। लेकिन भारतीय किसानों के सामने कई समस्याएं हैं। कृषि क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन, कच्चे माल की बढ़ती लागत, बंटी हुई जोत, कमजोर कृषि उपकरण, कम उत्पादकता और बेरोजगारी से निपटने के लिए तैयार करने की आवश्यकता है।जलवायु परिवर्तन के असर से निपटने की जरूरत है। एक अध्ययन बताता है कि जलवायु झटके मसलन सूखा, बाढ़, लू और शीत लहर आदि ने देश की कृषि उत्पादकता वृद्धि में 25 फीसदी तक की कमी लाई है।

योजनाओं में फंड बढ़ने की आस

बीते एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों में मेहनताने में

वृद्धि या तो कम रही है या फिर नकारात्मक। जबकि मनरेगा के तहत रोजगार की मांग अभी भी अधिक है। उम्मीद की जा रही है कि इस बार बजट में पीएम-किसान सम्मान निधि योजना, मनरेगा और पीएम-आवास योजना में फंड का आवंटन बढ़ सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में मांग और निजी निवेश बढ़ाने के लिए वहां मेहनताने में इजाफा जरूरी है। ग्रामीण इलाकों में बच्चों में कुपोषण आम है और इस पर ध्यान देना जरूरी है। गौर करने वाली बात ये है कि कृषि प्रधान देश भारत में आजादी के 77 साल बाद भी किसानों की समस्याएं दूर नहीं की जा सकी हैं। समाज के हर वर्ग की आय साल-दर-साल बढ़ रही है लेकिन किसान कर्ज के जंजाल से बाहर नहीं निकल पा रहा है। किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य अभी कई चुनौतियों के बीच संघर्ष कर रहा है। भारत के ज्यादतर किसान अब अपने बच्चों को खेती की जिम्मेदारी नहीं सौंपना चाहते हैं। भारतीय कृषि व्यवस्था में अपनी पूरी जिंदगी खपाने वाले किसान आज खेती को घाटे का सौदा बताते हैं। आखिर क्या कारण है कि तमाम प्रयासों के बावजूद कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान सरकार नहीं कर पाई है। इस पर गंभीर चिंतन की जरूरत है। जबकि आज भारत विश्व की टॉप पांच सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। लेकिन आजादी के बाद योजनाबद्ध तरीके से कृषि में निवेश के बाद भी भारतीय किसान दूसरे देशों के मुकाबले काफी पिछड़ा हुआ है। किसानों के असंतोष का सबसे बड़ा कारण उनकी उपज का सही मूल्य न मिलना रहा है और यही उनकी सबसे बड़ी समस्या है। किसानों की समस्याएं कोई नई नहीं हैं, लेकिन उनके समाधान की ईमानदार कोशिशें होती कभी नज़र नहीं आई। देखा ये गया है कि समय बीतने के साथ किसानों की हालत में कोई बहुत बड़ा क्रांतिकारी सुधार नहीं हुआ है। किसानों को संतुष्ट करने के लिए देश के नीति-निर्धारक समय-समय पर जो उपाय करते हैं, वे तात्कालिक राहत पहुंचाने वाले होते हैं। इन उपायों के तहत किसानों को लुभाने वाले कदम उठाए जाते हैं, जबकि ज़रूरत ऐसे संरचनात्मक उपायों की है जो दीर्घकालिक हों और किसानों की समस्या को स्थायी तौर पर हल कर सकें। जैसे- यूनिवर्सल बेसिक इनकम जैसी योजना चलाना। इससे हर महीने एक निश्चित आय हो सकेगी और किसान अपनी उपज को औने-पौने दामों पर बेचने को विवश नहीं होंगे। लेकिन वास्तविकता ये है कि बिजली-पानी, खाद, विपणन और जोखिमों का सामना करने की क्षमता आदि जैसी किसानों की सामान्य समस्याओं को ही दूर करने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं।

लागत के मुकाबले दाम कम

कृषि को अभी तक की सरकारें सिर्फ देश की आवाम का पेट भरने तक का ही संसाधन मानती आई हैं। कृषि के माध्यम से देश की जीडीपी बढ़ाने पर कभी गहन मंथन नहीं हुआ है। देश के अलग-अलग हिस्सों में किसानों की समस्याएं अलग हो सकती हैं, लेकिन कुछ समस्याएं हैं जो सब किसानों के साथ है। पिछले कई सालों से खेती करने की लागत जिस तेजी से बढ़ती जा रही है, उस अनुपात में किसानों को मिलने वाले फसलों के दाम बहुत ही कम बढ़े हैं।

किसानों को उम्मीद है कि इस बार बजट में सरकार खेती- किसानी के साथ-साथ छोटे किसानों के लिए कुछ अहम घोषणाएं करेगी। आखिर में कृषि क्षेत्र में दबाव कम करने और ग्रामीण मांग बढ़ाने की जरूरत है ताकि टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित हो सके और उत्पादक रोजगार तैयार हो सकें। साथ ही, बजट को गरीब समर्थक नीतियों और राजकोषीय घाटे के लक्ष्य के बीच संतुलन कायम करना होगा। उसे राजस्व बढ़ाने, कर रियायत कम करने और अनुत्पादक गतिविधियों में व्यय कम करने पर काम करना होगा ताकि उक्त लक्ष्य हासिल हो सके।

खबर संक्षेप

गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाने हुई बैठक

विजयराघवगढ़। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय पर्व को गरिमा के साथ मनाने अनुविभागीय अधिकारी महेश मंडलोई की अध्यक्षता में संयुक्त तहसील ग्राम सभा कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया जिसमेंतहसील क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों समस्त विभागों के अधिकारियों उपस्थिति में राष्ट्रीय पर्व को सौहार्द्यता के साथ मनाने निर्देशित किया गया। गणतंत्र दिवस पर्व पर नगर की साफ सफाई पेयजल व्यवस्था सुरक्षा व्यवस्था आदि पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष उदयराज सिंह चौहान मंडल अध्यक्ष श्रीराम सोनी नगर परिषद उपाध्यक्ष हरिओम बर्मन, अधिवक्ता राजा उरमालिया नूर मोहम्मद सिद्दीकी तहसीलदार नायब तहसीलदार महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी शिक्षा विभाग प्राचार्य विद्युत प्रभारी शिक्षा विभाग प्राचार्य विद्युत प्रभारी नगर परिषद के कर्मचारी सहित गण नागरिकों की उपस्थिति रही।

महाराजा मणिकुंडल की मनाई गई जयंती

कटनी। अखिल भारत वर्षीय आयोध्यावासी वैश्य नगर सभा एवं महिला मण्डल के तत्वाधान में एक भव्य कार्यक्रम समाज के प्रवर्तक महाराजा मणिकुण्डल के जयंती पर्व पर अति हर्षोल्लास एवं धार्मिकमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। उक्त आशय की जानकारी समाज के महामंत्री प्रवीण गुप्ता पप्पू ने बताया कि ग्राम बंजारी स्थित सचिन सुभाष गुप्ता फार्मा हाउस में आयोजित इस जयंती पर्व पर एवं नूतन वर्ष 2025 मिलन समारोह पर अनेक धार्मिक, सांस्कृतिक सामाजिक कार्यक्रमों की धूम रहीं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर श्रीमति प्रीति संजीव सूरी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमति प्रभा गुप्ता, वरिष्ठ समाजसेवी बसंत गुप्ता एवं नगर सभा अध्यक्ष संजय गुप्ता पप्पू की अध्यक्षता की गई। इस मौके पर महापौर ने अपने उद्बोधन में कहां कि समाज एक पवित्र गंगा तरह है। समाज के उत्तरोत्तर विकास एवं सामाजिक कार्यो में सभी का अमूल्य योगदान होना चाहिए जिससे समाजिक बन्धु प्रगति पथ की आर अग्रसर हो सकें। आपने समाज के उत्कृष्ट कार्यो के प्रशंसा करते हुये सभी पदाधिकारियों को इस जयंती पर्व पर बधाईयॉ दी हैं।

रामचरित मानस का संगीतमय कार्यक्रम

बरही। खितौली ग्राम पंचायत भवन में शनिवार को शासन के निर्देशानुसार आनंद उत्सव कार्यक्रम में खितौली के श्री बजरंग रामायण मंडल, श्री देशहाई माता रामायण मंडल एवं श्री हनुमान रामायण मंडल द्वारा रामचरित मानस का संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी मंडलों द्वारा रामचरित मानस का बहुत सुंदर गायन किया गया। कार्यक्रम के बाद सभी को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि काशी गुप्ता, सरपंच सुखसेन सिंह, धनीराम त्रिपाठी, भाजपा मंडल अध्यक्ष खितौली मनोज तिवारी, उपसरपंच मिथलेश त्रिपाठी, संतोष सिंह, शिवकांत चतुर्वेदी, सचिव दिनेश यादव, रोजगार सहायक देवानंद रजक, संतोष सोनी, संतोष दुबे आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर कल

कटनी। जिले के शासकीय स्कूलों में कक्षा 9 वीं से 12वीं में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों की औपचारिक पहचान चिकित्सीय मूल्यांकन प्रमाणपत्र एवं मूल्यांकन उपरांत आवश्यक सुविधाएं एवं उपकरण प्रदाय के लिए सोमवार 20 जनवरी को आदर्श माध्यमिक विद्यालय सेठ गुलाबचंद रेल्वे स्टेशन के पास में शिविर आयोजित किया गया है। डीईओ पी.पी.सिंह ने शास हाई स्कूल एवं उमावि के प्राचार्य एवं प्रभारी प्राचार्य को विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को शिविर में लाकर शिविर का लाभ प्रदान कराने के निर्देश दिए है।

नगर निगम द्वारा चिन्हित किये गए अतिक्रमण को हटाने होने लगी कवायद

घंटाघर पहुंच मार्ग के चौड़ीकरण एवं निर्माण के लिए डॉक्टर ने की पहल

जगन्नाथ चौक से घंटाघर पहुंच मार्ग निर्माण का कार्य लंबे समय से उलझा हुआ है। इस मार्ग के निर्माण में राजनीतिक उठापटक एवं वर्चस्व प्रमुख कारण है। इस मार्ग में यातायात की सुगमता को लेकर नगर निगम द्वारा कई बार इस मार्ग के निर्माण एवं चौड़ीकरण की जद में आ रहे भवनों को चिन्हित कर तोड़ने के प्रयास जब भी किये गए तब तब कोई न कोई रोड़ा सामने आ गया। इसी तरह यह मार्ग सालों से अधर में लटका हुआ है जिसका खामियाजा नागरिकों एवं वाहन चालकों को भोगना पड़ रहा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

घंटाघर पहुंच मार्ग में हो रही फजीहत को दूर करने के लिए न सिर्फ हर कोई सहयोग के लिए तैयार है मगर सियासी परिस्थिति अनुकूल नहीं होने के चलते यह मार्ग अब तक नहीं बन पा रहा है। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने पद ग्रहण के साथ ही इस मार्ग को बनाने के लिए प्राथमिकता दी थी। लगातार प्रयास भी किये जा रहे हैं लेकिन श्रेय का लाभ लेने के लिए हर बार नेताबाजी हावी हो जाती है। नगर निगम द्वारा भवन स्वामियों को अतिक्रमण स्वयं से हटाने को कहा गया यदि तय समय में लोग स्वयं से अतिक्रमण नहीं हटाते तो फिर प्रशासनिक स्तर पर कार्यवाही किये जाने की बात कही गई है। हालांकि इस मार्ग मे आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए सभी सहयोग करने को तैयार है।

मार्ग चौड़ीकरण होने से पूरे शहर को जाम और परेशानियों से छुटकारा मिल जाएगा। इसके साथ ही एक सुंदर शहर के रूप में कटनी को स्थापित करने के प्रयास भी फलीभूत साबित हो सकेंगे। जहां एक तरफ मार्ग न बन पाए और इसका चौड़ीकरण ना हो पाए इसको लेकर कुछलोग काम में रोड़े अटकाने में लगे हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने की मंशा रखने वाले लोगों की भी कमी नहीं। कुछ इसी तरह के संकेत डॉक्टर अशोक चौराहा ने भी दिए हैं। घंटाघर मार्ग पर मौजूद डॉक्टर चौदहा ने अपने अस्पताल के चिन्हित हिस्से को गिराने का काम भी शुरू करा दिया है। डॉक्टर चौराहा ने ऐसे कदम उठाकर नगर के विकास एवं दूसरे लोगों के लिए प्रेरणास्पद बने है।

घंटाघर पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए कई बार धरना प्रदर्शन भी किया जा चुका है। महापौर ने भी कई बार इस मार्ग का अतिशीघ्र निर्माण के लिए प्रयास किया लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो इस मार्ग का निर्माण और चौड़ीकरण होने ही नहीं देना चाहते, इसी वजह से उनके द्वारा बार-बार रोड़े अटकाने के प्रयत्न किए जाते हैं। शहर हित को ध्यान में रखते हुए लगातार मार्ग के चौड़ीकरण को प्रमुखता से बल प्रदान किया जा रहा है।

आध्यात्मिक के मूल तत्व को आत्मसात करने लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

सिविल लाइन स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में संस्था की संस्थापक ब्रह्मा बाबा के स्मृति दिवस पर प्रातः बाबा के तेल चित्र समक्ष भोग अर्पित कर सभी भाई बहनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके बताएं आध्यात्मिक के मूल तत्व को आत्मसात करने का संकल्प लिया और मौन रहकर सभी ने अखंड योग किया । राजयोग केंद्र संचालिका बीके लक्ष्मी बहन ने कहा कि मानव अगर साईलेन्स की शक्ति को समझ लें तो व्यक्ति महान बन सकता है साईलेन्स की शक्ति से नई सृष्टि का निर्माण होता है।

उन्होंने ब्रह्मा बाबा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानवता के उद्धारक तथा नारी शक्ति को नई पहचान देकर विश्व की सम्भवतः प्रथम नारी सत्ता द्वारा संचालित आध्यात्मिक संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना करने वाले ब्रह्मा बाबा नवयुग के अद्भुत शिल्पी थे। दैवी संस्कृति के पुनरुत्थापना के लिए उन्होंने वर्ष 1937 में ओम मंडली नामक संस्था बनाकर अपनी सम्पूर्ण अर्जित सम्पत्ति को समर्पित कर दिया। यह संस्था पांच मई 1950 को माउंट आबू राजस्थान में स्थानांतरित हुई।उन्होंने आगे बताया कि ब्रह्मा बाबा ने 18 जनवरी 1969 को अपनी देह का परित्याग करके संपूर्णता की स्थिति को प्राप्त किया था। उन्ही की पुण्य स्मृति में विश्व भर में इस संस्था की ओर से 18 जनवरी को अव्यक्त दिवस के रूप में मनाया जाता है। अंत में सभी भाई बहनों को ईश्वरीय भोग प्रदान किया गया इस अवसर पर बीके दुर्गा बहन नेहा बहन तृप्ति बहन शिवानी बहन मंगला माता सुनीता बहन सहित अन्य भाई बहनों की उपस्थिति रही ।

सीमेंट एवं खदान कर्मचारी संघ ने बताई समस्याएं

कर्मचारी संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| विजयराघवगढ़

कैमोर सीमेंट एवं खदान कर्मचारी संघ के तत्वाधान में अस्थाई आउटसोर्स एवं ठेका श्रमिकों के बढ़े हुए न्यूनतम वेतन की एरियर के भुगतान की मांग पर रोक हट जाने के बढ़ी हुई हेतु मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा गया। 1 अप्रैल 2024 से लागू पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन की वैधानिक रुकावटें 3 दिसंबर 2024 को न्यायालय इंदौर द्वारा दूर करते हुए 8 महीने से लगी रोक को हटा दिया गया है हुआ न्यूनतम वेतन का निर्धारण कर 4 मार्च 2024 को मध्य प्रदेश में राजपत्र पर प्रकाशित हुआ था इसलिए आउट सोर्स स्थाई ठेका श्रमिकों को न्यूनतम वेतन 1 अप्रैल 2024 से कराया जाना चाहिए।

ज्ञात हो की न्यायालय से रोक हटाए जाने के एक माह बाद से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी श्रम विभाग के द्वारा बड़ी हुई दरों का न्यूनतम वेतन का एरियर्स भुगतान हेतु आदेश जारी नहीं किया गया जिससे प्रदेश सहित जिला एवं विजय राघवगढ़ तहसील के ऐक्स सीमेंट वर्क्स एवं एवरेस्ट इंडस्ट्रीज सहित विभिन्न छोटे-छोटे उद्योग के साथ जनपद पंचायत नगर परिषद ग्राम पंचायत कॉलेज विद्यालयों शाहिद अन्य संस्थाओं में कार्यरत हजारों श्रमिकों वह कर्मचारियों मैं लगातार नाराजी बढ़ रही है तथा शासन की मनमानी पूर्ण मानसा से व्यथित होकर प्रदेश के मुख्यमंत्री से अपेक्षा की गई है कि 10 वर्षों से पुनरीक्षित वेतन मिला है।

उक्त अवसर पर संघ के अध्यक्ष गणेश राव एवं महामंत्री मुकेश गौतम संजय सिंह रवि शंकर दुबे शाहिद संघ के विभिन्न पदाधिकारी एवं श्रमिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लियाकैमोर सीमेंट एवं खदान कर्मचारी संघ के तत्वाधान में अस्थाई आउटसोर्स एवं ठेका श्रमिकों के बढ़े हुए न्यूनतम वेतन की एरियर के भुगतान की मांग पर रोक हट जाने के बढ़ी हुई हेतु मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

विजय राघवगढ़ 1 अप्रैल 2024 से लागू पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन की वैधानिक रुकावटें 3 दिसंबर 2024 को न्यायालय इंदौर द्वारा दूर करते हुए 8 महीने से लगी रोक को हटा दिया गया है हुआ न्यूनतम वेतन का निर्धारण कर 4 मार्च 2024 को मध्य प्रदेश में राजपत्र पर प्रकाशित हुआ था इसलिए आउट सोर्स स्थाई ठेका श्रमिकों को न्यूनतम वेतन 1 अप्रैल 2024 से कराया जाना चाहिए

वाहन चालकों को यातायात नियमों की दी जानकारी

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मप्र में 1 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक सड़क सुरक्षा माह 2025 परवाह थीम आयोजित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा 18 जनवरी 2025 को नेहरू युवा केंद्र संगठन के साथ संयुक्त रूप से माधवनगर गेट कटनी में वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इस दौरान दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने वाले वाहन चालकों को गुलाब का फूल देकर दो पहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेमलेट धारण करने के लिए आमजन को प्रोत्साहित किया गया एवं पीछे बैठी सवारी को भी हेलमेट धारण करने की नसीहत दी गई।

दो ठिकानों में दबिश देकर 75 पाव देशी शराब किया जब्त, 2 आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

शराब की अवैध रूप से बिक्री करने वाले दो आरोपितों को रंगनाथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रंगनाथनगर पुलिस ने थाना क्षेत्र में पैदल पेट्रोलिंग कर अवैध शराब विक्रय के ठिकानों पर दविश देते हुये 2 प्रकरण 34 ए आबकारी एक्ट के तहत पंजीबद्ध किया है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक कटनी अभिजीत कुमार रंजन के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एंव नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई।

जानकारी देते हुए रंगनाथ नगर थाना प्रभारी नवीन नामदेव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कड़ी कार्यवाही की जा रही है। गत दिवस सूचना मिली कि भीमराव चौक, फारेस्टर वार्ड, शास्त्री चौक में अवैध रूप से शराब विक्रय किया जा रहा है। स्टाफ द्वारा अवैध शराब बिक्रय के ठिकानों पर दविश दी गई जिसमें आरोपी विनोद कोरी पिता नाटी उर्फ गनेश 27 साल निवासी भीमराव चौक एंव गुल्ठानी उर्फ शंकर दयाल पिता रामप्रसाद 45 साल निवासी झर्रा टिकुरिया फारेस्टर वार्ड को अवैध शराब बेचते हुये पाये जाने पर गिरफ्तार किया गया। आरोपियो से करीबन 75 पाव अवैध शराब जप्तकर 34 ए आबकारी एक्ट का मामला पंजीबद्ध किया गया।

कार्यवाही में थाना प्रभारी रंगनाथ नगर उप निरीक्षक नवीन नामदेव एवं टीम की भूमिका रही।

भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत भोपाल में आयोजित हुई प्रतियोगिता

राज्य स्तरीय लोकनृत्य प्रतियोगिता मे गर्ल्स कॉलेज ने प्रदेश मे प्राप्त किया दूसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय लोकनृत्य (समूह) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता 16 जनवरी को भोपाल के सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,भोपाल में संपन्न हुई।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 10 संभाग के 19 महाविद्यालय के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी की छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जबलपुर संभाग के साथ कटनी जिले का नाम रोशन किया। उल्लेखनीय है कि इन छात्राओं ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद कड़ी मेहनत और लगन से अभ्यास कर राज्य स्तर पर यह उपलब्धि हासिल की। छात्राओं के समूह में स्नेहा बर्मन,मुस्कान मिश्रा,आकांक्षा पटेल, ओशी अग्रवाल,नीलम सोनखरे,श्रष्टि सेन,रश्मि कोरी, शामिल रही । महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात का मार्गदर्शन इस सफलता में महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने छात्राओं को न केवल निरंतर प्रोत्साहित किया बल्कि उनकी सभी आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की टीम ने भी छात्राओं की तैयारी में विशेष योगदान दिया। डॉ. साधना जैन, डॉ. अमिताभ पाण्डेय, डॉ. किरण खरादी, श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, डॉ संजयकांत भारद्वाज, श्रीमती प्रियंका सोनी,श्री आंजनेय तिवारी, श्री विनीत सोनी, श्रीमती श्रद्धा वर्मा और श्रीमती रिचा पाण्डेय ने छात्राओं को प्रशिक्षित करने में अहम भूमिका निभाई।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने छात्राओं को हार्दिक बधाई दी और उनकी प्रतिभा की सराहना की। साथ ही महाविद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं को भी इनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, डॉ. विमला मिंज, डॉ. वीणा सिंह, श्रीमती बंदना मिश्रा, के.जे. सिंहा, प्रेमलाल कांवरे, भीम बर्मन,डॉ के.जी.सिंह, डॉ.अशोक शर्मा, बिनेश यादव, नागेन्द्र यादव डॉ.पी.सी.कोरी सहित समस्त स्टाफ ने भी विजेता टीमको शुभकामनाएं दीं।यह सफलता न केवल कटनी जिले के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ी के लिए भी एक प्रेरणास्रोत है।

जिले की 9 ग्राम पंचायतों में जनकल्याण शिविर हुए आयोजित

शिविर में हितग्राहियों को किया योजनाओं के हितलाभ का वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित हर पात्र व्यक्ति को लाभान्वित करने के उद्देश्य से प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा ''मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान'' प्रारंभ किया गया है। अभियान का उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के हर पात्र हितग्राही को योजनाओं से लाभान्वित कराना है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर शनिवार को चार जनपद पंचायतों की 9 ग्राम पंचायतों भजिया, पनसोखर, पड़वार, सलैयाप्यासी, भठगवां, भूला, धरवारा, सिनगौडी एवं गोहावल में जनशिविरों का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में शामिल योजनाओं एवं प्रदाय की जाने वाली सेवाओं से अवगत कराया गया। तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडली बहना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, आयुष्मान भारत योजना, संबल योजना ,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पेंशन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, नक्शा खसरा खतौनी की प्रतिलिपि सहित विभिन्न विभागों में संचालित हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं सेवाओं के आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन किया गया। शिविर में उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, लाडली लक्ष्मी योजना के प्रमाणपत्र एवं आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए।

आज यहां लगेंगे शिविर

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासकीय योजना से लाभान्वित करने के लिए 11 दिसंबर 2024 से मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान जिले में प्रारंभ हो गया है, जो 26 जनवरी 2025 तक चलेगा। अभियान के अन्तर्गत जिले के सभी अनुविभागों की ग्राम पंचायतों और नगरीय वार्डों में जिला प्रशासन द्वारा तैयार कैलेंडर के अनुसार निर्धारित अलग-अलग तिथियों में शिविरों का किया जा रहा है। सीएम जनकल्याण शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी से आमजन को अवगत कराया जा रहा है और पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में अभियान के अंतर्गत 19 जनवरी 2025 को जिले की जनपद पंचायत बड़वारा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत परसेल एवं विलायतखुर्द में रविवार को शिविर का आयोजन किया जायेगा। वहीं जनपद पंचायत रीठी अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत थनौरा एवं सुगवां तथा जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खिरवा नंबर -1 और कुंदरेही में भी मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया है। शिविरों की सुचारू व्यवस्था के लिए सेक्टर अधिकारी, सहायक सेक्टर अधिकारी और सर्वे दल प्रभारी की नियुक्ति भी की गई है।

हादसे में घायल बाइक सवार को भेजा अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

सड़क हादसे में घायल बाइक सवार को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की सहायता हेतु हाईवे सुरक्षा चौकी प्रभारी सूबेदार मोनिका खड़से एवं स्टाफ द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। शनिवार को दोपहर 14.10 बजे सरसवाही मोड के आगे एक अज्ञात पिकअप वाहन द्वारा मोटर साइकिल चालक को टक्कर मारकर एक्सीडेंट कारित करने की सूचना प्राप्त हुई जिसपर चौकी से सउनि राजेश कोरी, आशीष सोनी ने तत्काल घटनास्थल पहुँच कर सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल उपेन्द्र पटेल लगभग 35 वर्ष निवासी अधारताल जबलपुर को ईलाज हेतु एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा व घायल के परिजनों को सूचना दी गयी।

खबर संक्षेप

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ का कैलेंडर विमोचन

सिहोरा। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ तहसील शाखा सिहोरा का कैलेंडर विमोचन कार्यक्रम का आयोजन विधायक संतोष बरकड़े, मंडल अध्यक्ष सतीश पटेल, गोसलपुर मंडल अध्यक्ष अनंत नौगरहिया,अंकित तिवारी, एडवोकेट सत्य प्रकाश खरे, अनुपम सराफ की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर संघ के प्रांतीय महामंत्री जयप्रकाश तिवारी, अर्जुन गर्ग, संतोष उरमलिया, अमित कुररिया, सतीश तिवारी, अनित श्रीवास्तव, मनीष त्रिपाठी, सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

अपाक्स का सामूहिक वार्षिक कैलेण्डर विमोचित

जबलपुर। मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी संगठन (अपाक्स) के जिला अध्यक्ष प्रदीप पटेल ने बताया कि नगर निगम परिसर में मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी संगठन (अपाक्स) मध्य प्रदेश कर्मचारी कांग्रेस, इंटक का सामूहिक वार्षिक कैलेण्डर 2025 का विमोचन समाजसेवी पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के अध्यक्ष रवि पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के प्रांतीय महामंत्री रजनीश पटेल की अध्यक्षता में अपाक्स के अध्यक्ष प्रदीप पटेल, कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रवीण सोनी, इंटक के जिला अध्यक्ष दिलीप सेन के संयोजन में हुआ।

माता की चौकी में फिल्म अभिनेत्रियों ने शामिल होकर लिया आशीर्वाद

जबलपुर। मकर संक्रांति, लोहड़ी में भव्य माता की चौकी का आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व श्रीमती सरला देवी और गुप्ता व बेदी परिवार ने किया। कार्यक्रम का आयोजन होटल नर्मदा जंक्शन में किया गया, जो श्रद्धालुओं और शहर के प्रतिष्ठित लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना, सितारों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को खास बनाया। माता की चौकी में बॉलीवुड की कई मशहूर हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे कार्यक्रम और भी खास हो गया, उपस्थित सितारों में मंदाकिनी, भाग्यश्री, तनुश्री दत्ता, मोनिका बेदी, पूनम ढिल्लो, लेडी मनोज कुमार (दीपू शर्मा), आसमा शेख इन कलाकारों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को चार चांद लगा दिए। भक्ति गीतों से सजी संध्या नवी मुंबई से आईं भक्ति गीतकार प्रीति पठानिया ने अपने भजन और गीतों से समां बांध दिया।

नर्सिंग कालेज फर्जीवाड़ाः एमपीएनआरसी कार्यालय से दस्तावेज व सीसीटीवी फुटेज हो गए गायब

हाई कोर्ट ने कार्यवाही के संबंध में जानकारी पेश करने दिए निर्देश

जबलपुर। बहुचर्चित नर्सिंग कालेज फर्जीवाड़ा में दस्तावेज व सीसीटीवी फुटेज गायब होने का मामला सामने आया है। इस आशय की जानकारी हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई दौरान याचिकाकर्ता की ओर से दी गई। हाई कोर्ट को अवगत कराया गया कि मध्य प्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउसिंल (एमपीएनआरसी) कार्यालय से दस्तावेज व सीसीटीवी फुटेज गायब हो गए हैं। इस संबंध में एमपीएनआरसी के रजिस्ट्रार ने टीटी नगर, भोपाल में शिकायत की है। पुलिस द्वारा अभी तक प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है।

उक्त जानकारी पर गौर करने के बाद नजस्टिस संजय द्विवेदी व जस्टिस अचल कुमार पालीवाल की डिवीजन बेंच ने शिकायत पर कार्यवाही के संबंध में जानकारी पेश करने के निर्देश दे दिए हैं। साथ ही मामले की अगली सुनवाई 27 जनवरी को निर्धारित की है।

ला स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की ओर से जनहित याचिका दायर कर प्रदेश में फर्जी नर्सिंग कालेजों के संचालन को चुनौती दी गई है। इसी कड़ी में अलग से एक आवेदन प्रस्तुत कर आरोप लगाया था कि नर्सिंग कालेज घोटाले में लिप्त एक इंस्पेक्टर को काउंसिल का रजिस्ट्रार बनाया गया था। इसके अलावा तत्कालीन निदेशक को चेयरमैन बना दिया गया है। दोनों अधिकारी महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया था कि काउंसलिंग की वर्तमान रजिस्ट्रार अनीता चंद्र ने भोपाल के एक नर्सिंग कालेज की निरीक्षण रिपोर्ट इंस्पेक्टर के तौर पर पेश की थी। जिसके आधार पर कालेज को मान्यता दी गयी थी। जांच में उक्त कालेज आयोग्य पाया गया और उसकी मान्यता निरस्त की गयी। इसी प्रकार वर्तमान अध्यक्ष जितेश चंद्र शुक्ला उस समय काउंसलिंग के निदेशक थे। हाई कोर्ट ने दोनों अधिकारियों को तत्काल हटाने के आदेश जारी किए थे। मामले की पिछली सुनवाई दौरान याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया था कि हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद दोनों अधिकारियों को हटाया नहीं गया है। आरोप था कि काउंसलिंग कार्यालय से रजिस्ट्रार चार बक्से कागजात लेकर गई हैं। रजिस्ट्रार ने पद से हटाने जाने के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सरकार इसका इंतजार कर रही है कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट से किसी प्रकार की राहत मिल जाए। आदेश के बावजूद दोनों अधिकारियों को पद से नहीं हटाए जाने पर हाई कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त की। जिसके बाद सरकार ने 24 घंटे में दोनों अधिकारियों को हटाए जाने का आश्वासन दिया था। मामले में आगे हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से दस्तावेज व सीसीटीवी फुटेज गायब होने की जानकारी पेश की गयी। इसके अलावा एक याचिकाकर्ता ने याचिका में संशोधन का आवेदन भी पेश किया।

गोलबाजार में बनेगी कुंडलपुर नगरी 2 फरवरी से प्रारंभ होगा महामहोत्सव

पंचकल्याणक कार्यालय शुरु

जबलपुर। मध्य प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में नूतन वर्ष 2025 का अभिनंदन श्री 1008 महावीर स्वामी दिगंबर जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव से होने जा रहा है, जिसका सौभाग्य मिला है श्री आचार्य कुंदकुंद दिगंबर जैन वीतराग विज्ञान मंडल एवं जैन युवा फेडरेशन को। महोत्सव के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन एवं नितिन जैन ने बताया कि शनिवार को पंचकल्याणक प्रतिष्ठा कार्यालय का उद्घाटन विधायक अभिलाष पांडे द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने महोत्सव स्थल राईट टाउन गोल बाजार में बनने वाली भव्य एवं मनोहारी कुंडलपुर नगरी स्थल का निरीक्षण कर सम्पूर्ण सहयोग देने की बात कही और कहा कि संस्कारधानी का सौभाग्य है कि इस महामहोत्सव के माध्यम से हमें पूरे विश्व से जबलपुर पधार रहे जैन बंधुओं का अभिनंदन करने का अवसर प्राप्त होगा।

मंडल अध्यक्ष अशोक जैन एवं फेडरेशन अध्यक्ष संजय जैन ने बताया कि संस्कारधानी शताधिक दिगंबर जैन मंदिर एवं पिसनहारी तीर्थादि से सुशोभित है उसमें दो जिनालय और जुड़ गए हैं प्रथम तो धर्मायतन एवं दूसरा ज्ञानायतन जिसका अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आगामी 2 फरवरी से 7 फरवरी 2025 तक मनाया जाना है जिसको लेकर सकल समाज में अपार उत्साह का वातावरण बना हुआ है और सभी को प्रतीक्षा है मंगल महोत्सव के शुभारंभ की।

गौरव शर्मा बने मिस्टर एपीएन, मिस एनपीएन बनीं परी कुमार

एपीएन सीबीएसई सीनियर सेकण्डरी स्कूल का विदाई समारोह संपन्न

जबलपुर। हर घड़ी बदल रही है धूप जिंदगी..., आफरीन, आफरीन..., अभी न जाओ छोड़कर..., ओ पिया..., छम्मक छल्लो..., जैसे गीतों की शानदार प्रस्तुति ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया, अवसर था एपीएन सीबीएसई सीनियर सेकण्डरी कक्षा 12वीं के विदाई समारोह का। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव उपस्थित रहे। अध्यक्षता प्रबंधक तुलसीदास द्रविड़ ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, मयंक श्रीवास्तव, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सोनल खरे, सीबीएसई प्राचार्य महेश मोरे, एपी बोर्ड प्राचार्य अजय वर्मा, कोआर्डिनेटर स्वाति नोटियाल, अमरचंद बावरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा ज्ञान दायिनी माँ वीणापाणी के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पूजन अर्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि चमन श्रीवास्तव ने अपने आशीर्वचन देते हुए कहा कि हमें निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए, जिससे हम अपना और अपने राष्ट्र का विकास कर सकें। विदाई समारोह की बेला जहां वियोग दर्शाती है, वहीं दूसरी ओर इस बात की भी प्रसन्नता है कि विद्यालय में सीखी गई बातों के आधार पर आप सभी आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे और अपना तथा अपने परिवार के साथ शाला का नाम भी गौरवान्वित करेंगे।

राजेश सिंह ठाकुर बने जिला सचिव

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि आज संगठन के संभागीय अध्यक्ष हेमंत ठाकरे की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष जियाउर्रहीम ने राजेश सिंह ठाकुर को जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन का जिला सचिव नियुक्त किया है। ध्यान रहे की राजेश सिंह ठाकुर लम्बे समय से संगठन के लिए समर्पित और निष्ठा से कार्य करते आ रहे हैं उनकी इसी कार्यशैली को ध्यान में रखते हुए संगठन के समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में उन्हें जिला सचिव बनाया गया है। संगठन के सभी पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, हेमंत ठाकरे आदि ने उपस्थित होकर बधाई दी।

लेफ्टिनेंट जनरल ने साइकिलिस्ट आशा मालवीय की यात्रा की सराहना की

जबलपुर। लेफ्टिनेंट जनरल पी.एस. शेखावत, जनरल ऑफिसर कमांडिंग मध्य भारत एरिया ने आशा मालवीय को उनकी साइकिल यात्रा के दौरान उनके उल्लेखनीय प्रयासों और दृढ़ संकल्प के लिए मंगलवार को सम्मानित किया। आशा मालवीय ने 24 जून 2024 को कन्याकुमारी से अपनी प्रेरणादायक साइकिल यात्रा की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने लगभग 16,630 किलोमीटर की अविश्वसनीय दूरी तय की। उनकी यात्रा, जो उनके मूल गांव में समाप्त होगी, ने चुनौतीपूर्ण मौसम स्थितियों के बावजूद दृढ़ता और समर्पण का परिचय दिया है। अपनी यात्रा के दौरान, आशा ने महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के संदेश को देशभर में फैलाया । उनकी यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ावों में 26 जुलाई 2024 को कारगिल में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना और 15 अगस्त 2024 को सियाचिन की बर्फ से ढकी धरती पर पहुंचकर भारत के वीर सपूतों को सम्मानित करना शामिल है। आशा मालवीय ने जबलपुर मिलिट्री कैंटोनमेंट में स्थित आशा स्कूल का भी दौरा किया, जहां उन्होंने अपने प्रेरणादायक संदेश को फैलाया।

कांग्रेस संगठन की जड़ में स्फूर्ति देने पाटन पहुँचे विधायक रजनीश सिंह

पाटन। विधान सभा लोकसभा चुनाव में कांग्रेस संगठन की पराजय के बाद कांग्रेस को पुनः ताकत देने के लिए जिला पृभारी एवं लोकप्रिय विधायक रजनीश सिंह ठाकुर और सहयोगी गाडरवाडा की पूर्व विधायक श्रीमती सुनीता पटेल का एक दिवसीय कार्यक्रम पाटन ब्लाक कांग्रेस मै कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमे संगठन को मजबूती देने और ग्राम पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत करने, रिक्त स्थान को भरने तथा 27 जनवरी को महू इंदौर में आयोजित डाक्टर भीमराव अंबेडकर की जन्म दिवस पर अखिल भारतीय स्तर पर कांग्रेस का भारी शाकति समर्थन का बृहत आयोजन होना है। जिस हेतु जन समूह और कांग्रेस जनो को एकजुट करने के उद्देश्य से रुपरेखा तैयार हुई विधायक रजनीश सिंह ने अपने संबोधन मे 140 वर्ष का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है जन जन मै पुनः समायोजन के लिए सभी एकजुट होकर काम करें और फिर से संगठन को मजबूत करने का प्रयास करे पूर्व विधायक सुनीता पटेल ने भी विचार रखते हुए सभी के सहयोग की अपील की ।

सरपंच कप सीज़न-3 पर सिंहवाहिनी इलेवन सेमरा का कब्जा

जबलपुर। सरपंच कप सीज़न-3 का शुक्रवार को फाइनल मुकाबला सिंहवाहिनी इलेवन सेमरा विरुद्ध समद पिपरिया के बीच संपन्न हुआ। रोमांचक मुकाबले में सिंहवाहिनी इलेवन सेमरा विजेता रहा, जबकि समद पिपरिया उपविजेता बना।

मुख्य अतिथियों एवं दर्शकों की उपस्थिति ने आयोजन को अद्वितीय बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लक्ष्मीकांत शुक्ला "बबुआ भैया", गुड्डू शुक्ला (उपाध्यक्ष बीजेपी ग्रामीण), दयानंद गिरी, रजनीश ठाकुर (मंडल अध्यक्ष बीजेपी), सुशील चौबे (सरपंच नानाखेड़ा), रामकुमार सैयाम (सदस्य जिला पंचायत), संजय पटेल, मनीष तिवारी, संतोष चौकसे (मंडल अध्यक्ष कांग्रेस), कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं आयोजनकर्ता श्रीमती रागिनी अजय पटेल सरपंच ग्राम पंचायत परासिया उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों का सहयोग मिला जिनमें मुख्यतः अजय पटेल, दिलीप पटेल, पवन उइके, प्रदीप ठाकुर, कमलेश ठाकुर, राजाराम यादव, मुकेश भूमिया, संजय झारिया, रामकुमार मरावी आयोजन के अवसर पर डॉक्टर लक्ष्मण पटेल की विशेष उपस्थिति भी रही।

एसएसए कालेज में एमकॉम की पढाई संचालित कराने की मांग

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में बीकॉम संकाय के विद्यार्थियों ने विधायक संतोष बरकडे से रेगुलर एमकॉम संचालित कराने की मांग की छात्रों ने कहा की पीजी कॉलेज होने के बाबजूद नही हो रही एमकॉम की पढाई जिससे 50 किलोमीटर दूर पढ़ने जाना पड़ता है इसके कारण समय और पैसे दोनो खराब होते है। एसएसए पीजी कॉलेज हैं और इसमें एम ए, एम एस सी की पढाई तो होती है पर एक म काम की नही होती हैं। विधायक ने कहा प्रयास रहेगा कि अगले सत्र से इस विषय की पढ़ाई चालू हो इस अवसर पर अभिषेक पाण्डेय, रोहन राजपूत, भारती पटेल, अभिषेक चौधरी, सुंदरम कोरी, मानसी गुप्ता आदि छात्र एंव छात्राएं उपस्थित थे।

गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ द्वारा संविधान संगोष्ठी आज

जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ जबलपुर द्वारा संविधान संगोष्ठी गोंडवाना साम्राज्य के अमर शहीद राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह के प्रतिमा स्थल गोंडवाना चौक जबलपुर में 19.01.2025 (रविवार) को आयोजित की गई है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह है कि लंबे समय से आदिवासी समाज संविधान के मूल उद्देश्यों से दूर है, जिसके कारण आदिवासियों की जमीनों को सामान्य करके रजिस्ट्री की जा रही है। आदिवासियों को बलपूर्वक उनकी जमीनों से बेदखल किया जा रहा है। आदिवासियों को शिक्षा से वंचित कर ग्रामीण अंचलों में प्राइमरी से हाई स्कूल तक न गणवेश प्राप्त हो पा रहा है और न ही शासन द्वारा प्रदान करने वाली छात्रवृत्ति/ आदिवासियों को संवैधानिक अधिकारों से वंचित कर स्वास्थ्य, शिक्षा, दूरदराज के जंगलों में निवासरत आदिवासियों को सरकारी सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है। इसी के चलते संविधान के जानकार प्रखर विद्वानों के द्वारा आदिवासी महिलाओं और युवाओं को संविधान में प्राप्त अधिकारों से अवगत कराया जायेगा।

लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगितः सेमी फाइनल में पहुंची दिल्ली

मझौली। अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के चौथे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दिल्ली ने इंदौर को चार विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंदौर की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों 156 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाए। जिसमें कप्तान नीलेश 31 रन,अविरल 33 रन, प्रयांश 28 रनों का योगदान रहा। वही दिल्ली की ओर से हनी,हर्ष और कप्तान सुमित भाटी ने 2-2 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की टीम ने इस लक्ष्य को 15.3 ओवर में 160 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाकर 4 विकेट की जीत हासिल की। प्रियांश राठी 31 रन, मनीष 39 रन, सुबोध 23 रन का सर्वाधिक योगदान रहा। इंदौर की ओर से मोहनीश और आयुष बुंदेला ने दो-दो विकेट हासिल किए। कप्तान सुबोध भाटी को उनके ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मैच के प्रारंभ में भारतीय जनता पार्टी के मझौली नगर के सभी 14 बूथ अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के अंत में अतिथि राहुल यादव,मूलचंद राय,चंद्रपाल कोष्टा, राजेंद्र चौरसिया मनोरंजन राय गिरीश पालीवाल रत्नेश कुररिया अब्दुल खान आशीष तिवारी राहुल जैन राममिलन सिंह राजपूत अटल चौरसिया अभिषेक पटेल रामराज राजपूत शाहिद खान संजय पटेल विवेक कोष्टा सहित अन्य सभी अतिथि उपस्थित रहे। रविवार को पहला सेमीफाइनल मुकाबला जम्मू कश्मीर और मध्य प्रदेश की नरसिंहपुर के मध्य खेला जाएगा।

नाम सुधार की सूचना

मैं RAKESH AWASTHI S/O SHIVRATAN AWASTHI यह सूचित करता हूं कि मेरे पासपोर्ट नंबर M6131099 जारी दिनांक 05/02/2015 वैद्यता दिनांक 04/02/2025 में मेरा नाम RAKESH KUMAR AWASTHY लिखा हुआ है, जिसे बदलकर मैने अपना नाम RAKESH AWASTHI रख लिया है, जो कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, एवं बैंक पासबुक आदि में लिखा हुआ है।

अतः मेरे नाम को RAKESH AWASTHI ही पढ़ा-लिखा एवं समझा जावें।

पूर्व नाम-RAKESH KUMAR AWASTHY
वर्तमान नाम-RAKESH AWASTHI
पता-1591, GANGA NAGAR,BACHKERA TALAB NAV NIVESH COLONY, GARHA WARD, JABALPUR (M.P.) - 482003

निधन

श्री सुभाष चंद्र जलोंहा- पंजाब बैंक कालोनी चेरीताल निवासी स्वप्निल जलोन्हा भारती रूसिया, दीपाली कलसी के पिताजी श्री सुभाष चंद्र जलोंहा कन्हवारा वाले का निधन हो गया जिनका अंतिम संस्कार रानीताल मुक्तिधाम में संपन्न होगा।

श्रीमती जमना बाई लोधी- सेठी नगर निवासी श्री रामचरण लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती जमना बाई लोधी (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री यश साहू- फूटाताल चौरसिया का बाड़ा निवासी श्री राकेश साहू के पुत्र श्री यश साहू (23) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कला बाई चौधरी- गली नं. 1 पोलीपाथर बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ के पास ग्वारीघाट रोड निवासी श्री निरंजन चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती कला बाई चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती नेमा देवी मार्वेकर- बेलबाग टोरिया निवासी श्री गोकुल प्रसाद मार्वेकर की धर्मपत्नी श्रीमती नेमा देवी मार्वेकर (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती चंद्रकांता चौबे- संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री रमेश चंद्र चौबे की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकांता चौबे (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री किशन लाल मलिक- गोपाल होटल सिद्धबाबा रोड निवासी श्री किशन लाल मलिक (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री ओमप्रकाश सिंह परिहार- टेलीग्राफ गेट नं. 1, साईं मदिर के निवासी श्री ओमप्रकाश सिंह परिहार (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शशांक विश्वकर्मा- गंगाराम का बाड़ा शीतलामाई निवासी श्री राजेंद्र कुमार विश्वकर्मा के पुत्र श्री शशांक विश्वकर्मा (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री परषोत्तम सिंह- एमईएस कॉलोनी रांझी निवासी श्री परषोत्तम सिंह (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संदीप समद- लकडग़ंज निवासी श्री विनोद समद के पुत्र श्री संदीप समद (36) का निधन होर गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

सुश्री संध्या रानी रावत- बिलहरी निवासी श्री माधव प्रसाद रावत की पुत्री सुश्री संध्या रानी रावत (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पार्वती बाई चक्रवर्ती- खाई मोहल्ला हनुमान ताल निवासी श्री गुलाब चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती बाई चक्रवर्ती (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती जे. शांति- बंगला नं. 5 के पास सदर केंट निवासी श्री जीवन स्वामी की धर्मपत्नी श्रीमती जे. शांति (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गुलाब बाई श्रीवास- मिलौनीगंज पूर्व पंचशील टाकीज के पास निवासी श्री द्वारका प्रसाद श्रीवास की धर्मपत्नी श्रीमती गुलाब बाई श्रीवास (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री श्याम सुंदर अग्रवाल- एलांजा बिलहरी निवासी श्री श्याम सुंदर अग्रवाल (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री धनीराम चौरसिया- फूटाताल स्थित राधा स्वामी का बाड़ा निवासी श्री धनीराम चौरसिया (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती किरण- ग्राम जिलहरी ग्वारीघाट निवासी श्री प्रेम लाल की धर्मपत्नी श्रीमती किरण (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री द्वारिका चौधरी- पुरानी बस्ती बाबा टोला निवासी श्री द्वारिका चौधरी (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री तीरथ बेन- पीजी कम्पाउंड बर्फ फैक्ट्री के पास सदर निवासी श्री तीरथ बेन (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कमला प्रसाद काछी- लालमाटी सिद्धबाबा स्थित कुशवाहा समाज स्कूल के पास निवासी श्री कमला प्रसाद काछी (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शिव कुमार चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री रामपत चौधरी के पुत्र श्री शिव प्रसाद चौधरी (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइजः-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइजः-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभागः-0761-4048310, 2757175

न्यायालय नायब तहसीलदार बरगी जिला जबलपुर

राजस्व प्रकरण क्रमांक-951/अ6/2024-25
जबलपुर, दिनांकः-27/1 /2025

आम इश्तहार

ग्राम सिहोरा-तहसील व जिला जबलपुर की आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक होरीलाल गौड़ पिता/पति सुन्दर लाल गौड़ निवासी सिहोरा तह. व जिला जबलपुर ने ग्राम सिहोरा प.ह.नं. 40 स्थित भूमि खसरा नं. 22/2, 32/2, 16/2, 347/2, 358/2, 283/2, 282/2 रकवा 0.680, 0.95, 0.260, 0.400, 0.440, 0.080, 0.85 हे. में से कुल रकवा 3.660 हे. /वर्गफुट भूमि पर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने/ बटवारा / अविवादित नामांतरण / फौती दुरूस्त/ वसीयत / रिकार्ड दुरूस्त करने/ भूमि विक्रय की अनुमति/भूमि आवंटन / डुप्लीकेट बही प्रदाय किये जाने हेतु इस न्यायालय वसीयत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 3/2/25 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

जारी दिनांक-17/1/2025
पेशी दिनांक-3/2/2025

नायब तहसीलदार
व्रत बरगी जबलपुर

गजब हैं दुनियाभर में शादी की ये रस्में

दूल्हे की पिटाई, थूक से आशीर्वाद 3 दिन बाथरूम जाने की इजाजत नहीं

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

भाषा, बोली, रंग, रूप और रहन-सहन में भिन्नताओं के साथ-साथ दुनियाभर में शादियों की परंपराएं भी काफी अलग और मजेदार रस्मों से भरी हैं। इनमें कई ऐसी रस्में हैं जो आपको अंदर से गुदगुदाने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर कर देती हैं।

दूल्हे के जूते को चुराकर छिपाना

भारतीय शादियों में मस्ती का लेवल कुछ अलग ही होता है। यहां दुल्हन की बहनें शादी के समय दूल्हे के जूते को चुराकर छिपा देती हैं और उसे वापस देने के लिए पैसे मांगती हैं। दूल्हे को मजबूरी में पैसे देकर अपने जूते वापस लेने पड़ते हैं। यह परंपरा शादी में मौज-मस्ती का माहौल बनाने का काम करती है।

1 महीने पहले से रोने की शुरुआत

चीन की तुजिया समुदाय में दुल्हन शादी से एक महीने पहले से रोने की शुरुआत करती है। इस रस्म के पीछे खुशी और आभार व्यक्त करना माना जाता है। जैसे-जैसे शादी का दिन नजदीक आता है, परिवार के अन्य सदस्य भी इस रोने के सिलसिले में शामिल हो जाते हैं।

कालिख से ढक देते हैं दूल्हा-दुल्हन को

स्कॉटलैंड में शादी से पहले दूल्हा-दुल्हन को कालिख, आटा और पंखों से ढक दिया जाता है। फिर उन्हें आसपास घुमाया जाता है। यह परंपरा इस बात का प्रतीक है कि शादी के बाद आने वाली किसी भी चुनौती का वे साथ मिलकर सामना करेंगे और हर तरह की चुनौतियों से आसानी से निपटेंगे।

तोड़ते हैं मिट्टी के बर्तन

जर्मनी में शादी से पहले 'पोल्टराबेंड' नाम की रस्म की जाती है जिसमें दूल्हा-दुल्हन और उनके मेहमान मिट्टी के बर्तन तोड़ते हैं। इसे बुरी आत्माओं को दूर भगाने का प्रतीक भी माना जाता है।

थूक कर देती हैं आशीर्वाद

केन्या की मासाई जनजाति में दुल्हन के पिता अपनी बेटी को आशीर्वाद देने के लिए उसके सिर और छाती पर थूकते हैं। यह अजीब रस्म सौभाग्य और खुशहाल जीवन का प्रतीक मानी जाती है।

बाथरूम इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं

इंडोनेशिया के टिडोंग समुदाय में नवविवाहित जोड़े को शादी के बाद तीन दिन और रात तक बाथरूम इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होती. यह परंपरा सफल और खुशहाल वैवाहिक जीवन का प्रतीक मानी जाती है। दुनिया की ये अनोखी परंपराएं हमें दिखाती हैं कि शादियां केवल एक ओकेजन नहीं, बल्कि हर समाज की मान्यताओं और भावनाओं का उत्सव हैं। इन अजीबोगरीब रस्मों में प्यार, मस्ती और सांस्कृतिक विविधता का अनोखा नजारा दिखता है।

सहनशक्ति की ली जाती है परीक्षा

यहां शादी से पहले दूल्हे के पैरों पर मछली या छड़ी से मारकर उसकी ताकत और सहनशक्ति की परीक्षा ली जाती है। हालांकि, यह रस्म हंसी-मजाक से भरी होती है और शादी के माहौल को मजाकिया बनाने के लिए की जाती है।

रॉयल स्टैग लेकर आ रहा है अनुभवात्मक संगीत समारोह

मुंबई। सीग्राम रॉयल स्टैग बूमबॉक्स अपने तीसरे संस्करण के साथ वापस आ रहा है, जो समकालीन हिप-हॉप बीट्स के साथ बॉलीवुड की प्रतिष्ठित धुनों को एक अद्भुत मिश्रण पेश करेगा। मिर्ची द्वारा निर्मित इस सीजन के साथ, प्रभावी संगीत समारोह 14 जनवरी, 2025 को मुंबई में एक विशेष मीडिया ब्रीफिंग में अपने आगामी लाइनअप का प्रदर्शन किया जाएगा. यह अनूठा सांस्कृतिक फ्यूजन पारंपरिक और आधुनिक भारतीय संगीत के मिश्रण को फिर से परिभाषित करना जारी रखेगा, जो ब्रांड के 'लिविंग इट लार्ज' दर्शन के अनुरूप है।

कुत्ते की तरह जुड़वां बहनों के गले में बांधी चेन

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

सोशल मीडिया के जमाने में जब लोगों के अंदर फेमस होने की इतनी भूख है, तब वो किसी भी हद तक गिरने को तैयार हो जाते हैं। आपको ऐसे बहुत से लोग सड़कों पर चलते दिख जाएंगे, जो आम लोगों के सामने वो सब कर जाते हैं, जो करने में आम आदमी हजार बार सोचेगा। ऐसा ही एक आदमी इन दिनों वायरल हो रहा है। ये शख्स रोड पर दो लड़कियों को चेन से बांधकर ले जा रहा है, ठीक वैसे ही जैसे लोग कुत्तों को चेन से बांधकर सड़क पर टहलाने ले जाते हैं। दोनों लड़कियां जुड़वां बहनें नजर आ रही हैं। उसे जो कोई भी देख रहा है थू-थू ही कर रहा है! वीडियो अमेरिका के मियामी का बताया जा रहा है। शख्स फोन पर बातें करते हुए रोड पर टहलने निलकला है। पर हैरानी इस बात की है कि उसके साथ दो खूबसूरत लड़कियां भी चल रही हैं जो दिखने में जुड़वां बहनें नजर आ रही हैं।

बेमेतरा के साजा में बाघ के होने की पुष्टि, अलर्ट जारी

बेमेतरा/साजा। शहर में बाघ देखे जाने की खबर के बाद हड़कंप मच गया। बकरी चरवाहा ने बिजली ऑफिस के पास लाल शौर्य जीत के गन्ने के खेत के पास बाघ देखे जाने की खबर ग्रामीणों को दी। उसके बाद पूरे शहर में हड़कंप मच गया। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग का अमला उसकी तलाश में फार्म हाउस पहुंचा। लेकिन, 50 एकड़ में गन्ने की फसल लगे होने के कारण पूरी निगरानी नहीं हो पाई। ड्रोन का इंतजाम भी नहीं होने के चलते कोई सुराग हाथ नहीं लगा। लगातार 2 दिन से अंचल में बाघ की खबर से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। घटना की खबर लगते ही एसडीएम तहसीलदार सहित वन विभाग की आला अफसर शाम तक घटनास्थल पर रहे। चश्मदीदों के अनुसार उन्होंने स्वयं अपनी आंखों से बाघ को देखा है। वहीं, उनके दावों के बाद सभी की चिंता बढ़ गई है। लेकिन, शासन द्वारा आधे अधूरे इंतजाम के कारण अभी तक बाघ की उपस्थिति का पक्का प्रमाण नहीं मिल पाया है। उधर, साजा नगर में भी नगर पंचायत द्वारा मुनादी करवाकर सतर्क रहने को कहा जा रहा है।

- दुर्ग वनमण्डलाधिकारी ने कहा, शनिवार सुबह चलाया जाएगा पेट्रोलिंग व रेस्क्यू अभियान

विस्फोट और आग के खतरे से 100 फीसदी सुरक्षित, एक बार चार्जिंग में यह 500 किलोमीटर तक चलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक बस निर्माता कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड (ओजीएल) ने शनिवार को अपनी नई इलेक्ट्रिक बस ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश की। यह बस ब्लेड बैटरी चेसिस टेक्नोलॉजी के साथ डिजाइन की गई है। ब्लेड बैटरी तकनीक का नल पेनिट्रेशन और फर्नेस जैसा कठोर परीक्षण किया गया। इस दौरान इसमें किसी भी प्रकार की आग या विस्फोट नहीं हुआ। यानी, यह तकनीक आग और विस्फोट से पूरी तरह से सुरक्षित है। ब्लड बैटरी तकनीक में 30 फीसदी अधिक ऊर्जा भंडारण क्षमता है। एक बार चार्जिंग में यह 500 किलोमीटर तक का सफर कर सकती है इसका कंपैक्ट और हल्का डिजाइन कम जगह लेता है। ब्लड बैटरी तकनीक से बस को 5000 से अधिक बार चार्ज किया जा सकता है।

इस पौधे को छूने से इंसान कर सकता है आत्महत्या

सिडनी। धरती पर कई तरह के पेड़-पौधे पाए जाते हैं। लोग हरियाली के लिए पेड़-पौधों को लगाते हैं। पर्यावरण के लिए पेड़ बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनके कारण ही मानव जीवन का अस्तित्व भी है। हालांकि, इस दुनिया में कई बेहद जहरीले और खतरनाक पौधे भी हैं, जो किसी की भी पलभर में जान ले सकते हैं। धरती पर पाए जाने वाले सबसे जहरीले पौधे का नाम जिम्पई-जिम्पई है। यह जहरीला पौधा देखने में बिल्कुल साधारण है। इसको छूने से किसी गर्म एसिड से जलने और बिजली के झटके का अहसास होता है। बताया जाता है कि इसका डंक इतना खतरनाक दर्द देता है कि इंसान तड़प-तड़प कर खुदकुशी करने के लिए मजबूर हो जाता है।

इसके कारण इस पौधे को सुसाइड प्लांट कहा जाता है। वैज्ञानिक मरिना हर्ले ने इस पौधे के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। एक बार वह ऑस्ट्रेलियाई वर्षावनों पर रिसर्च कर रही थीं। उनको पता था कि जंगल में कई खतरनाक पेड़ पौधे भी हो सकते हैं। इनसे बचाव के लिए उन्होंने हाथों में वेल्डिंग ग्लव्स और बॉडी सूट पहन रखा था। रिसर्च के दौरान वह एक नए पौधे के संपर्क में आईं। वेल्डिंग ग्लव्स के साथ भी इस पौधे की स्टडी करना उनको भारी पड़ गया।

झटका लगने जैसा अहसास

वैज्ञानिक मरिना हार्ले ने बताया कि इस पौधे को छूने के बाद एसिड और बिजली का झटका लगने का अहसास हुआ, जिसके बाद वह अस्पताल पहुंची। तब तक उनका पूरा शरीर लाल हो चुका था और वह जलन से चिल्ला रही थीं। जिम्पई-जिम्पई के असर को कम करने के लिए उनको लंबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ा और स्टेरॉयड का सेवन करना पड़ा। उन्होंने डिस्कवरी को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि बिजली का झटका और शरीर पर एसिड डालने जैसा दर्द था। सबसे जहरीले डंक वाला है पौधा

जिम्पई-जिम्पई को दुनिया का सबसे जहरीले डंक वाला पौधा माना जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान कई सेना के अधिकारी इस पौधे का शिकार हुए।

ऑल इंडिया ट्रांसपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने केंद्रीय परिवहन मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को लिखा पत्र, भेजी तस्वीरें

ट्रक के ड्राइवरों पर हनुमना-रीवा-चेक पोस्ट पर आरटीओ कर्मचारियों ने किया क्रूरतापूर्वक हमला

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶| भोपाल

ऑल इंडिया ट्रांसपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन (एआईटीडब्ल्यू) सचिव जे.पी.सिंगला और ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन इंदौर के अध्यक्ष सीएल मुकाती ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को जी-मेल करके और एक्स सोशल मीडिया पर ट्वीट कर बताया कि 17 जनवरी 2025 शुक्रवार को सुबह 6 बजे पुणे से नेपाल जा रहा एक भरा हुआ ट्रक जो मध्यप्रदेश का हनुमना-रीवा-चेक पोस्ट पार कर रहा था, ट्रक को आरटीओ कर्मचारियों ने रोका और चालक से एंट्री फीस मांगी। ड्राइवर के मना करने पर कर्मचारियों ने ड्राइवर खूब मारा।

अतः मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा आतंक अभी भी रीवा हनुमना में है यहां एंट्री और अवैध वसूली धड़ल्ले से की जा रही है। उक्त ट्रांसपोर्ट संगठनों के पदाधिकारियों ने केंद्रीय परिवहन मंत्री और मुख्यमंत्री को बताया कि घटना स्थल पर मौजूद आरटीओ वाहन की तस्वीर और ट्रक चालक के साथ हुई मारपीट की फोटो भी मेल की है। संगठन के सीएल मुकाती ने बताया की मध्यप्रदेश में 1 जुलाई 2024 से कागजों में चेकपोस्ट भले ही बंद कर दिए गए हों, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट है। प्रदेश के तमाम चेक पोस्टों में अभी भी अवैध वसूली धड़ल्ले से जारी है। ट्रक ड्राइवरों को मारने पीटने के अलावा जान से भी मारने की धमकी तक दी जा रही है। इसका ताजा उदाहरण मध्यप्रदेश के हनुमना चेकपोस्ट में बीते दिन घटित हुई घटना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में चेक पोस्टों पर वाहन चालकों से अवैध वसूली का गोरखधंधा अभी भी खूब फल फूल रहा है। सभी दस्तावेज होने के बावजूद ट्रक चालकों और मालिकों को अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा चालान करने के नाम पर डरा धमकाकर अवैध रुप से वसूली की जा रही है। उगाही नहीं दिए जाने पर गुंडागर्दी की जाती है। कई-बार शिकायतों के बाद भी न तो अवैध वसूली रुकी है और न ही संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। ट्रक चालक रंजीत प्रजापति ने बताया कि अधिकारियों द्वारा मांगे गए अनधिकृत प्रवेश शुल्क का भुगतान करने और क्रूरतापूर्वक हमला करने की शिकायत जब हनुमना पुलिस स्टेशन में इंद्रेश (उपनिरीक्षक) से की और मदद मांगी तो पुलिस साथ जांच करने के लिए मौके पर गई, तो आरटीओ कर्मचारियों ने पुलिस के सामने ही गाली देना और धमकाना भी शुरू कर दिया। डर और अधिक भयभीत महसूस करते हुए हमने औपचारिक पुलिस शिकायत दर्ज करने से परहेज किया।

वैवाहिकी
वर चाहिए

बौध्द वर चाहिए- गोरी, सुन्दर, सुशील बौध्द महाराष्ट्रीयन (महार) जन्म 1996, 5'3" डॉक्टर (फिजियोथेरेपिस्ट) कन्या हेतु सजातीय सुयोग्य वर चाहिए। सम्पर्क करें:- 8871300333 (665)

वर चाहिए
सुशीला वर्मा तलाकशुदा नि.संतान 07/03/1977 हाईट 5'-4" बीकॉम. कम्प्यूटर डिप्लोमा, फूड स्टॉल एवं केक, मासिक आय एक लाख स्वयं का मकान सभी मान्य जाति बंधन नहीं, जरूरतमंद को प्राथमिकता
सम्पर्क करें
7415070430
7415070430

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान रहेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। तरक्की के योग हैं।

वृष — मन थोड़ा परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कारोबारी कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — वाणी में मधुरता रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

सिंह — आत्मविश्वास भी बहुत रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। खर्च बढ़ेंगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कन्या — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती हैं।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार में सुधार होगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता के योग हैं।

वृश्चिक — किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार से लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं। यात्रा के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे, परन्तु मन अशान्त भी हो सकता है। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।

मकर — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंता परेशान करेंगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। खर्च अधिक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

शब्द पहेली - 5752

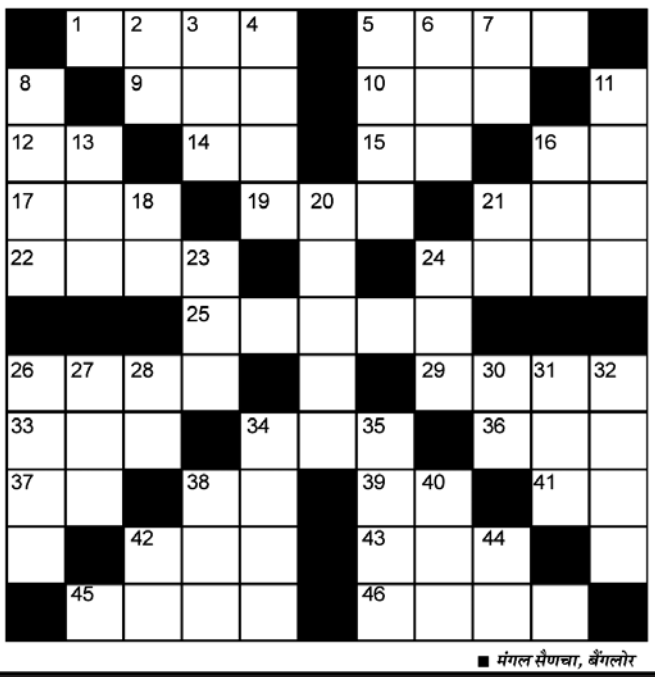

■ मंगल सैणचा, बैंगलोर

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली- 5751 का हल

सूडोकु नवताल - 5763

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5762 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए हम सब अलग-अलग तरह के काम तो करते ही हैं। लेकिन कुछ काम ऐसे भी होते हैं, जिनको करते हुए हमें एक अलग तरह की खुशी, संतुष्टि मिलती है। यही होते हैं हमारे शौक यानी हॉबीज। हॉबीज अपनाने के फायदे तन और मन की सेहत तक ही सीमित नहीं होते हैं बल्कि इससे हमें सामाजिक और आर्थिक रूप से भी कई प्रकार के लाभ होते हैं। यानी हॉबीज से हमारी लाइफ बनती है हैप्पी।

हॉबीज से बन जाए हैप्पी लाइफ

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

अकसर लोग शौक की बात को या तो नकारात्मक रूप में लेते हैं या समय की बर्बादी मानते हैं। लेकिन मनोविज्ञानियों, समाज शास्त्रियों और व्यवहार विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित कार्य, पढ़ाई, पेशे या कारोबार से मिले जरा से अतिरिक्त समय में हमें अपने तन-मन के सुकून के लिए कोई रचनात्मक शौक या हॉबी जरूर अपनानी चाहिए। इसके कई फायदे हैं।

होते हैं कई तरह के फायदे

कैलिफोर्निया (अमेरिका) के सांता मोनिका में स्थित पैसिफिक न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट के पैसिफिक ब्रेन हेल्थ सेंटर में जेरिएट्रिक कॉग्निटिव हेल्थ के निदेशक स्कॉट कैसर कहते हैं कि शौक रखने के कई सकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम मिलते हैं, इसके पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध हैं। डॉ. कैसर का कहना है, 'चाहे आप वॉकिंग, सुडोकू, डांस, वाटर कलर पेंटिंग या कोई म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाना पसंद करते हों, जान लें कि आपके शौक न केवल आपको खुशमिजाज रखते हैं, बल्कि वे आपको स्वस्थ भी रखते हैं।'

कई बीमारियों से होता है बचाव

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, (लॉस एंजेल्स, अमेरिका) में हेल्थ साइंस के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कीन वुई कहते हैं, 'किसी मनोरंजक शौक को पूरा करने से मस्तिष्क में एंडोर्फिन नामक रसायन निकलता है, जो अच्छा महसूस कराता है, जबकि कॉर्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन कम होता है।' नतीजतन इससे रक्तचाप कम होता है, सूजन कम होती है, नींद में सुधार होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, हृदय के स्वास्थ्य में सुधार होता है और ऊर्जा बढ़ती है। विज्ञान भी इस बात का समर्थन करता है। 2021 में कई अध्ययनों के विश्लेषण में इस बात के पुख्ता सबूत मिले हैं कि हॉबीज या फेवरेट एक्टिविटीज में शामिल होने से कोरोनरी हार्ट डिजीज, याददाश्त और डिमेंशिया के साथ-साथ पुराना दर्द, कमजोरी और अक्षमता सहित उम्र से संबंधित शारीरिक ऊर्जा में क्षय से बचाव करके स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। लैंसेट साइकिएट्री पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट में पाया गया कि जो लोग पुरानी

बीमारी से पीड़ित थे, उनके लिए कोई शौक पूरा करने से उन्हें अपने लक्षणों को नियंत्रित करने में मदद मिली और यहां तक कि उनकी बीमारी बढ़ने की गति भी धीमी हो गई। हॉबीज को समय देने वाले लोग, अकसर गणित जैसे पेचीदा विषयों में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। डिमेंशिया से सुरक्षा प्रदान करने के अलावा हॉबीज, हमारी न्यूरोप्लास्टिसिटी में सुधार करती हैं। अच्छी हॉबीज में मस्तिष्क के तंत्रिका नेटवर्क को बदलने, उनका अनुकूलन करने और नए कनेक्शन बनाने की क्षमता होती है। संभवतः इसीलिए मनोविज्ञानी मानसिक समस्या से ग्रस्त लोगों को संगीत वाद्ययंत्र बजाने की सलाह देते हैं।

दीर्घायु के साथ मिले निरोगता

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया है कि हॉबीज को समय देने और लंबी उम्र के बीच मजबूत संबंध

होता है। एक अलग अध्ययन में पाया गया कि वृद्ध लोगों में नियमित अवकाश गतिविधियों में शामिल होने पर मृत्यु दर का जोखिम 19 प्रतिशत कम होता है। कई मायनों में, शौक हमें खुश करते हैं। जर्नल ऑफ पर्सनालिटी में प्रकाशित 2023 के एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग हर दिन अपने शौक (चाहे वे कोई भी हों) को पूरा करने के लिए सचेत प्रयास करते हैं, उनके स्वास्थ्य में औसतन 8 प्रतिशत की वृद्धि और तनाव, चिंता में 10 प्रतिशत की कमी देखी गई। इसी तरह, नेचर मेडिसिन में प्रकाशित 2023 के एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों ने कम से कम एक शौक होने की सूचना दी, उनमें अवसाद के लक्षण कम पाए गए और खुशी, स्वास्थ्य और जीवन संतुष्टि का स्तर अधिक पाया गया।

उद्देश्य की भावना जगाए

कई हॉबीज के लिए लक्ष्य निर्धारित करना और डेवलपमेंट ट्रैक करना जरूरी होता है। जैसे- बागवानी में आपको रोज तय करना होता है कि किस प्रकार के पौधे लगाएंगे, किसको कैसे ग्रोथ देंगे। जब आप अपने लगाए पौधों को बढ़ते हुए देखते हैं या अपनी प्लानिंग सफल होते देखते हैं, आपके मन में उपलब्धि की भावना महसूस होती है। इससे आत्मबल बढ़ता है।

बढ़ती है चुनौती लेने की ताकत

कई प्रकार की हॉबीज में आपको रोज नई-नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पजल सॉल्व करना हो या खास प्रकार की कलाकृतियां या स्टांप कलेक्ट करने की हॉबी हो या फिर कोई और हॉबी, अच्छे शौक व्यक्तिगत विकास और आत्म-प्रशिक्षण के अवसर होते हैं।

बढ़े सामाजिक दायरा

शौक का सबसे कम आंका जाने वाला लाभ हमारे सामाजिक कल्याण पर उनका प्रभाव है। डॉ. कैसर कहते हैं, 'मनुष्य हमेशा एक समुदाय के भीतर पनपता रहा है, इसलिए हमें समाज की बहुत जरूरत होती है। जब हमें यह नहीं मिलता है, तो हमारे स्वास्थ्य के सभी पहलू प्रभावित हो सकते हैं।' अमेरिकन जर्नल ऑफ जेरिएट्रिक साइकिएट्री द्वारा प्रकाशित 2020 के विश्लेषण के अनुसार, दीर्घकालिक अकेलापन आपके स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन 15 सिगरेट पीने से भी ज्यादा बुरा है। हॉबीज कम्युनिटी की भावना, नए दोस्त बनाने और पुराने दोस्तों से मिलने का एक शानदार तरीका हैं। कई हॉबीज ग्रुप्स में ही परफॉर्म की जाती हैं। जैसे- सिंगिंग, फुटबाल, क्रिकेट, टेनिस, बैडमिंटन जैसे स्पोर्ट्स आदि। इसके अलावा अगर आप इनडोर हॉबीज अपनाएं तो लोगों को पढ़ाना, ऑनलाइन चैटिंग आदि के द्वारा भी सोशल कनेक्शन का लाभ उठा सकते हैं।

होता है आर्थिक लाभ भी

आपके शौक आपके करियर या कमाई से संबंधित भी हो सकते हैं। इससे आपका कौशल निखरता है और कमाई बढ़ती है। यदि आप एक ग्राफिक डिजाइनर हैं तो आप घर पर पेंटिंग या कोलाज बनाने जैसे रचनात्मक शौक अपना सकते हैं। शर्त यही है कि शौक में संतुष्टि मुख्य होनी चाहिए, आर्थिक लाभ नहीं। *

कैसे चुनें अपनी हॉबीज

आपके लिए कौन-सी हॉबीज मुफीद हैं, यह आपके व्यक्तित्व, रुचियों, योग्यताओं और संसाधनों के आधार पर निर्भर करता है। हममें से ज्यादातर लोगों को अपनी पसंद और नापसंद के बारे में सहज ज्ञान होता है। शौक चुनने का एक अच्छा तरीका यह है कि आप अपने जीवन के किन क्षेत्रों में अभी सुधार करना चाहते हैं, इस पर विचार करें। इस बारे में मनोविज्ञानी प्रदीप शक्तावत कहते हैं, 'इसे स्वास्थ्य के साथ आर्थिक लाभ के नजरिए से और सामाजिक प्रतिष्ठा के नजरिए से भी देखते हुए चुन सकते हैं। मुख्य बात यह है कि शौक ऐसा हो, जिसे करने में आपको सुकून और खुशी मिले।'

रिटायरमेंट के बाद बनी रहे उत्साह-उमंग-जीवंतता

अधिकतर नौकरी-पेशा वाले लोग, रिटायरमेंट के बाद एकाकीपन से ग्रस्त हो जाते हैं। ऐसा आपके साथ न हो, आप जीवन की सांध्य बेला में भी उत्साहित और जीवंत बने रहें, इसके लिए अपनी मानसिकता के साथ जीवन शैली में कुछ बदलाव करें।

लाइफस्टाइल

रवि तिवारी

नौकरी करने वाली जमात के लिए रिटायरमेंट एक सच्चाई है, जो एक उम्र के बाद आती ही है। लेकिन रिटायरमेंट जीवन का अंत नहीं है बल्कि वह जीवन का ऐसा पड़ाव है, जो एक नई शुरुआत की संभावना लिए आती है। यह वह समय होता है, जब व्यक्ति अपने व्यस्त करियर से मुक्त होकर परिवार और स्वयं के लिए समय निकाल सकता है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच्चाई है कि इसके साथ ही उसके जीवन में खालीपन, एकाकीपन और निष्क्रियता के भाव भी आ सकते है। फलस्वरूप इससे उत्पन्न स्थिति उसके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालती है।

एकाकीपन की वजहें: सेवानिवृत्ति के बाद महसूस होने वाला एकाकीपन और तन्हाई बहुत स्वाभाविक है। दरअसल, इसके बाद जीवन की दिनचर्या में बदलाव हो जाता है। नौकरी के दौरान दिनचर्या में एक उद्देश्य और सक्रियता होती है। लेकिन रिटायरमेंट के बाद अचानक इस व्यस्तता का समाप्त हो जाना, व्यक्ति को असहज बना देता है। इसके अलावा नौकरी के दौरान सामाजिक संबंधों में कमी आ जाती है, क्योंकि व्यस्तता के कारण उन्हें निभाने में समयाभाव होता है। उस दौरान तो केवल कार्यस्थल पर सहकर्मियों और मित्रों से नियमित संपर्क बना रहता है। रिटायरमेंट के बाद वह संपर्क भी धीरे-धीरे कम होने लगता है, जिससे व्यक्ति को स्वाभाविक रूप से अकेलेपन का अनुभव होने लगता है। इसके अलावा परिवार के अन्य सदस्यगण, अपनी-अपनी जिम्मेदारियों में व्यस्त हो जाते हैं और उनके बच्चे अलग शहरों या देशों में पढ़ने या नौकरी करने के लिए अपने परिवार सहित चले जाते है। इस वजह से भी रिटायरमेंट के बाद बहुत एकाकीपन का अहसास होता है।

शारीरिक कमजोरी का बढ़ना: रिटायरमेंट के साथ ही वृद्धावस्था शुरू हो जाती है। ऐसे में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं शुरू होना स्वाभविक है। इससे शारीरिक कमजोरियां और बीमारियां व्यक्ति को सक्रिय जीवन से दूर करती चली जाती हैं। जीवन में अकेलापन और निष्क्रियता बढ़ने का यह भी एक कारण है। फलस्वरूप व्यक्ति सामाजिक आयोजनों और लोगों से मेल-मिलाप में भाग लेना छोड़ देता है, जिससे उसका समाज से जुड़ाव कम होता चला जाता है। ऐसी बहुत सारी स्थितियां हैं, जो रिटायरमेंट के बाद इंसान के जीवन में स्वाभाविक रूप से आती चली जाती है। ऐसे में अगर रिटायरमेंट के बाद व्यक्ति मानसिक रूप से सजग ना रहे या अपनी मानसिकता में दिनचर्या में बदलाव न करे तो उसे अकेलापन महसूस होगा ही।

करें वो काम जिनसे मिले खुशी: अगर आप रिटायरमेंट को नए जीवन का एक अध्याय मानकर इसे सकारात्मक दिशा में मोड़ लें तो आप अकेलेपन की मानसिकता से मुक्त रहेंगे। इसके लिए आप युवा और प्रौढ़ावस्था में अपनी अधूरी रह गई इच्छाओं की पूर्ति के लिए नए सिरे से प्रयास शुरू कर सकते हैं। अपनी रुचि के अनुसार कला, संगीत, लेखन, बागवानी या फोटोग्राफी जैसी गतिविधियों में शामिल होकर रचनात्मकता को बढ़ावा दें। अपनी नई रुचियों का भी विकास करें। जीवन को समयबद्ध तरीके से संचालित करें। योग, ध्यान और शारीरिक व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। पुस्तकें पढ़ें और ज्ञानवर्धक कार्यों में समय लगाएं। अपने खोए हुए सामाजिक संबंधों को मजबूत करें। पुराने मित्रों और सहकर्मियों से संपर्क बनाए रखें। परिवार के साथ समय बिताएं, रिश्तों को महत्व दें। किसी सामाजिक संगठन से जुड़कर समाजसेवा करें, दूसरों की सहायता करने से व्यक्ति को संतोष और आत्म-गौरव की अनुभूति भी होती है।

बने रहें सकारात्मक: सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपनी मानसिकता को हमेशा सकारात्मक बनाए रखें। रिटायरमेंट के बाद अगर कोई आपसे पूछे, 'क्या कर रहे है आजकल?' इस सवाल का जवाब निराशाजनक होकर ऐसा कभी न दें कि बस समय काट रहे हैं या यह भी न कहें कि अब तो कुछ बचा ही नहीं है करने को। इसके बजाय आप कुछ ऐसा जवाब दें कि अपने जीवन का बेहतरीन समय गुजारने की कोशिश में लगा हूं और अब स्वयं के लिए मस्ती से जी रहा हूं। यह याद रखना चाहिए कि समाज और परिवार के साथ सक्रिय जुड़ाव व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाए रखता है। इसका निरंतर प्रयास करते रहें। अगर जीवन में कोई मजबूरी न हो तो रिटायरमेंट के बाद कोई नौकरी न करें। करें तो स्वयं का कोई काम स्वान्तः सुखाय के लिए करें। इससे नौकरी की मानसिकता को दूर कर अपने आत्म विश्वास को आप जगा पाएंगे, जो आपके एकाकीपन को परे धकेलते हुए एक उद्देश्यपूर्ण और सुखद समय बनाने में मदद कर सकता है। कभी न भूलें कि यह वह समय है, जिसमें आप अपने अनुभवों, ज्ञान और रुचियों के माध्यम से अपने आपको या परिवार के अन्य सदस्यों, खासकर नौजवानों को समृद्ध कर सकते हैं।

याद रखें कि रिटायरमेंट, जीवन का अंत नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है। सकारात्मक मानसिकता बनाएं और स्वयं को व्यस्त रखते हुए समाज को बेहतर योगदान देने का प्रयास करते रहें। *

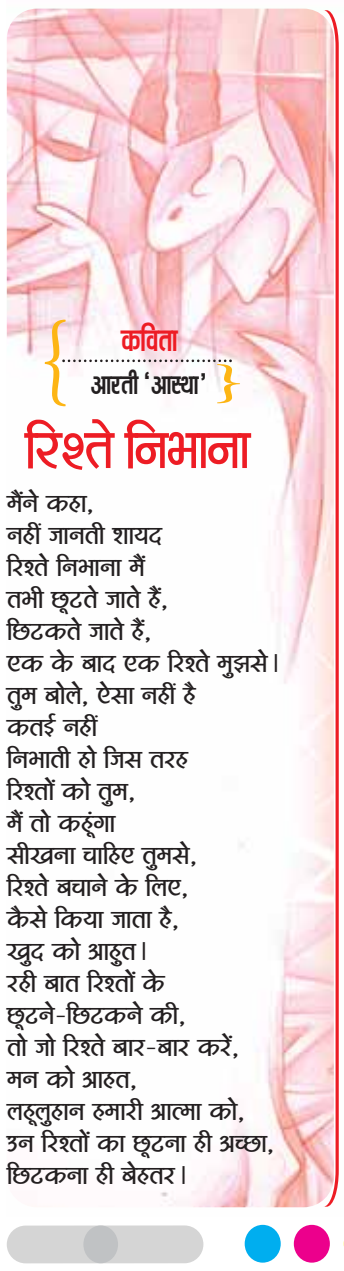

कविता

आरती 'आस्था'

रिश्ते निभाना

मैंने कहा,
नहीं जानती शायद
रिश्ते निभाना मैं
तभी छूटते जाते हैं,
छिटकते जाते हैं,
एक के बाद एक रिश्ते मुझसे।
तुम बोले, ऐसा नहीं है
कतई नहीं
निभाती हो जिस तरह
रिश्तों को तुम,
मैं तो करूंगा
सीखना चाहिए तुमसे,
रिश्ते बचाने के लिए,
कैसे किया जाता है,
खुद को आहुत।
रही बात रिश्तों के
छूटने-छिटकने की,
तो जो रिश्ते बार-बार करें,
मन को आहत,
लहूलुहान हमारी आत्मा को,
उन रिश्तों का छूटना ही अच्छा,
छिटकना ही बेहतर।

व्यंग्य

राकेश सोहम

बाहर रखे असली लड्डुओं को फूटने से बचाए जाने का यत्न किया जा सकता है, लेकिन मन के लड्डू को नहीं। लड्डू मन में गए कि फूटे। वे मन में कभी साबुत नहीं बचते।

मन में लड्डू फूटने का सबब

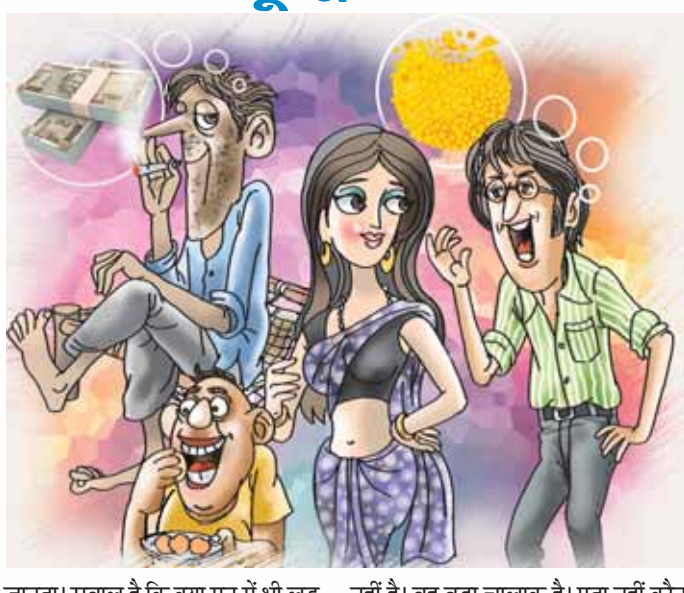

भारतीय पकवानों में लड्डू को कौन नहीं जानता! शायद ही कोई होगा, जिसे लड्डू पसंद नहीं होंगे। किसी भी अवसर में लड्डू जगह बना लेते हैं। लड्डू बेशक एक मानवीय आविष्कार है। खाने के मामले में लड्डू मनुष्य का पहला पकवान माना जा सकता है। आदिमानवों ने खाद्य सामग्री जुटाई होगी। खाने के लिए मुट्ठी में समेट कर उठाई होगी। अचानक कुछ कारणवश बिना निगले मुट्ठी की खाद्य सामग्री दोबारा जमीन पर रख दी होगी। बाद में आश्चर्यचकित हुए होंगे, 'अरे! यह गोल-गोल अच्छा दिख रहा है।' कालांतर में बिखरी खाद्य सामग्री को मुट्ठी में दबाकर लड्डू का रूप दिया जाने लगा होगा। जैसे-जैसे मानवीय समझ बढ़ी होगी, अलग-अलग खाद्य सामग्रियों से नाना प्रकार के छोटे-बड़े और रंग-बिरंगे लड्डू बनाए जाने लगे होंगे। उठाने-धरने और कम जगह में अधिक सामग्री के संग्रहण में आसानी की वजह से लड्डू चर्चित होते गए होंगे। जब मन किया, लड्डू उठाया और मुंह में डाल लिया।

लड्डुओं को बड़े जतन से रखना पड़ता है। वरना वे फूट जाते हैं। बनाने की विधि पुख्ता नहीं होने से भी लड्डुओं के फूटने की संभावना बढ़ जाती है। मन में लड्डू के फूटने का सबब कौन नहीं जानता। सवाल है कि क्या मन में भी लड्डू होते हैं? क्या सबके मन में लड्डू होते हैं? अगर होते हैं तो कितने? किसी ने देखे हैं कभी मन के लड्डू? मन में लड्डू फूटते क्यों हैं? कोई यह तर्क दे सकता है कि मन में लड्डू होते हैं, तभी तो फूटा करते हैं। सवाल यह भी है कि मन के लड्डुओं को साबुत रखने में क्या हर्ज है? लड्डुओं को फोड़ने की क्या आवश्यकता है? कोई यह भी शर्त रख सकता है कि मन के लड्डुओं को बचाकर रखना है। लड्डुओं को मन में रखे रहना है, फूटना नहीं चाहिए! तब तो यह कठिन परीक्षा से गुजरने का मामला हो जाएगा! मन में लड्डू को फूटने से बचाना एकदम असंभव है। बाहर रखे असली लड्डुओं को फूटने से बचाए जाने का यत्न किया जा सकता है, लेकिन मन में लड्डू को नहीं। लड्डू मन में गए कि फूटे। वे मन में कभी साबुत नहीं बचते। लड्डू मुख तक साबुत जा सकते हैं। मुख के अंदर भी साबुत रुक सकते हैं। मन में लड्डू फूट ही जाते हैं। मन में लड्डू को फूटने से कोई नहीं बचा सकता। लगभग हर व्यक्ति के मन में लड्डू फूटते हैं। शायद जानवरों के मन में भी लड्डू फूटते हों। वे नहीं जानते हैं कि लड्डू क्या बला है। यह एक खोज का विषय हो सकता है।

कहते हैं मन चंचल होता है। वह बड़ा जिद्दी भी होता है। वह चाहे हजार काम लेकर बैठा हो। कितना भी व्यस्त हो, लेकिन लड्डू फोड़ने का मौका नहीं चूकता। व्यक्ति के मन में गाहे-बगाहे लड्डू फूटने लगते हैं। यह एक बड़ा प्रश्न है कि मन में इतने लड्डू आते कहां से हैं? क्या है इनकी आपूर्ति का स्त्रोत? मौका चाहे कोई भी हो, मन लड्डू फोड़ने बैठ जाता है। व्यक्ति चटपटी चाट खाने गया है। अभी चाट उसके हाथों में आई नहीं है। मन लड्डू फोड़े जा रहा है। यों खाऊंगा, त्यों खाऊंगा, अहा! मजा आ जाएगा। इसी तरह सुंदर स्त्री देखते ही पुरुष मन धड़ाधड़ ढेरों लड्डू फोड़ने लगता है। खाने-पीने की जगह मिलते ही भ्रष्टाचारियों के मन में लड्डू फूटने लगते हैं। मन के लड्डुओं की आवक खोज का विषय हो सकती है। दुनिया का कड़वा सच यह भी है, जिन गरीबों को असली लड्डू नसीब नहीं होते, अकसर उनके मन में ढेरों लड्डू फूटते हैं। खराब किस्मत वालों के मन में लड्डू फूटने की पूरी गारंटी है।

असली लड्डू बनाने के कई तरीके हैं। इन्हें बनाने की हजार सामग्री हो सकती है, लेकिन मन के पास सामग्रियों की कोई कमी नहीं है। वह बड़ा चालाक है। पता नहीं कौन-सी विधि से किसी भी चीज के तुरंत लड्डू बना लेता है! और फिर फोड़ने लगता है। लेखकों के मन में संपादक की स्वीकृति, प्रकाशन की सूचना और बड़े मानदेय के लड्डू फूटने लगते हैं। नेताओं के मन में चुनाव जीतने के लड्डू फूटते हैं। कुंवारों के मन में शादी के लड्डू फूटते हैं। बेघरों के मन में महलों के लड्डू फूटते हैं। चोर मन में चोरी के और लंपट के मन में छोरी के लड्डू फूटते हैं। एक राजनैतिक सच यह है कि चुनाव के दिनों में, मतगणना के समय, परिणाम आते-आते नेताओं के मन में पद और कुर्सी पाने के लड्डू फूटने लगते हैं। कई बार बेचारे! हारे हुए प्रत्याशियों के मन में लड्डू फूटते-फूटते उनके असल लड्डू भी फूट जाते हैं। जीत के लड्डू बांटने के इंतजाम पर पानी फिर जाता है। बहरहाल, आध्यात्मिक जीवन के एक सूत्र को ऐसे कहा जा सकता है, जो व्यक्ति मन में लड्डू फूटने से बचा सकता है, वही सच्चा साधक हो सकता है। भारतीय संस्कृति का इतिहास ऐसे साधकों से भरा पड़ा है। हमारे संस्कार सिखाते हैं कि मनवा तू लड्डू फूटने से बचा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता में जीवन-स्पंदन

वर्षों से पत्रकारिता के अध्यापन से जुड़े डॉक्टर गुरु सरन लाल स्वभाव से जितने सरल-सहज हैं, उनकी कविताओं में भी वही सरलता, सहजता दिखती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में प्रकाशित हुए उनके पहले कविता संग्रह 'सारा जीवन भूलभुलैया' की कविताएं। इस संग्रह में छंदबद्ध, मुक्त छंद के साथ कुछ गजलें भी संकलित हैं। इन कविताओं की विशेषता यह है कि इन्हें रचने में कवि ने शिल्प से अधिक भावाभिव्यक्ति पर ध्यान दिया है। *'आखिर आता ही क्या है मुझे/मैं नहीं कर सकता झूठा वादा/नहीं दे सकता किसी को धोखा।'* जैसी पंक्तियों के जरिए कवि उन सभी भोले और सच्चे इंसानों की मनोदशा को व्यक्त करते हैं, जो आज के जटिल समय में खुद को मिसफिट महसूस करने की विवशता के साथ जीने को बाध्य हैं। *'अब तो डर लगता है/देखने में कोई सपना।'* कहने की जरूरत नहीं कि ऐसे भाव समाज के हाशिए पर जी रहे हर उस व्यक्ति के मन में उपजते हैं, जो अपने अगले पल के भविष्य को लेकर भी भयाक्रांत है। इसीलिए उसमें कोई भी सपना देखने का साहस नहीं बचा है। जीवन की जटिलताओं को ही नहीं प्रेमानुभूति को भी कवि बहुत सादगी से कुछ कविताओं में व्यक्त करते हुए लिखते हैं, *'बिना हमारे जो रात बीती/क्या नींद आई/ये खत में लिखना।'* वास्तव में इस संग्रह की कविताओं में जीवन की तमाम स्याह-श्वेत छवियां स्पष्ट तौर पर देखी जा सकती हैं। *

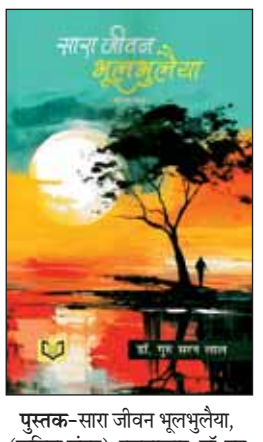

पुस्तक-सारा जीवन भूलभुलैया, (कविता संग्रह), **रचनाकार**-डॉ. गुरु सरन लाल, **मूल्य**-300 रुपए, **प्रकाशक**-इंडिया नेटबुक्स, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा (एनसीआर)

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

3 ओपनर, 2 विकेट कीपर और 4 ऑलराउंडर...चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार भारतीय टीम

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय क्रिकेट टीम का स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। भारतीय टीम को देखी जाए तो तीन ओपनर, 2 विकेटकीपर, 4 ऑलराउंडर, 1 स्पेशलिस्ट स्पिनर और 3 पेसर को मौका मिला है। वहीं चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में रन बरसाने वाले करुण नायर पर चर्चा हुई, लेकिन अभी फिलहाल उनकी टीम में जगह नहीं बन रही है।

चैंपियंस ट्रॉफी इस बार 'हाइब्रिड मॉडल के तहत पाकिस्तान और दुबई में खेला जाना है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 19 फरवरी को मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। जबकि भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी।

टीम कॉम्बिनेशन

ओपनर (3) : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल
बल्लेबाज (2) : विराट कोहली, श्रेयस अय्यर
विकेटकीपर (2) : केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर)
ऑलराउंडर (4) : हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर
स्पनिर (1) : कुलदीप यादव
पेसर (3) : जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह,
- चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप
ग्रुप ए - पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश
ग्रुप बी - दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

नायर-सैमसन नजरअंदाज, सिराज बाहर

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम से संजू सैमसन और मोहम्मद सिराज को बाहर कर दिया गया। वहीं विजय हजारे ट्रॉफी में रन बरसाने वाले करुण नायर को भी एक बार और मायूस होना पड़ा। ऐसे में सवाल उठता है कि ये तीनों ही खिलाड़ी चैंपियंस ट्रॉफी से क्यों बाहर हो गए। टीम का ऐलान के बाद चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- यह मुश्किल था, नायर वाकई खास प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका विजय हजारे ट्रॉफी में औसत 700 से ज्यादा है। हमने इस बारे में बात की। फिलहाल इस टीम में उनकी जगह बनाना वाकई मुश्किल है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा कहा- सिराज जब नई गेंद से गेंदबाजी नहीं करता है तो उसकी इफेक्टविनेस कम हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसे टीम से बाहर होना पड़ा। भारतीय टीम में स्पेशलस्टि विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल और ऋषभ पंत को मौका मिला; ऐसे में संजू सैमसन पर चर्चा नहीं हुई।

खबर संक्षेप

सनराइजर्स ने डरबन को 58 रन से हराया

डरबन। गत चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने लगातार तीन हार के बाद वापसी करते हुए किंग्समीड में खेले गए एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में डरबन सुपर जॉइंट्स पर 58 रन से शानदार जीत हासिल की। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 165 रन बनाए और इसके बाद सुपर जॉइंट्स को 107 रन पर आउट कर दिया। इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जैक क्रॉली ने 29 गेंदों में 34 रन बनाकर सनराइजर्स को अच्छी शुरुआत दिलाई जबकि टॉम एबेल ने 39 गेंदों में 57 रन बनाए।

बैडमिंटन कोच अरुण ने छोड़ी राष्ट्रीय टीम

नई दिल्ली। भारत में महिला युगल बैडमिंटन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कोच अरुण विष्णु ने राष्ट्रीय कोचिंग टीम को छोड़ दिया है और वह मार्च में नागपुर में अकादमी शुरू करेंगे।

कोझिकोड के इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को विश्व स्तरीय जोड़ी बनाने तथा तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा को एक साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह अब नागपुर में बसने जा रहे हैं जहां उनके ससुर रहते हैं। अरुण अपनी पत्नी और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अरुंधति पंतावने के साथ एक अकादमी भी खोलेंगे।

डेनमार्क की मिया ने की स्टेडियम की आलोचना

नई दिल्ली। डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम की स्थितियों की आलोचना करने के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी के प्रदूषण स्तर को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक करार दिया। ब्लिचफेल्ट को पेट में संक्रमण हो गया था। वह दूसरे दौर में चीन की वांग झी यी से 21-13, 16-21, 8-21 से हार गई थी। ब्लिचफेल्ट ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'भारत में एक लंबे और तनावपूर्ण सप्ताह के बाद आखिरकार घर पहुंच गई हूं। यह लगातार दूसरा वर्ष है जबकि इंडिया ओपन के दौरान मैं बीमार पड़ गई थी।'

नायर रनों के पहाड़ के बावजूद टीम में नहीं

मुंबई। करुण नायर ने विजय हजारे ट्रॉफी में 700 से अधिक रन बनाए। सचिन तेंदुलकर ने उनके समर्थन में सोशल मीडिया पर लिखा। लेकिन कुछ काम नहीं आया। आठ साल बाद भारतीय टीम की जर्सी पहनने का उनका सपना टीम संयोजन और समीकरण के चलते चूर चूर हो गया। अजित अगरकर की अगुवाई में राष्ट्रीय चयनकर्ताओं और कप्तान रोहित शर्मा ने चैम्पियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए टीम चुनी तो वे विदर्भ के 33 वर्ष के कप्तान के लिए जगह बना सकते थे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: इगा ने राडुकानु को 6-1, 6-0 से हराया

स्वियाटेक की आसान जीत, गाएल ने चौथे दौर में पहुंच बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने बेहतरीन खेल का नजारा पेश करके ब्रिटेन की एम्मा राडुकानु पर आसान जीत दर्ज की। गाएल मोनफिल्स ने 38 साल की उम्र में भी अपना दमदार खेल दिखाते हुए शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बनाई। स्वियातेक ने मैच के अंतिम 11 गेम जीतकर अमेरिकी ओपन में 2021 की चैंपियन राडुकानु को 6-1, 6-0 से हराया। पिछले साल डोपिंग मामले के कारण एक महीने का निलंबन स्वीकार करने वाली स्वियातेक ने चार बार फ्रेंच ओपन और 2022 में अमेरिकी ओपन का खिताब जीता था।

पिछले साल अमेरिकी ओपन के उपविजेता और यहां चौथी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज़ बाहर हो गए हैं। उन्हें मोनफिल्स ने 3-6, 7-5, 7-6 (1), 6-4 से हराया। मोनफिल्स साल के पहले ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में पहुंचने वाले 38 साल या इससे अधिक उम्र के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस तरह से रोजर फेडरर की बराबरी की। इस बीच अमेरिका के 20 वर्षीय खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रूस के करेन खाचानोव को 6-3, 7-6 (5), 6-2 से हराकर पुरुष एकल के चौथे दौर में प्रवेश किया। मिशेलसन ने पहले दौर में स्टेफानोस सितसिपास को हराया था।

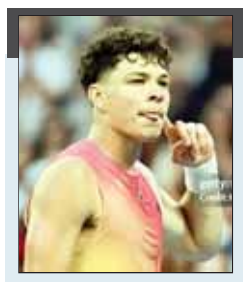

शेल्टन ने मौटेट को हराया

मिशेलसन अगले दौर में ऑस्ट्रेलिया के आठवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनाउर का सामना करेंगे, जिन्होंने 31वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 5-7, 7-6 (3), 6-3, 6-3 से हराया। अमेरिका के ही 19 वर्षीय खिलाड़ी लर्नर टीएन और 22 वर्षीय बेन शेल्टन भी चौथे दौर में पहुंच गए हैं। अपने पिछले मैच में पांचवी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव को हराने वाले टीएन ने फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट पर 7-6 (10), 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की। अमेरिकी ओपन 2023 के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले और यहां 21वीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने इटली के 16वीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी को 6-3, 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया। लोरेंजो सोनेगो ने फैबियन मारोज्सन को 6-7 (3), 7-6 (6), 6-1, 6-2 से पराजित किया।

नवारो का तूफान

ईवा लिस ने जैकलीन क्रिस्टियन को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया। आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो भी ओन्स जाबेउर को 6-4, 3-6, 6-4 से हराकर चौथे दौर में पहुंच गई हैं। नवारो ने 2024 की शुरुआत से अब तक डब्लूटीए स्तर पर 30 तीन सेट वाले मैच खेले हैं, जो इस अवधि में किसी भी खिलाड़ी से सबसे अधिक हैं। महिला एकल में छठी वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना और नौवीं वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना भी चौथे दौर में पहुंच गए हैं। विंबलडन में 2022 की चैंपियन रिबाकिना ने दयाना यास्त्रेमस्का को 6-3, 6-4 से जबकि कसाटकिना ने यूलिया पुतिनत्सेवा को 7-5, 6-1 से पराजित किया।

बालाजी-वरेला की जोड़ी बाहर

भारत के एन श्रीराम बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला शनिवार को यहां नूनो बोर्गेस और फ्रांसिस्को कैब्राल की पुर्तगाली जोड़ी से दूसरे दौर में हार के बाद पुरुष युगल से बाहर हो गए। मेलबर्न पार्क में दो घंटे और नौ मिनट तक चले करीबी मुकाबले में बालाजी और वरेला की जोड़ी को 6-7 (7), 6-4, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा।

टकाले ने रचा इतिहास

संजय डकार रैली पूरी करने वाले पहले भारतीय रेसर

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

रियाद। शीर्ष रेसर संजय टकाले ने क्लासिक कारों की श्रेणी में प्रतिष्ठित डकार रैली को पूरा करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया।

'कॉम्पैनी सहरिएन' टीम के फ्रांस के सह-चालक मैक्सिम राउड के साथ टकाले ने लगभग 7,453 किमी की कठिन प्रतियोगिता में असाधारण निरंतरता और कौशल का प्रदर्शन करते हुए 14 चरण के रेस के क्लासिक कारों की श्रेणी में 10 वां जबकि ओवरऑल 18वां स्थान हासिल किया। उन्होंने टोयोटा लैंड क्रूजर एचजेडजे78 से रेस के आखिरी चरण को पांचवें स्थान पर रहते हुए खत्म किया। डकार रैली का यह 47वां जबकि सऊदी अरब में छठा सत्र है।

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, दक्षिण छिन्दवाड़ा वनमंडल

वनमंडलाधिकारी दक्षिण छिन्दवाड़ा वनमंडल अंतर्गत म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित - 2022) के अंतर्गत कार्यालय में लगने वाली समस्त स्टेशनरी सामग्री (निविदा में दर्शित सूची अनुसार) क्रय हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है ।
✱ निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है। निविदा सामग्री की सूची निविदा दस्तावेज में देखी जा सकती है। ✱ इच्छुक निविदाकार क्रेडिट / डेबिट / कैश कार्ड / इंटरनेट बैंकिग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर (दिनांक) 22.01.2025 बजे 12:00 से (दिनांक) 03.02.2025 बजे दोपहर 1:00 बजे तक केवल ऑनलाइन खरीद सकते है ।
✱ ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी । निविदा पूर्व बैठक दिनांक 31.01.2025 समय 03:00 को कार्यालय में आयोजित की जाएगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं भाग ले सकते हैं । ✱ निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होगें जिन्होंने ई-टेंडर फॉर्म खरीदे है । ✱ ई - निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नही । ✱ कार्यालय द्वारा आवश्यकतानुसार क्रय आदेश में उल्लेखित स्थान पर स्वीकृत दर से सामग्री उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सफल निविदाकार की होगी। लोडिंग / अनलोडिंग / परिवहन एवं अन्य व्यय निविदाकार का होगा। कार्यालय द्वारा कोई भी अतिरिक्त व्यय वहन नही किया जायेगा । ✱ ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल :-https://www.mptenders.gov.in/

वनमंडलाधिकारी
दक्षिण छिन्दवाड़ा वनमंडल
G-21864/24

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप

बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया ने किया जीत से आगाज

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के बारिश से प्रभावित शुरुआती दिन जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका ने अहम मैच में न्यूजीलैंड को हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया जबकि बांग्लादेश ने कम स्कोर वाले मैच में नेपाल को पांच विकेट से हराया।

काओइमहे ब्रे ने सिर्फ एक रन खर्च कर तीन विकेट झटके जिससे ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को आसानी से हराया। बांग्लादेश ने ग्रुप डी के मैच में नेपाल को 18.2 ओवर में 52 रन पर आउट करने के बाद 13.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने भी 11 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन सादिया इस्लाम (16) और कप्तान सुमैया अख्तर (12) ने विकेटों के पतन को रोककर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित ग्रुप सी के 11 ओवर के मैच में न्यूजीलैंड पर 22 रन की जीत दर्ज की। टीम ने सात विकेट पर 91 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 69 रन पर रोक दिया।

कोलकाता पहुंची भारत और इंग्लैंड की टीमें

कोलकाता। विश्व चैंपियन भारतीय टीम और यहां दौरे पर आई इंग्लैंड टीम बुधवार को होने वाले पहले टी20 मैच के लिए यहां पहुंच गई। ऐतिहासिक ईडन गार्डंस पर तीन साल बाद पहला टी20 मैच हो रहा है। दोनों टीमों के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। एसए 20 खेलकर आए इंग्लैंड के हरफनमौला लियाम लिविंगस्टान सबसे पहले पहुंचे जो दक्षिण अफ्रीका से सीधे आए थे। जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के बाकी सदस्य दुबई से शाम को यहां पहुंचे। टीम इंडिया के खिलाड़ी अपने अपने शहरों से आए हैं।

OFFICE OF THE DEAN, NETAJI SUBHASH CHANDRA BOSE MEDICAL COLLEGE JABALPUR

No 484/Purchase/2025 Jabalpur dt. 17/01/2025

E-TENDER NOTICE

Netaji Subhash Chandra Bose Medical College Jabalpur inviting online e- tender for "Supply & Installation of Biomedical Equipment." as per the particular mentioned below.

S.No.	Particular	Date and Time
01	Online Purchase of Tender Start Date	22-01-2025 up to 05.30 PM
02	Online Bid Submission End Date	12-02-2025 up to 05.30 PM
03	Technical Proposal Opening Date	14-02-2025 at 12:30 PM

The bid document with all information relating to the bidding process including cost of bid document, EMDs, Pre qualification criteria and terms & conditions are available in the websites: www.mptenders.gov.in.The Authority reserves the right to accept / reject any part thereof or all the bids without assigning any reason thereof.

Dean
NSCB Medical College Jabalpur
G-21868/24

कार्यालय नगरपालिका परिषद बालाघाट, जिला - बालाघाट(म.प्र.)481001
(दूरभाष फेक्स क्रमांक 07632-241318/247101 एवं ईमेल cmobalaghat@mpurban.gov.in)

क्रमांक./योजना/2025/11387 बालाघाट, दिनांक :17/01/2025

//निविदा सूचना//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा निम्नांकित सामग्री क्रय करने/सेवाएं प्रदाय करने हेतु पंजीकृत ठेकेदारों एवं संविदाकारो से वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण निम्नानुसार हैं -

क्रं.	टेंडर आई.डी.	सामग्री का विवरण	रेट	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	निविदाकार की श्रेणी	कार्य अवधि
1	2025_UAD_397025_1	भोजन थाली(चावल, एक सीजनल सब्जी, दाल, पुडी, मही की कढी, सोजी का हलवा(मीठा), पापड, सलाद सहित)	-	08 लाख	40 हजार रूपये मात्र।	2000/-	निर्माता/ अधिकृत विक्रेता/सेवा प्रदाता	01 वर्ष

नोटः- निविदा से संबंधित समस्त जानकारी एवं निविदा की शर्तें ऑनलाईन पोर्टल www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं एवं निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन केवल उक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता हैं, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट
जिला -बालाघाट(म.प्र.)

मध्यप्रदेश शासन नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण
कार्यालय कार्यपालन यंत्री (वि./यां.) संभाग क्रमांक-2, बरगीनगर, जबलपुर (म.प्र.) -482056 Email ID-eeemdv2bargidam@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना वास्ते प्रकाशन

निम्न कार्य की ऑन लाइन निविदा प्रतिशत दर (अपेडिक्स 2.10) ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम पोर्टल www.mptenders.gov.in पर जारी की जा रही है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

निविदा क्र.	ई. निविदा क्र	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि (रू. में)	धरोवर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदाकार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
179/तक. 2024-25 दि-13.01.2024 (द्वितीय आमंत्रण)	2024-NVDA-395413-1	बरगी व्यपवर्तन परियोजना दांयी तट मुख्य नहर की आर.डी. 25.200 किमी. पर लगे क्रास रेगुलेटर एवं एस्केप गेटों का सुधार कार्य ।	3,38,083.00 (रुपए तीन लाख अड़तीस हजार तेरासी) मात्र	6762.00 (रू. छः हजार सात सौ बासठ) मात्र	2000.00 (रु. दो हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
199/तक. 2024-25 दिनांक 13.01.2024	2024-NVDA-395424-1	रा.अ.बा.लो.सा. परि. बांयी तट मुख्य नहर की आर.डी. 79.87 किमी. पर लगे क्रास रेगुलेटर एवं एस्केप गेटो में पेंटिग कार्य।	2,31,577.00 (रुपए दो लाख इकत्तीस हजार पॉच सौ सततर)मात्र	4632.00 (रू. चार हजार छः सौ बत्तीय) मात्र	2000.00 (रु. दो हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
200/तक. 2024-25 दिनांक 13.01.2024	2024-NVDA-395426-1	पम्प हाउस नं. 3 बरगीनगर से हास्टल ब्लाक क्षेत्र में जल प्रदाय में लगी 2", 2 1/2" एवं 3" डाया जी.आई. पाइप लाइन का सुधार कार्य।	72,556.00 (रुपए बाहत्तर हजार पॉच सौ छप्पन)मात्र	1451.00 (रू. एक हजार चार सौ इंकावन) मात्र	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
201/तक. 2024-25 दिनांक 13.01.2024	2024-NVDA-395435-1	पम्प हाउस नं. 1 बरगीनगर के जल विद्युत गृह संभाग केनिकट जल प्रदाय में लगी 6" डाया जी.आई. पाइप लाइन का सुधार कार्य ।	67,870.00 (रुपए सड्सठ हजार आठ सौ सत्तर)मात्र	1357.00 (रू. एक हजार तीन सौ संतावन) मात्र	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
		कुल योग रू.	7,10,086.00				

निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि अंतिम : 03/02/2025, 17:30 तक (केवल आनलाइन)
प्राइज बीड जमा करने की तिथि अंतिम : 03/02/2025, 17:30 तक (केवल आनलाइन)
निविदा की धरोहर राशि खुलने की तिथि : 05/02/2025, 10:30 से 05/02/2025 17:30 तक (केवल आनलाइन)
प्राइज बीड खुलने की तिथि : 05/02/2025, 10:31 से 05/02/2025, 17:30 तक (केवल आनलाइन)
निविदा प्रपत्र को उपरोक्त वेबसाइट पर केवल ऑन लाइन क्रय किया जा सकता है। ऑन लाइन पर भुगतान डेबिट/कैश कार्ड या इन्टरनेट बैंकिग अकाउण्ट्स के माध्यम से किया जा सकता हैं। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें।

(शैलेन्द्र राठौर) कार्यपालन यंत्री,
नर्मदा विकास (वि./यॉ.) संभाग क्रमांक-2 बरगीनगर, जबलपुर (म. प्र.)
G-21888/24
दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

विज्ञापन पत्र क्रमांक/27/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/2024 सिवनी, दिनांक- 03/01/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड - सिवनी (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त)

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्युरमेंट ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित हैं। निविदा का विवरण निम्नानुसार हैं :-

निविदा सूचना क्र./ दिनांक	ई- टेण्डरिंग पद्धति क्रमांक	कार्य का नाम	कुल अनुमानित लागत (रू. लाख में)	कुल अमानती राशि (रू.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में.)	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	ऑन लाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	समय अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
14/नि.प्र./ 2024-25 दिनांक 03.01.2025	2025_PHED_392965_1	सिवनी जिले में 26 जनवरी 2025 "गणतंत्र दिवस" हेतु झांकी तैयार करना तथा अन्य संबंधित कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	1.90	3,800.00	1,000.00	21/01/2025	21/01/2025	10 दिवस	म.प्र.लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत फर्म/ठेकेदार

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सिवनी (म.प्र.)
G-21855/24

66 किलो गांजा जब्त, 3 महिला तस्कर सहित 7 गिरफ्तार

दिल्ली और उड़ीसा से आ रही गांजे की खेप पुलिस के हाथ लगी

क्राईम ब्रांच और मझौली पुलिस की संयुक्त टीम ने दिल्ली और उड़ीसा के सुंदरगढ़ से लग्जरी वाहनों में कटंगी ले जाई जा रही गांजे की एक बड़ी खेप को पकड़ा है।

हरिभूमि, जबलपुर।

क्राइम ब्रांच ने गांजे की खेप लेकर कटंगी जा रहे आरोपियों को मझौली क्षेत्रांतर्गत घेराबंदी कर धर दबोचा। क्राइम ब्रांच ने दोनों लग्जरी कारों से 66 किलो 690 ग्राम गांजा कीमती 14 लाख रुपये का बरामद करते हुए आरोपियों को मझौली पुलिस के सुर्पुद कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर सरगना की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली कि छत्तीसगढ़ पासिंग की दो कारों में गांजे की बड़ी खेप आ रहीं है। जिस पर क्राइम ब्रांच ने मझौली पुलिस के साथ मिलकर सुहार नदी के पहले सिहोरा रोड नरेन्द्र सिंह के खेत के सामने नाकाबंदी की। उसी दौरान पुलिस को सिहोरा तरफ से मुखबिर द्वारा बताई गई दो कारे आती दिखी। पुलिस ने सफेद रंग की कार एक्सयूवी 500 में बैठे वाहन चालक से नाम पता पूछा। जिसने अपना नाम सौरभ खरे उम्र 22 वर्ष एवं चालक के बाजू में बैठी महिला ने अपना नाम सत्यकला खरे पति विश्वजीत प्रधान उम्र 48 वर्ष तथा पीछे बैठी महिला ने अपना नाम कंचन ठाकुर पति मंटू ठाकुर उम्र 24 वर्ष एवं सोनू बर्मन पिता महेश बर्मन उम्र 22 वर्ष सभी निवासी सिहोरा बताया। वहीं स्विफ्ट कार के चालक ने अपना नाम लखन बर्मन उम्र 20 वर्ष तथा चालक के बगल वाली सीट में बैठी महिला ने अपना नाम ममता बर्मन उर्फ मुन्नी पति महेश बर्मन उम्र 50 वर्ष, पीछे की सीट में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम दीपक लोधी उम्र 21 वर्ष सभी निवासी सिहोरा बताया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

आरोपियों के अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ रंगे हाथ पकड़ने में एसआई अमित मिश्रा, रचना पाण्डे, एएसआई रामसनेही पटेल, हवलदार अमित शुक्ला, आरक्षक छन्नूलाल, मनोज तथा क्राइम ब्रांच के एएसआई नरेश पासी, हवलदार अमित पटेल राजेश पाण्डे, अखिलेश पाण्डे, रूस्तम अली, सायबर सेल के एसआई कपूर सिंह, आरक्षक दुर्गेश की सराहनीय भूमिका रही।

दोनों कारों से गांजा बरामद

पुलिस ने एक्सयूव्ही 500 कार में रखे एक थैले में टेप से लिपटे हुये 4 पैकेट में तथा डिक्की में रखे 2 बैग के अंदर टेप से लिपटे हुये 27 पैकेट तथा इसी प्रकार स्विफ्ट कार में कार की डिक्की से 1 बैग में 9 पैकेट एंव पिट्ठू बैग में 10 पैकेट तथा 1 पीले रंग की बोरी के अंदर 14 पैकेट टेप से लिपटे हुये बरामद किये। जिन्हें चैक करने पर उसमें गांजा मिला, जो कि तौल करने पर कुल 66 किलो 690 ग्राम गांजा कीमती लगभग 14 लाख रुपये का होना पाया गया। पूछताछ पर आरोपियों ने बताया वह उक्त गांजा सुंदरगढ़ उड़ीसा से लेकर आये है, जो कि कटंगी निवासी खित्तू उर्फ खिलावन लोधी को देना है। पुलिस ने गांजा व दोनों कारों सहित आरोपियों के पास से मिले छह मोबाईल जब्त करते हुए उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की।

पोस्टमार्टम के बाद होगा मृत्यु का खुलासा

सिंगरौली के तेंदुए की जबलपुर में इलाज के दौरान मौत

हरिभूमि, जबलपुर।

सिंगरौली में दुर्घटनाग्रस्त हुए एक तेंदुए की जबलपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। तेंदुआ का बीते 15 दिन से जबलपुर के वेटनरी कॉलेज में चल रहा था इलाज, इस दौरान शनिवार की सुबह अचानक उसका स्वास्थ्य बिगड़ा और मौत हो जाने से कॉलेज में हड़कंप मच गया। कहा जाता है कि तेंदुआ का स्वास्थ्य ठीक हो गया था, परंतु अचानक मौत होने से अब पीएम के बाद खुलासा होगा कि उसकी मौत की वजह क्या थी।

जानकारी के अनुसार बीते 15 दिन पूर्व सिंगरौली में एक तेंदुआ दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, दुर्घटना में उसकी पूंछ कट गई थी, जिसे जबलपुर के नाना जी देशमुख पशु एवं चिकित्सा महाविद्यालय लाया गया था। 15 दिन से डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा था, शनिवार की सुबह अचानक तेंदुआ का तापमान बढ़ गया और उसकी मौत हो गई। मौत की पुष्टि वेटनरी कॉलेज की डायरेक्टर स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ डॉ शोभा जाबरे द्वारा की गई।

शनिवार को कोई भी नहीं था मौजूद

बताया जाता है कि जिस दिन तेंदुआ की मौत हुई, उस दिन वहां पर उसको अटेंड करने वाला कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। स्वयं डायरेक्टर शोभा जाबरे अचानक कार्य आ जाने के कारण बाहर गई हुई थी। तेंदुए में क्या बीमारी हुई और उसकी मौत की वजह क्या रही है, इसकी वजह पीएम रिपोर्ट के आने के बाद ही मिल पाएगी , परंतु कहा जा रहा है कि वहां पर कोई सीनियर डॉक्टर होता तो संभवतः तेंदुआ को बचाया जा सकता था।

बेहतर हो रहा था स्वास्थ्य

डॉ शोभा जाबरे ने बताया की तेंदुए का बच्चा ही था। जिसको दुर्घटना होने पर जबलपुर लाया गया था। इलाज के दौरान उसका स्वास्थ्य भी अच्छा हो गया था। परंतु न जाने क्यों आज उसकी मौत हो गई। हालांकि जब उसे लाया गया था तब उसकी स्थिति ठीक नहीं थी। मैं वहां पर आकर ही आपको कुछ बता पाउंगी।

तेंदुआ का हुआ पीएम

तेंदुए के मृत होने की जानकारी एवं शव परीक्षण हेतु वन विभाग को सूचित किया गया एवं उनके द्वारा मृत तेंदुए का शव-परीक्षण हेतु स्वीकृति प्रदान करने के उपरांत ही नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, तथा स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर के प्रभारी संचालक डॉ. आर. के. शर्मा के नेतृत्व में शव का परीक्षण लगभग किया गया।

निजी संपत्ति को वक्फ संपत्ति दर्ज करने का मामला

हाईकोर्ट ने वक्फ बोर्ड को यथास्थिति बनाए रखने दिए निर्देश

हरिभूमि, जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने एक मामले में वक्फ बोर्ड को यथास्थिति बनाए रखने का अंतरिम आदेश जारी किया है। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने अनावेदक मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। मामला निजी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित किए जाने के रवैये को चुनौती से संबंधित है।

याचिकाकर्ता रीवा निवासी हाजी मोहम्मद अली की ओर से अधिवक्ता शीतला प्रसाद त्रिपाठी व सुशील त्रिपाठी ने पक्ष रखा। उन्होंने तर्क दिये कि लगभग 100 साल पहले याचिकाकर्ता के बाबा स्व. अब्दुल मन्नान ने अपने पूर्वज हाजी सैयद जहूर अली शाह के नाम की दरगाह अपने मालिकाना हक की अमहिया रीवा स्थित प्रश्नाधीन भूमि पर बनाई थी। जिसे याचिकाकर्ता एवं उसके किसी भी पूर्वज ने वक्फ बोर्ड को कभी भी दान या समर्पित नहीं किया। इसके बावजूद वक्फ बोर्ड ने याचिकाकर्ता एवं उसके किसी भी पूर्वज को बिना सूचना एवं सुनवाई का अवसर दिए प्रश्नाधीन संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज कर लिया।

क्या है मामला

संक्षेप में याचिकाकर्ता का प्रकरण यह है कि 1924-25 के पूर्व याचिकाकर्ता के बाबा स्व. अब्दुल मन्नान ने अपने मालिकाना हक की 400 वर्गफीट भूमि पर अपने पूर्वज हाजी सैयद जहूर अली शाह के नाम की दरगाह बनाई एवं 800 वर्गफीट भूमि को खाली रखकर उसका उपयोग करते रहे जो याचिका की प्रश्नाधीन संपत्ति है। 1977 में उनकी मृत्यु के बाद याचिकाकर्ता के पिता स्व. अनवारूल हक प्रश्नाधीन संपत्ति की देखभाल करते रहे एवं पंजीकृत वसीयतनामा 19 सितंबर, 2016 द्वारा याचिकाकर्ता को प्रश्नाधीन संपत्ति की देखभाल के लिए मुतवल्ली बनाया। 30 नवंबर, 2020 को अपने पिता की मृत्यु के बाद से प्रश्नाधीन संपत्ति में काबिज रहकर उसकी देखभाल कर रहा है। याचिकाकर्ता एवं उसके किसी भी पूर्वज ने कभी भी प्रश्नाधीन संपत्ति को वक्फ बोर्ड को दान एवं समर्पित नहीं किया फिर भी वक्फ बोर्ड ने याचिकाकर्ता के अधिपत्य की निजी प्रश्नाधीन संपत्ति को याचिकाकर्ता एवं उसके किसी भी पूर्वज को सूचना एवं सुनवाई का अवसर दिए बिना वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज कर राजपत्र में प्रकाशित कर दिया। इस तथ्य की जानकारी मिलने पर याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में इस प्रार्थना के साथ याचिका दायर की है कि याचिकाकर्ता की निजी प्रश्नाधीन संपत्ति को वक्फ बोर्ड द्वारा वक्फ संपत्ति दर्ज करने की संपूर्ण कार्यवाही को निरस्त किया जाए।

कोतवाली और कटंगा में एक जैसी तर्ज पर दो वारदातें

लूट का भय दिखाकर फर्जी पुलिस कर्मियों ने 4 लाख के जेवर ठगे

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में एक बार फिर लूट और ठगी करने वाला गिरोह तेजी से सक्रिय हो गया। पिछले दिनों लूट का भय दिखाकर गोरखपुर, मदनमहल और लार्डगंज क्षेत्र में जेवर उतारकर कंकड पत्थर थमाने का मामलों का खुलासा अभी नहीं हो पाया, ठीक उसी तर्ज पर कोतवाली थाना क्षेत्र के कमानिया स्थित लार्डगंज जैन मंदिर के पास विजय कटपीस की गली में दिन दहाड़े महिला से सुनियोजित लूट का मामला सामने आया। ठीक इसके बाद 8 बजकर 35 मिनिट पर कटंगा स्थित वर्ल्ड स्कूल के पास एक महिला के जेवर उतरवाए गए, दोनों घटनाएं एक से पैटर्न पर हुई, इस घटना का सीसीटीव्ही फुटेज भी सामने आया है। कोतवाली में सागर से अपने मायके आई एक महिला सुबह 8 बजे जैन मंदिर जा रही थी तभी दो युवकों ने रोका और खुद को पुलिस वाला बताकर लूट का भय बताकर करीब 8 तौला सोने के 4 लाख कीमती जेवर उतरवाकर नकली जेवर थमा दिए। इसी तरह कटंगा में एपीआर कालोनी निवासी वरिष्ठ समाज सेवी मंगलचंद्र ताटिया की पत्नी के साथ इसी तरह की वारदात हुई।

घटना के संबंध में पीड़ित महिला श्रीमति ज्योति जैन ने बताया कि देवरी सागर से कुछ दिन पहले जबलपुर स्थित अपने मायके आई थी। शनिवार की सुबह 8बजे कमानिया स्थित जैन मंदिर जा रही थी तभी मंदिर की 100 मीटर दूरी पर दो युवकों ने उन्हें रोका और कार्ड दिखाकर यह भरोसा दिलाया कि वह पुलिस वालें है उन्होंने लूट का भय दिखाकर महिला से कहा कि यहां पिछले दिनों लूट की घटनाएं हुई है हम लोग लुटेरों को तलाश रहे है। आप अपनी चैन अंगूठी और चूड़िया उतारकर रख ले घर जाकर पहन लेना। चीटिंगबाजों के झासों में आई महिला ने अपनी सोने की चैन अंगूठी व चूड़िया उतारी तभी बदमाशों ने उन्हें एक कागज थमाया और कहा इसमें लपेट कर रख लीजिए। इस बीच बदमाशों ने कागज की पुड़िया बदल ली, महिला जब घर जाकर पुड़िया खोली तो उसमें नकली जेवर मिले। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और आसपास के लोग एकत्रित हो गए। कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने पीड़ित महिला को कंट्रोलरुम के सीसीटीव्ही कक्ष लेकर गई ताकि वह आरोपियों को पहचान सके। पुलिस मामलें की तफ्तीश कर रही है।

क्षेत्रीय लोगों ने लापरवाही का आरोप लगाया

होर्डिंग में लगी लोहे की राड बुजुर्ग के गले में घुसी, मौत

हरिभूमि, जबलपुर।

सिविल लाइन इलाहाबाद चौक में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसमें 64 वर्षीय बुजुर्ग किशन कुमार रजक की मौत हो गई। बुजुर्ग शनिवार की सुबह अपनी रोज़ की तरह सब्जी खरीदने के लिए घर से निकले थे। जब वह इलाहाबाद चौक पहुंचे और होर्डिंग के पास खड़े हुए, तभी होर्डिंग लगाने के दौरान एक लोहे की राड अचानक गिर गई, जो सीधे उनके गले में जाकर फंस गई। इस घटना से मौके पर ही खून बहने लगा और बुजुर्ग गिर पड़े।

घटना के तुरंत बाद आसपास के लोग दौड़े और उन्हें अस्पताल पहुंचाने के लिए उनके परिजनों को सूचना दी। बुजुर्ग को गंभीर स्थिति में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सिविललाइन पुलिस के अनुसार, किशन कुमार रजक स्टॉक अपार्टमेंट में रहते थे और रोजाना की तरह शनिवार को भी सब्जी लेने के लिए चौक पर गए थे। जिस स्थान पर वह खड़े थे, वहां होर्डिंग का काम चल रहा था। अचानक, होर्डिंग की एक लोहे की राड गिर गई, जो बुजुर्ग के गले में घुस गई। इस घटना के कारण बुजुर्ग के गले में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनका निधन हो गया।

घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों ने होर्डिंग लगाने में लापरवाही का आरोप लगाया है और कहा है कि अगर सुरक्षा के उपाय किए जाते, तो यह हादसा टाला जा सकता था। वहीं, पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240